छात्र संघ की ओर से नारेबाजी सुप्रीम कोर्ट की सीधे तौर पर अवमानना
- 12

नए कारोबार के धीमे विस्तार से देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां ढीलीं
- 12

वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई से क्षेत्रीय अस्थिरता की संभावना
- 13

हरमनप्रीत कौर 13वें स्थान पर पहुंची, दीप्ति शीर्ष से खिसकी
- 14

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

6.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.06

सूर्यास्त 05.31

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष पंचमी 06:33 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 7 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 44, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पारिवारिक, व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियों के दान पर 5 हजार स्टांप शुल्क

उप्र मंत्रिमंडल का फैसला : संपत्तियों के दान पर मिली बड़ी राहत, शहरी और गांव सभी जगह लागू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में हुई कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश में परिवार के सदस्यों के बीच निष्पादित अचल संपत्ति के दान विलेख पर स्टांप शुल्क में दी जा रही छूट के दायरे को और व्यापक करने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखायी गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट में कुल 14 प्रस्ताव रखे गए, जिसमें 13 को स्वीकृति प्रदान की गई।

संपत्ति संबंधी निर्णय के बारे में उन्होंने बताया कि, इस फैसले से अब पारिवारिक सदस्यों के बीच व्यावसायिक एवं औद्योगिक संपत्तियों के दान पर भी स्टांप शुल्क में बड़ी राहत मिलेगी। अभी तक भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 के अंतर्गत उप्र. में दान विलेखों पर संपत्ति के मूल्य के अनुसार हस्तांतरण पत्र (कन्वेयंस डीड) की भांति स्टांप शुल्क देय होता है, जबकि रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 के प्रावधानों के अनुसार अचल संपत्ति के दान विलेख का पंजीकरण अनिवार्य है।

स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन अनुभाग-2 की 3 अगस्त 2023 की अधिसूचना के माध्यम से यह व्यवस्था की गई थी कि यदि अचल संपत्ति का दान परिवार के सदस्यों के पक्ष में किया जाता है तो स्टांप शुल्क में छूट देते हुए अधिकतम 5,000 रुपये ही लिया जाएगा। यह छूट अब तक केवल कृष्य एवं आवासीय संपत्तियों तक सीमित थी। कैबिनेट द्वारा पारित प्रस्ताव के तहत इस छूट को पारिवारिक सदस्यों के मध्य व्यावसायिक एवं औद्योगिक संपत्तियों के दान पर भी लागू करने का निर्णय लिया गया है। इससे परिवारों के बीच संपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और कम खर्चीली हो जाएगी। स्टांप तथा पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने बताया कि वर्ष 2022 से पहले तक परिवार के रिश्ते में यदि कोई प्रॉपर्टी देता था तो पूरे सर्किल रेट के बराबर स्टांप शुल्क देना पड़ता था। वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तय हुआ कि पारिवारिक रिश्तों में यदि कोई प्रॉपर्टी दान की जाती है तो उस पर फिक्स्ड पांच हजार रुपए स्टांप लगेगा। लेकिन यह दान केवल आवासीय और कृषि पर लागू था, लेकिन अब यह नियम कॉमर्शियल प्रॉपर्टी पर भी लागू कर दिया गया है।

लोकभवन में मंत्रिमंडल के बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी।

पश्चिमी उप्र और एनसीआर में उच्च शिक्षा के नए अवसर

कैबिनेट बैठक में दूसरा अहम निर्णय आईआईएमटी विश्वविद्यालय, मेरठ के ग्रेटर नोएडा में ऑफ-कैंपस की स्थापना को लेकर लिया गया। इसके लिए संचालन प्राधिकार पत्र (एलओपी) जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इस ऑफ-कैंपस के शुरू होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे और छात्रों को अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। सरकार द्वारा आईआईएमटी विवि. मेरठ के ग्रेटर नोएडा स्थित ऑफ-कैंपस के संचालन के लिए प्रायोजक संस्था को संचालन प्राधिकार पत्र जारी करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है।

जेएस विवि, शिकोहाबाद की मान्यता रद्द, फर्जी डिग्रियों पर कार्रवाई

लखनऊ। कैबिनेट की बैठक में उच्च शिक्षा विभाग से जुड़े दो महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाले प्रस्तावों को भी स्वीकृति मिली। एक तरफ, योगी कैबिनेट ने जेएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद (जनपद फिरोजाबाद) के परिसमापन को मंजूरी दी है तो वहीं आईआईएमटी विश्वविद्यालय, मेरठ के ग्रेटर नोएडा में ऑफ-कैंपस को संचालन प्राधिकार पत्र (एलओपी) जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। जेएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद के बाबत उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि जांच में यह सामने आया कि विश्वविद्यालय द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए बीपीएड पाठ्यक्रम की फर्जी और बैक डेट में मार्कशीट व डिग्रियां जारी की गईं, जिनका उपयोग राजस्थान की शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में चयनित अभ्यर्थियों द्वारा किया गया। इस प्रकरण में राजस्थान पुलिस की जांच, कुलाधिपति एवं कुलसचिव की गिरफ्तारी तथा शासन स्तर पर गठित जांच समितियों की आख्या में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं।

उप्र में 2.89 करोड़ के नाम कटे एक करोड़ को जाएगा नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची के एसआईआर में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। ऐसे में जहां लिस्ट में कुल 15.44 करोड़ मतदाता थे, अब 12.55 करोड़ मतदाता रह गए हैं। वहीं इस लिस्ट में शामिल 12.55 करोड़ मतदाताओं में से 91.75 प्रतिशत की मैपिंग कर ली गई है। जिन करीब 8.25 प्रतिशत लोगों के नाम मैपिंग में नहीं मिले हैं, उन 1.04 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने मंगलवार को लोकभवन में ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की। इस दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल 12.55 करोड़ में से 11.55 करोड़ लोगों यानी 91.75 प्रतिशत लोगों की मैपिंग चुनाव आयोग ने कर ली है। यह वह मतदाता हैं, जिनके नाम का मिलान वर्ष 2003 की मतदाता सूची से कर लिया गया है। यह वे वोटर हैं, जिनका या तो खुद का नाम या फिर माता-पिता का नाम, बाबा-दादी का नाम और नाना-नानी का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में था। ऐसे में अब इन्हें कोई नोटिस नहीं जाएगी। वहीं बचे 1.04 करोड़ यानी 8.25 प्रतिशत लोगों को नोटिस भेजी जा रही है। नोटिस के बाद उनसे दस्तावेज मांगे जाएंगे। फिर जांच में सही पाए जाने पर ही उन्हें वोटर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची सीईओ की वेबसाइट ceouttarpradesh.nic.in पर उपलब्ध है। यहां वोटर्स अपने नाम देख सकते हैं। अगर उनका नाम सूची में नहीं है तो 6 फरवरी तक दावे व आपत्तियां कर सकते हैं। वहीं मंगलवार से ही 27 फरवरी तक दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। 6 मार्च को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद अब नोटिस एवं ईआरओ या एईआरओ के द्वारा ही किसी का नाम काटा जा सकता है। इस बार 1200 मतदाताओं पर एक बूथ बनाया गया है, प्रदेश में 15030 पोलिंग बूथ बढ़े हैं। ऐसे में अब 1,62,486 बूथों से बढ़कर 1,77,516 हो गए हैं।

- एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी, दावे और आपत्ति को दिया एक महीने तक का वक्त, सीईओ नवदीप ने जारी की सूची

इन श्रेणियों में मिले मतदाता

- स्थानांतरित/अनुपस्थित- 2.17 करोड़
- मृत- 46.23 लाख
- डुप्लीकेट- 25.47 लाख
- फार्म न जमा करने वाले -7.57 लाख

यहां सबसे ज्यादा कटे नाम

- लखनऊ - 12 लाख
- प्रयागराज - 11.56 लाख
- कानपुर नगर - 9.02 लाख
- आगरा - 8.36 लाख
- बरेली - 7.14 लाख

यहां कटे सबसे कम नाम

- शामली 1.63 लाख
- कासगंज 1.72 लाख
- बांदा 1.75 लाख
- बागपत 1.77 लाख
- अमरोहा 1.81 लाख

ब्रीफ न्यूज

गैस के कुएं की आग बुझाने दिल्ली, मुंबई से पहुंची विशेषज्ञ टीम

मोरी। डॉ. बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले में गैस के एक कुएं में लगी आग बुझाने के लिए मुंबई और दिल्ली से तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की विशेषज्ञ टीम यहां पहुंची। एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार की तुलना में आग की तीव्रता में कमी आई है। ओएनजीसी के स्वामित्व वाले मोरी-पांच कुएं में गैस रिसाव के बाद पांच जनवरी को दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर मोरी और इरसुमंदा गांवों के पास करीब 25 मीटर के भूभाग में आग भड़क उठी थी और 20 मीटर ऊंची लपटें देखी गईं।

राहुल गांधी मामले में जिरह पूरी

सुलतानपुर। गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध चल रहे मुकदमे में मंगलवार को निर्धारित सुनवाई हुई। कोर्ट में परिवादी पक्ष के गवाह रामचंद्र दूबे से बचाव पक्ष द्वारा जिरह पूरी कर ली गई। परिवादी भाजपाई एवं कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि परिवादी के गवाह से जिरह पूर्ण हो चुकी है। इसके बाद कोर्ट ने गांधी का बयान दर्ज करने के लिए 19 जनवरी की तिथि नियत की है। यह मामला वर्ष 2018 का है, जिसमें गांधी पर बेंगलुरु की जनसभा में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष शाह के खिलाफ टिप्पणी का आरोप है।

जेएनयू में लगे मोदी-शाह के खिलाफ विवादास्पद नारे

नई दिल्ली, एजेंसी

- जेएनयू ने पुलिस से मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह किया

सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2020 के दिल्ली दंगा साजिश मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार किए जाने के बाद जेएनयू के छात्रों के एक समूह ने विश्वविद्यालय परिसर के भीतर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विवादास्पद नारे लगाए। जेएनयू छात्र संघ की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा कि छात्र पांच जनवरी, 2020 को परिसर में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए हर साल विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने कहा, विरोध प्रदर्शन के दौरान लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और वे किसी पर व्यक्तिगत हमला नहीं थे। वे किसी को लक्ष्य करके नहीं लगाए गए थे।

इस बीच, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि नारों के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। हालांकि, दिल्ली के मंत्रियों आशीष सूद एवं मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस घटना की निंदा की और विपक्ष पर ऐसे कृत्यों में लिप्त लोगों का समर्थन करने का आरोप लगाया। सूद ने दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन की शुरुआत से पहले पत्रकारों से कहा, शरजील इमाम ने पूर्वोत्तर भारत को अलग करने की बात कही थी। उमर खालिद ने 'भारत के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे' के नारे लगाए थे और 2020 के दंगों में उसकी संलिप्तता पाई गई थी। ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति इसलिए दिखाई जाती है क्योंकि इस विधानसभा में ऐसे लोग हैं जिन्होंने शरजील इमाम के साथ मंच साझा किया था। उन्होंने कहा कि जब ऐसे लोगों को संरक्षण दिया जाता है, तो ऐसी बातें होना तय है।

नारेबाजी करते जेएनयू के छात्र।

आपत्तिजनक थे नारे : जेएनयू

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने मंगलवार को कहा कि एक विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्र संघ द्वारा अत्यंत आपत्तिजनक और भड़काऊ नारेबाजी वाले वीडियो का उसने गंभीर संज्ञान लिया है और जोर दिया कि ऐसे कृत्य संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जानबूझकर अनादर दर्शाते हैं। विश्वविद्यालय ने पुलिस से सोमवार रात एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारे लगाए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का भी आग्रह किया है।

सूद ने कहा, जेएनयू में शरजील और उमर खालिद का समर्थन किया गया। वहां जो हुआ है, वह निंदनीय है और राष्ट्र के खिलाफ है। आप नीतिगत मुद्दों पर लड़ सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। सिरसा ने आरोप लगाया कि नारे लगाने वालों के मन में संविधान या कानून के प्रति कोई सम्मान नहीं है। (संबंधित पेज-12)

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का निधन

पुणे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार तड़के पुणे में निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। उन्होंने करीब तीन बजकर 30 मिनट पर अंतिम सांस ली। राजनीति और खेल प्रशासन में उनका लंबा करियर रहा। भारतीय खेलों पर उनकी पकड़ ने सफलता और विवाद दोनों को जन्म दिया। वह रेल राज्य मंत्री भी रहे और उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दीं। मद्रास में 1944 में जन्मे कलमाड़ी ने पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज से पढ़ाई की थी।

बांग्लादेश में एक और हिंदू कारोबारी की हत्या

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के नरसिंगदी शहर में एक 40 वर्षीय हिंदू किराना कारोबारी की धारदार हथियार से अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी। बढ़ती हिंसा को लेकर उसने फेसबुक पर पोस्ट किया था। यह घटना सोमवार रात को हुई। इससे कुछ ही घंटों पहले बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में एक हिंदू व्यापारी की सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। बांग्लादेश में 18 दिन में छठी हत्या की वारदात हुई है।

पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में दुकानदार मणि चक्रवर्ती पर सोमवार रात करीब 11 बजे हमला कर उनकी हत्या कर दी गई। पलाश पुलिस थाना प्रमुख (ओसी) शाहेद अल मामून ने बताया कि मणि शिबपुर उपजिला के साधरचार यूनियन निवासी मदन ठाकुर के बेटे थे। मणि चारसिंदूर बाजार में किराना दुकान के मालिक थे। हाल के सप्ताहों में मारे गए वह तीसरे हिंदू कारोबारी हैं।

पुलिस और स्थानीय लोगों ने बताया कि मणि जब सोमवार रात दुकान बंद करके अपने घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार एवं स्थानीय रूप से निर्मित हथियार से वार किया। मणि की मौके पर ही मौत हो गई। शाहेद ने कहा कि पुलिस घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत मौके पर पहुंची और दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नरसिंगदी सदर अस्पताल के शवगृह भेजा गया है। इससे पहले भी हिंदू समुदाय के सदस्यों के खिलाफ हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। सोमवार को खुलना मंडल में जेस्सोर के केशबपुर उपजिला में अरुआ गांव निवासी 38 वर्षीय राणा प्रताप के सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी।

मृतक मणि चक्रवर्ती

- बढ़ती हिंसा को लेकर फेसबुक की थी पोस्ट धारदार हथियार से हमला, 18 दिन में छठी हत्या

तौकीर के बेटे की कार बस में घुसी, तलाशी में ड्रग्स- सिरिंज मिले

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: तौकिर रजा के बेटे की कार मंगलवार शाम शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र में रोडवेज बस में पीछे घुस गई। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और फरमान रजा मामूली रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची तिलहर पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने आई, देर रात तक उससे पूछताछ होती रही। वहीं कार की तलाशी में क्रिस्टल नामक ड्रग्स और सिरिंज बरामद हुआ।

पुलिस जांच में सामने आया है कि कार चालक का वाहन पर नियंत्रण नहीं था, जिससे पीछे से बस में टक्कर हो गई। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि हादसे में फरमान रजा को हल्की चोटें आई हैं और मामले की जांच जारी है। दरअसल फरमान रजा पिता तौकीर रजा के केस की पैरवी के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट जा रहा था। इसी दौरान तिलहर क्षेत्र में उसकी कार हादसे का शिकार हो गई। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद युवक को कोतवाली लाकर आवश्यक पूछताछ शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी देहात भंवरे दीक्षा स्वयं पूछताछ कर रही हैं।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार और पुलिस हिरासत में तौकीर रजा का बेटा फरमान रजा।

- तिलहर पुलिस ने लिया हिरासत में देर रात होती रही पूछताछ

तौकीर राजा के बेटे फरमान के पास से क्रिस्टल नाम की ड्रग्स मिली है पूछताछ में फरमान ने बताया है कि यह पुड़िया उसने अपने निजी उपयोग के लिए रखी थी।

- भंवरे दीक्षा एसपी ग्रामीण

विधायक ने सरकारी अस्पताल में मरीज का इलाज करते झोलाछाप डॉक्टर पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: सरकारी अस्पताल की व्यवस्थाओं की मंगलवार को उस समय पोल खुल गई, जब पीएचसी में एक झोलाछाप डॉक्टर को मरीजों का इलाज करते हुए भाजपा विधायक ने पकड़ा। एमओआईसी ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

बीजेपी विधायक वीर विक्रम सिंह मदनापुर क्षेत्र के बुधवाना पीएचसी पर मंगलवार को निरीक्षण करने पहुंचे। उन्हें वहां एक झोलाछाप मरीजों को देखकर दवाएं लिखते मिला। विधायक ने मरीजों से स्वस्थ सेवाओं की जानकारी ली, फिर स्टाफ से परिचय लिया। कुर्सी पर बैठे झोलाछाप ने अपना नाम देवेंद्र निवासी मदनापुर बताया। विधायक ने ड्यूटी रजिस्टर चेक किया तो उसमें इस नाम का कोई डॉक्टर नहीं मिला। इसके बाद फर्जी डॉक्टर होने की बात सामने आई।

- भाजपा विधायक वीर विक्रम पहुंचे थे निरीक्षण के लिए, रिपोर्ट दर्ज

विधायक ने तत्काल इसकी जानकारी डीएम और थाना मदनापुर पुलिस को दी। मदनापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर झोलाछाप को पकड़कर थाने लाई। उसके बाद एडीएम एफआर अरविंद कुमार भी पीएचसी पहुंच गए। बताया जा रहा है कि देवेंद्र पीएचसी पर प्राइवेट रूप से काम करता हैं। मंगलवार को ही नए एमओआईसी डॉ. अश्वनी की ज्वाइनिंग हुई थी, लेकिन वह पीएचसी पर गैर हाजिर थे। निरीक्षण के दौरान पीएचसी पर तैनात लैब टेक्नीशियन और फार्मासिस्ट भी गैर हाजिर मिले। उनकी गैर मौजूदगी में फर्जी डाक्टर मरीजों का इलाज कर रहा था।

मदनापुर थाने में एमओआईसी की तहरीर पर फर्जी डॉ. देवेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। साथ ही इस पर एक रिपोर्ट डीएम को भेजी जा रही है। एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने बताया कि उन्होंने पीएचसी का निरीक्षण किया है। फर्जी रूप से इलाज करने वाले झोलाछाप को थाने भेज दिया गया है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। वहीं इस मामले में जब सीएमओ से फोन कर उनका पक्ष जानने की कोशिश की तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

विकास को गति | मुख्यमंत्री बोले-ग्रामीण रोजगार राहत नहीं, आत्मनिर्भरता का आधार बनेगा

गड्ढा खोदने-भरने की योजना नहीं होगी 'जी राम जी' : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गांवों में बनेंगी टिकाऊ परिसंपत्तियां समय पर काम और श्रमिकों को मिलेगा सम्मानजनक जीवन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया है कि विकसित भारत 'जी राम जी' योजना के तहत अब गड्ढा खोदने और फिर उसे भरने जैसे निरर्थक कार्य नहीं होंगे। इस योजना का उद्देश्य हर गांव में टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण कर स्थायी विकास को गति देना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल अस्थायी राहत तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनेगी। सरकार समय पर काम उपलब्ध कराएगी और श्रमिकों को सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करेगी। योगी मंगलवार को लोकभवन ऑडिटोरियम में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के संबंध में ब्रीफिंग दे रहे थे। सीएम ने स्पष्ट किया कि अस्थायी और अधूरी परिसंपत्तियों का दीर्घकालीन लाभ नहीं होता उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांव विकसित होंगे, ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त बनेगी, किसान आत्मनिर्भर होगा और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा व सम्मान मिलेगा। योगी ने कहा कि ग्राम पंचायतें अधिनियम के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों की चार श्रेणियां तय कर सकेंगी। जल संरक्षण के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, चेकडैम सहित अन्य स्थायी संरचनाएं विकसित की जा सकेंगी। ग्रामीण ढांचे के अंतर्गत सड़क, नाली, खेल मैदान, ओपन जिम, बाजार और दुकानों जैसे आजीविका-संबंधी कार्य कराए जाएंगे। आपदा प्रबंधन और प्रतिकूल मौसम से निपटने की तैयारी भी योजना का हिस्सा होगी।

किसानों के हित सुरक्षित

योगी ने कहा योजना को पूरी तरह डिमांड-ड्रिवन बनाया गया है। रोजगार गारण्टी को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। मानदेय का साप्ताहिक भुगतान होगा और भुगतान में देरी होने पर मुआवजे का प्रावधान भी किया गया है। समय पर काम न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता अब कानूनी अधिकार बन चुका है। खेती के मौसम में किसानों को मजदूरों की कमी न हो, इसके लिए बुआई और कटाई के समय 60 दिन तक कार्य-विराम का अधिकार है, जिससे किसान-मजदूर दोनों के हित सुरक्षित रहेंगे।

प्रत्येक 6 माह में सोशल ऑडिट अनिवार्य

कैग मानकों के अनुरूप प्रत्येक छह माह में अनिवार्य सोशल ऑडिट, बहुस्तरीय समयबद्ध शिकायत निवारण और जिला लोकपाल की व्यवस्था भी की गई है। केंद्र-राज्य की 60:40 की साझेदारी से यह अधिनियम वित्तीय अनुशासन और संघीय संतुलन को मजबूती देगा। इससे राज्यों को 17,000 करोड़ अतिरिक्त मिल सकते हैं। वहीं टेक्नोलॉजी को कानूनी अधिकार का दर्जा देते हुए बायोमैट्रिक उपस्थिति, जियो-टैगिंग, रियल टाइम मोबाइल एप मॉनिटरिंग, एआई आधारित निगरानी और डिजिटल भुगतान लागू होंगे।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 7 जनवरी 2026

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

10 जनवरी तक बंद रहेंगे स्कूल कॉलेज

पीलीभीत, अमृत विचार : शीतलहर और कोहरे को देखते हुए परिषदीय विद्यालयों का अवकाश पहले ही चल रहा है। हालांकि माध्यमिक कॉलेजों में छुट्टी नहीं की गई। इसको लेकर शिक्षक संगठन मांग कर रहे थे। मंगलवार को भी एक संगठन ने अवकाश को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसी क्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार सिंह की ओर से 7 से 10 जनवरी तक का अवकाश घोषित कर दिया है। साथ ही समस्त प्रधानाध्यापकों को भी सूचित कर दिया है। इस फैसले का शिक्षक संगठनों ने स्वागत किया है।

युवती से घर में घुसकर की मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : न्यूरिया थाने में दी गई तहरीर में तुर्कपुर बढ़वार निवासी पप्पू ने बताया कि उसकी पुत्री प्रीति देवी को गांव का ओमप्रकाश, उमाचरन, हरमन, मंगो देवी ने 1 जनवरी को घर में घुसकर पीटा। बीच बचाव करने पहुंचे ज्ञान प्रकाश की भी पिटाई कर दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

चार दिन बाद युवती को छोड़ा

पीलीभीत, अमृत विचार : गजरौला थाने में दी गई तहरीर में एक ग्रामीण ने बताया कि उसकी बेटी कक्षा आठ तक पढ़ी है। उसे गांव का ही हरीश कुमार 31 दिसंबर की रात 11 बजे भगाकर ले गया। आरोपी के परिवार पर दबाव बनाया तो 4 जनवरी की सुबह 7 बजे पुत्री को गांव के बाहर छोड़ गया। पुत्री ने घर आकर घटना बताई। इस पर जब आरोपी के घर जाकर बात की तो जान से मारने की धमकी दी गई। गजरौला पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

घर में घुसकर मारपीट मामले की रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : घर में घुसकर मारपीट करने के मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। करेली थाने में दी गई तहरीर में ग्राम इलाबास सिमरा निवासी संजय कुमार ने बताया कि उसके चचेरे भाई विपांशु, विवेक, रामचंद्र, विपिन ने उसके भांजे सुधीर कुमार, भतीजे रवि, भाई सर्वेश, उसकी पत्नी प्रियंका की घर में घुसकर पिटाई कर दी। घटना चार जनवरी की बताई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बाइक की खातिर तोड़ा रिश्ता, रिपोर्ट दर्ज

माधोटांडा, अमृत विचार : एक ग्रामीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बहन की शादी कस्बा माधोटांडा के मोहनलाल कुशवाहा से तय हुई थी। गोद भराई भी उसी वक्त कर दी गई थी। मोहनलाल की आर्थिक कमजोर स्थिति को देखते हुए पचास हजार रुपये देकर आर्थिक मदद की थी। ताकि शादी से पूर्व घर पर पक्की दीवार व टिनशेड डलवा दिया जाए। आरोप है कि कुछ दिन बाद दहेज में बाइक की मांग कर दी गई। अब शादी से इन्कार कर दिया है। पुलिस ने मामले में माधोटांडा निवासी विवेक मोहनलाल कुशवाहा और उसके पिता विवेक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

किशोरी को बहलाकर ले जाने की रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 दिसंबर की रात 9 बजे उसकी 17 वर्षीय बहन घर से कहीं चली गई। उसे काफी तलाश किया गया लेकिन नहीं मिल सकी। बाद में पता चला कि उसे गांव का रहने वाला एक युवक बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बर्फीली हवा ठिठुरा रही, अभी राहत नहीं

ओपीडी में सर्दी, जुकाम के साथ हार्ट के मरीजों की बढ़ रही संख्या, प्राइवेट अस्पताल भी हुए फुल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनवरी की ठंड ने जिले को गिरफ्त में ले लिया है। पारा लगातार लुढ़क रहा है और बर्फीली हवा ने सर्दी की मार को और तेज कर दिया है। दिनभर बादलों की चादर तनी रही, धूप के दर्शन नहीं हुए। नतीजतन आम जनजीवन बेहाल नजर आया। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को भी सुबह-शाम घना कोहरा छाए रहने और ठंड से राहत न मिलने के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार फिलहाल 9 जनवरी तक कोहरे रहने की आशंका है।

मंगलवार को पीलीभीत का न्यूनतम तापमान 5.01 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि अधिकतम तापमान भी लुढ़ककर 14.2 डिग्री पर पहुंच गया। यहीं हाल सोमवार का रहा। जहां न्यूनतम तापमान छह डिग्री बना रहा। इतना ही नहीं 18 किमी की रफ्तार से चल रही सर्द हवा के चलते सुबह और शाम गलन ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया। पूरे दिन कोहरा छाया रहा। कोहरे की चादर में लिपटें जिले में सूर्य के दर्शन नहीं हुए। ऐसे में राहगीरों को दिन में भी लाइट जलाकर चलना पड़ा। इतना ही नहीं दृश्यता कम होने के कारण बसें और ट्रेनें भी लेटलतीफ रही। शहर के गौहनिया चौराहा हो या फिर बाजार के प्रमुख चौराहे। सभी जगह सड़कों पर दिन के समय भी सन्नाटा पसरा रहा। बाजारों में ग्राहकों की आमद कम रही, जिससे व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है। ठंड से बचाव के लिए अलावों की व्यवस्था कागजों तक सीमित दिखी। बेघर और जरूरतमंद लोग ठिठुरते हुए रात गुजारने को मजबूर हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसएस ढाका ने बताया कि शीतलहर का प्रकोप जनवरी में जारी रहेगा। पहाड़ों पर हो रही बर्फवारी के चलते तराई में गलन बनी हुई है। नौ जनवरी तक कोहरा छाया रहेगा।

सोमवार रात को हाईवे पर छाया कोहरा व गुजरता राहगीर। ● अमृत विचार

मेडिकल कॉलेज के दवा काउंटर पर लगी मरीजों की कतार। ● अमृत विचार

- दिनभर नहीं निकली धूप, कल भी छाए रहेगा घना कोहरा
- वाहन चालकों को दिन में भी लाइट जलाकर चलना पड़ा

आयुर्वेदिक अस्पताल में मरीजों को चेकअप करते डॉ. गनेश कुमार› ● अमृत विचार

सेहत पर वार कर रही ठंड, हार्ट के मरीज भी बढ़े

बढ़ती ठंड और घने कोहरे का सीधा असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। जिला अस्पताल और निजी अस्पतालों की ओपीडी में सर्दी, जुकाम, खांसी, गले में खराश, वायरल बुखार और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत लेकर मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार ठंड के चलते हार्ट मरीजों की परेशानी भी बढ़ी है। ब्लड प्रेशर और सांस संबंधी दिक्कतों के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में कुल 1248 मरीजों ने पर्चे बनवाए। जिनमें 300 से अधिक वायरल संक्रमण से पीड़ित थे। शेष सर्दी, जुकाम, बुखार, सीने में दर्द आदि के मरीज शामिल रहे। मरीजों की भीड़ के चलते सुबह से ही रजिस्ट्रेशन और दवा वितरण काउंटरों पर लंबी कतारें लगी रहीं। सीएमएस डा. रमाकांत सागर ने बताया कि ठंड और बढ़ते प्रदूषण से अस्थमा व फेफड़ों से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं। चिकित्सकों ने गुनगुना पानी पीने, गर्म कपड़े पहनने और सर्दी के लक्षण दिखते ही डॉक्टर से परामर्श लेने की अपील की है। डॉ. गिरीश अनेजा ने बताया कि ठंड में हार्ट के मरीजों की परेशान बढ़ जाती है। इसलिए वह बचाव करके रखें।

सिर्फ तीन सौ रुपये में स्कूलों में कराने होंगे खेल महोत्सव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- परिषदीय विद्यालयों में आयोजनों के नाम पर होगी खानापूर्ति
- शासन ने जारी हुआ बजट, प्रधानाध्यापकों में असमंजस

स्कूलों में खेल महोत्सव और वार्षिकोत्सव के लिए शासन की ओर से बजट निर्धारित किया गया है। 1483 स्कूलों को बजट भेजा जाना है। धनराशि शासन स्तर से ही तय की गई है। इस बजट में ही आयोजन करना होंगे।

– **सचिन चौधरी**, जिला समन्वयक

अमृत विचार : निजी स्कूलों की तर्ज पर परिषदीय विद्यालयों में खेल महोत्सव और वार्षिकोत्सव आयोजित किए जाएंगे। शासन की ओर से खेल महोत्सव के लिए 300 रुपये और वार्षिकोत्सव को 1200 रुपये दिए जा रहे हैं। आयोजनों के लिए तय की गई धनराशि को कम बताते हुए शिक्षकों से लेकर अभिभावकों तक ने नाराजगी जताई। फिलहाल बजट आने के बाद स्कूलों को भेजा जा रहा है।

जिले में परिषदीय विद्यालयों की संख्या 1508 हैं। जिसमें 291 कंपोजिट, 928 प्राथमिक और 280 उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित होते हैं। इसके अलावा नौ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इनमें 18 स्कूलों का संचालन नगरीय क्षेत्र में किया जा रहा है। इन सभी स्कूलों में कक्षा चार से आठ में 1.15 लाख और कक्षा एक से तीन में 60864 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को खेल गतिविधि और वार्षिकोत्सव के जरिए मौज मस्ती करने के लिए शासन ने निर्णय लिया है। इसको लेकर शासन की ओर से 4.47 लाख रुपये का बजट जारी किया गया है। यह बजट जिले के 16 पीएमश्री और नौ कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय को छोड़कर 1483 स्कूलों में भेजा जाएगा। प्रति स्कूल के लिए खेल महोत्सव कराने को 300 रुपये दिए जा रहे हैं। साथ ही वार्षिकोत्सव को 1200 रुपये भेजे जा रहे हैं। इतनी कम राशि में खेल सामग्री, पुरस्कार, सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर जिम्मेदार चिंतित हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस राशि में न तो ढंग की खेल प्रतियोगिता संभव है और न ही बच्चों की प्रतिभा को मंच मिल सकता है। कई विद्यालयों में तो यह रकम केवल फोटो खिंचवाने और रिपोर्ट तैयार करने तक सीमित रह जाती है। वहीं एक प्रधानाध्यपक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि इतने कम रुपये में केवल खानापूर्ति ही हो पाएगी।

तीसरे दिन हॉकी शिविर की योगाभ्यास से हुई शुरुआत

हॉकी शिविर में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : गांधी स्टेडियम में रविवार से शुरू हुई हॉकी की पाठशाला के तीसरे दिन मंगलवार को योगाभ्यास से शुरुआत की गई। विशेष प्रशिक्षण शिविर में जिले भर से चयनित 32 प्रतिभावान खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय योग संस्थान के जिला प्रमुख सतीश शर्मा के योग सत्र से हुई। खिलाड़ियों को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए। उन्होंने बताया कि योग से मन और तन दोनों स्वस्थ रहते हैं। उन्होंने विभिन्न आसन कराए और इन्हें नियमित करने पर जोर दिया।

ब्लॉक में दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अमरिया, अमृत विचार: ब्लॉक सभागार में ग्राम प्रधानों और सचिवों का दो दिवसीय डिजिटल एवं फाइनेंसियल लिटरेसी प्रशिक्षण संपन्न मंगलवार को संपन्न हो गया। मास्टर ट्रेनर वीरपाल ने डिजिटल उपकरणों, ऑनलाइन बैंकिंग, ऑनलाइन लेनदेन सरकारी योजनाओं और सोशल मीडिया, साइबर धोखाधड़ी से बचाव के बारे में और कई बिंदुओं पर चर्चा की। मास्टर ट्रेनर लेखराज राठौर ने डिजिटल सशक्तिकरण के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन और सुशासन को बढ़ावा के बारे में जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर वीरपाल ने विभिन्न उदाहरण और वीडियो के माध्यम से डिजिटल एवं फाइनेंसियल लिटरेसी के बारे में बताया। जिला समन्वयक मनोज कुमार सिंह, कविता सिंह, राहुल आदि का सहयोग रहा।

व्यापारियों ने राहगीरों को बांटी चाय और बिस्कुट

चाय और बिस्कुट बांटते व्यापारी। ● अमृत विचार

बिलसंडा, संवाददाता

अमृत विचार: कड़कड़ाती ठंड में नगर के तिकुनिया पार्क पर चाय और बिस्किट वितरित किए गए। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की नगर इकाई के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम का आयोजन किया। पदाधिकारियों ने दूरदराज से आए राहगीरों और जरूरतमंदों चाय वितरित की। इस मौके पर समाजसेवी विक्रम नरेश जायसवाल, अरविंद अवस्थी, सुमित गुप्ता, धीरज जायसवाल, योगेश उर्फ बंटू जायसवाल, सौरभ शुक्ला, संदीप राठौर, अंसार मंसूरी, रजत कश्यप, मनोज वर्मा, अमित मिश्रा, राजीश गुप्ता, उमाशंकर वर्मा, आलोक जायसवाल आदि मौजूद रहे।

जरुरतमंदों को वितरित किए गर्म कपड़े

पीलीभीत, अमृत विचार : कड़ाके की सर्दी में ठिठुरन बनी हुई है। गैस चौराहा के पास भारत विकास परिषद के कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों को गर्म कपड़े वितरित किए गए। अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष रवि शर्मा ने की। सचिव जगदीश सक्सेना ने बताया कि भारत विकास परिषद प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में इस तरह के सेवा कार्यों का आयोजन करती है। जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र प्रदान किए गए। इस मौके पर मनोज मित्तल, विनोद गुप्ता, डॉ. वीके सिंह, एडवोकेट शिरीष सक्सेना, हरीश दुलवानी, हरिपाल यादव, स्वतंत्र देवल, डॉ प्रेम सागर शर्मा आदि मौजूद रहे।

उपाधि में होगा पुरातन छात्र सम्मेलन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- चुनाव के बाद पुरातन छात्र समिति का होगा पंजीकरण, 3 फरवरी को होगा आयोजन

अमृत विचार: उपाधि महाविद्यालय आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। हाल ही में महाविद्यालय परिसर में आयोजित पांच दिवसीय नवप्रवाह कार्यक्रम की सफलता के बाद अब एक और पहल करते हुए पुरातन छात्र सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पुरातन छात्र सम्मेलन तीन फरवरी को महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा।

प्राचार्य डॉ. दुष्यंत कुमार ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर चुके पूर्व छात्र-छात्राओं को पुनः एक सूत्र में बांधना, उनकी उपलब्धियों को मंच प्रदान करना और वर्तमान विद्यार्थियों को उनके अनुभवों से प्रेरणा दिलाना है। महाविद्यालय की स्थापना 1964 से अब तक बीए, बीएससी, बीकॉम और विभिन्न परास्नातक पाठ्यक्रमों से उत्तीर्ण तममा छात्र-छात्राएं देश प्रदेश के विभिन्न भागों में उच्च पदों पर आसीन हैं। कोई प्रशासनिक सेवाओं में अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, तो कोई शिक्षा, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कानून, व्यवसाय, राजनीति एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। महाविद्यालय प्रशासन का मानना पुरातन छात्र समिति का लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराया जाएगा। यह समिति महाविद्यालय के शैक्षणिक विकास, छात्रहित, संसाधन संवर्धन, मेधावी छात्रों के प्रोत्साहन एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएगी। प्राचार्य ने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महाविद्यालय और समाज के बीच एक मजबूत सेतु स्थापित करने का प्रयास होगा।

पति को बचाने पहुंची गर्भवती की पिटाई, धमकाया

पीलीभीत, अमृत विचार: जमीन के विवाद में एक ग्रामीण की घर में घुसकर पिटाई कर दी गई। बचाने पहुंची गर्भवती पत्नी को भी पीट दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

अमरिया थाने में दी गई तहरीर में ग्राम माधोपुर फरदिया निवासी भगवतसरन ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों ने दो दशक पहले उसके चाचा से जमीन खरीदी थी। अब सभी लोग उसी जमीन की बदली कर पीड़ित की जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। इसी के चलते 4 जनवरी की रात 9 बजे घर में घुसकर हमला कर दिया। लाठी डंडे से पिटाई की। बचाने आई गर्भवती पत्नी नीलम को भी पीटा। जिसमें उसे काफी चोट आई है।

शाम तक कर सकेंगे रजिस्ट्री, डाक सेवाओं का एक घंटा बढ़ा समय

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डाकघर की ओर से अब पांच तक ले सकेंगे डाक व अन्य सुविधाओं का लाभ

अमृत विचार : जिले के आम नागरिकों और व्यापारियों के लिए डाक विभाग ने सुविधा बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया है। उपभोक्ताओं की लगातार आ रही परेशानियों को देखते हुए डाक सेवाओं के समय में एक घंटे का विस्तार कर दिया है। इससे न सिर्फ जरूरी कामों के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा, बल्कि शाम के समय उमड़ने वाली भीड़ से भी राहत मिलने की उम्मीद है।

बता दें कि डाक विभाग ने मुख्य डाकघर पीलीभीत सहित अन्य प्रमुख डाकघरों की काउंटर सेवाओं के समय में एक घंटे की वृद्धि कर दी है। पहले जहां डाकघर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होता था, वहीं अब सेवाएं एक घंटे अधिक समय तक उपलब्ध रहेंगी। इस बदलाव से रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट, मनी ऑर्डर और डाकघर बचत बैंक से जुड़े कार्यों के लिए उपभोक्ताओं को अतिरिक्त समय मिलेगा। अब तक देखा जाता था कि शाम के अंतिम घंटों में डाकघर में अचानक भीड़ बढ़ जाती थी। खासकर दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों को समय कम होने के कारण बिना काम कराए लौटना पड़ता था। समय सीमा बढ़ने से ऐसी स्थिति से काफी हद तक निजात मिलेगी। समय विस्तार का सीधा लाभ व्यापारिक प्रतिष्ठानों, वकीलों और कोर्ट-कचहरी से जुड़े लोगों को मिलेगा, जिन्हें दस्तावेज और पत्राचार समय पर भेजने में आसानी होगी। इसके अलावा डाकघर की विभिन्न बचत योजनाओं में लेनदेन करने वाले खाताधारकों को भी राहत मिलेगी। डाकघर में संचालित आधार केंद्रों पर भी इस बदलाव का सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। मुख्य डाकघर के पोस्टमास्टर नरेश कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। समय बढ़ने से अब लोगों को अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी और वे आराम से अपने जरूरी कार्य निपटा सकेंगे।

दियूनी केसरपुर में 9.21 करोड़ से बनेगा आधुनिक बस स्टेशन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के पूर्व में नवीन रोडवेज बस स्टेशन के भेजे गए प्रस्ताव पर राज्य मंत्रिमंडल ने अपने मुहर लगा दी है। अब दियूनी केसरपुर में रोडवेज बस स्टेशन की स्थापना एवं उसके निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

गन्ना विकास राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने पूर्व में शासन को प्रस्ताव भेजा था, जिसपर अब कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। रोडवेज बस स्टेशन के निर्माण पर करीब 9.21 करोड़ की लागत आएगी। इसके लिए कचहरी से सटे दियूनीकेसर में 1.317 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित कर ली गई है। वहां नवीन बस स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। बस स्टेशन का निर्माण दो वर्ष में किया जाना प्रस्तावित है। उक्त भूमि परिवहन निगम को हस्तांतरित किए जाने का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश कैबिनेट ने प्रस्तावित नवीन बस स्टेशन के निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी है जो कि कचहरी से निकट दियूनी केसरपुर में बनेगा। नवीन बस अडडे के निर्माण से जहां यात्रियों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं जन सामान्य को रोजगार की अवसर भी प्रदान होंगे। – **संजय सिंह गंगवार**, राज्यमंत्री

- गन्ना राज्यमंत्री के नवीन रोडवेज बस स्टेशन की स्थापना के प्रस्ताव को कैबिनेट ने दी मंजूरी

एसआईआर: सभी मतदेय स्थलों पर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

राजनीतिक दलों को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सौंपते उप जिला निर्वाचन अधिकारी।

जनपद के एक मतदेय स्थल पर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट देखते मतदाता। ● अमृत विचार

- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के बाद जारी पहली सूची में 12.66 लाख लोगों के नाम

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर के अंतर्गत मंगलवार को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन कर दिया गया है। अब 6 फरवरी तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज की जाएंगी। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। – **प्रसून द्विवेदी**, उप जिला निर्वाचन अधिकारी।

अमृत विचार: जनपद की सभी चारों विधानसभा में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के बाद मंगलवार को सभी मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन किया गया। बीएलओ की ओर से सभी बूथों पर मतदाता सूची पढ़कर सुनाई गई। एसआईआर के दौरान 1.99 लाख नाम हटाए गए हैं। अब 6 फरवरी तक दावे-आपत्तियां ली जाएगी। इधर राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उन्हें ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के साथ एएसडी मतदाताओं की सूची मुहैया कराई गई।

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जनपद में 4 नवंबर से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू हुआ था। उस दौरान मतदाता सूची में 14,67,988 मतदाता थे। जिसके बाद घर-घर जाकर मतदाताओं का सर्वे और सत्यापन किया गया। 26 दिसंबर को एसआईआर के डिजिटाइजेशन का कार्य समाप्त हो गया था। इसके बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट तैयार की गई, जिसका प्रकाशन मंगलवार को जनपद के सभी 1654 मतदेय स्थलों पर किया गया। इसके साथ ही सर्विस वोटरों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन किया गया। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के प्रकाशन के बाद दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया शुरू होगी। सभी तहसीलों ब्लॉक और मतदेय स्थलों पर ड्रॉफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित किए जाने पर मतदाताओं को भी इस बारे में जानकारियां दी गई। मंगलवार को ही गांधी सभागार में उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रसून द्विवेदी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गांधी सभागार में हुई बैठक हुई। बैठक में सभी प्रतिनिधियों को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट समेत एएसडी मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराई गई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा और बसपा के मुन्ना लाल कश्यप समेत अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व पदाधिकारी, एडीईओ केके कश्यप, नितिन सक्सेना मौजूद रहे।

ड्राफ्ट सूची में 12.68 लाख लोगों के नाम

एसआईआर के बाद अब वर्तमान मतदाता सूची में 12,68,216 मतदाता शामिल हैं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने से पूर्व सूची से 199772 एएसडी (अबसेंट, शिफ्टेड, डेड या डुप्लीकेट) मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रसून द्विवेदी ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान जनपद में कुल 67634 मतदाताओं को नो मैपिंग के रूप में चिन्हित किया गया है। इन सभी को 27 फरवरी तक नोटिस जारी करके उनका निस्तारण किया जाना है।

शहर में आज

- गांधी स्टेडियम से आरएसएस की बाइक रैली सुबह 11 बजे।
- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- गांधी स्टेडियम में हॉकी शिविर के तहत कार्यक्रम सुबह 9 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे की रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम गोवल पतिपुरा निवासी अनीता देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 6 दिसंबर को उसके पति अरविंद कुमार बाइक से बीसलपुर से काम निपटाकर घर आ रहे थे। गांव के ही उनके साथी सेवाराम भी थे। बरेली मार्ग पर ग्राम गोवल पतीपुरा के नजदीक स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है।

ससुराल आकर पत्नी से की मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला अशरफ खां के निवासी जूही खानम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका निकाह अप्रैल 2019 में बरेली के थाना किला क्षेत्र के फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी मुशीर से हुआ था। कुछ समय बाद ही ससुराल वाले मारपीट करने लगे। 4 जनवरी को दोपहर 3 बजे एक वैवाहिक कार्यक्रम में वह मायके आई थी। इस दौरान पति ने आकर मारपीट कर धमकाया। तलाक देने की भी धमकी दी गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

खेत पर गए वृद्ध से दबंग ने की मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : हजारा थाने में दी गई तहरीर में ग्राम सिंघाड़ा उर्फ टाटरगंज निवासी सोमा कौर ने बताया कि 2 जनवरी को उसके ससुर करनैल सिंह, खेत में चारा लेने गए थे। इस बीच गांव के गुरबाज सिंह, गुरदेव सिंह, गुरमेज सिंह ने ससुर की पिटाई कर दी। शोर पर लोग बचाने पहुंचे तो आरोपी धमकी देकर भाग गए। हजारा पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

टीओटीआर प्रोजेक्ट से होगी बाघों की निगरानी

पीटीआर के वन एवं वन्यजीव प्रभाग को मिलेंगे 90 लाख रुपये, प्रबंधन और उपकरण खरीद पर होंगे खर्च

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघों की बढ़ती संख्या के साथ जंगल से बाहर हो रही मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए टाइगर आउटसाइड द टाइगर रिजर्व (टीओटीआर) प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा। इसके लिए वन एवं वन्यजीव प्रभाग को 90 लाख रुपये का बजट दिया जाएगा।

आवंटित बजट से टाइगर रिजर्व से बाहर घूम रहे बाघों के प्रबंधन के साथ ही अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद एवं वनकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के लागू होने बाद जहां जंगल से बाहर घूम रहे बाघों पर कड़ी नजर रखी जाएगी, वहीं संसाधनों की कमी से जूझ रहा वन एवं वन्यजीव प्रभाग भी सशक्त हो सकेगा। पीलीभीत के जंगलों को जून 2014 में टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया था। इसके बाद बाघ संरक्षण परियोजना से बेशक पीटीआर को संजीवनी मिली और बाघ-तेंदुओं के साथ अन्य वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि हुई। देश ही नहीं बल्कि विश्व पटल तक इसकी ख्याति पहुंच गई। इन सबके बीच आधे-अधूरे संसाधनों के दम पर घोषित किए गए टाइगर रिजर्व से बड़ी संख्या में बाघ-तेंदुओं ने भी जंगल से बाहर निकलना शुरू कर दिया। ऐसे में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ने लगी है। बीते साल के शुरूआती चार महीने तो शांति से गुजरे, मगर मई आते-आते जिला एक बाघिन के खौफ से थर्रा उठा था। इस बाघिन के हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई। कुल मिलाकर बीते साल भर में 17 मई से लेकर 12 नवंबर के बीच बाघ आठ लोगों की मौत हो गई। बीते साल भर में चार तेंदुओं की भी अलग-अलग स्थानों पर मौतें हुई थीं। इसमें तीन तेंदुओं को सड़क हादसे में जान गंवानी पड़ी तो एक तेंदुआ की मौत रेस्क्यू करने के कुछ देर बाद हो गई थी। इधर अब बढ़ती मानव-बाघ संघर्ष की घटनाओं को देखते हुए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने टाइगर आउटसाइड टाइगर रिज़र्व प्रोजेक्ट (टीओटीआर) को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की ओर से भी हरी झंडी मिलने के बाद पहले चरण में इस पायलट प्रोजेक्ट को प्रदेश के पीलीभीत समेत चार जिलों में लागू किया जा रहा है।

इस प्रोजेक्ट के तहत पीलीभीत टाइगर रिजर्व से बाहर घूम रहे बाघों का प्रबंधन किया जाएगा। इसको लेकर 90 लाख रुपये का बजट भी दिया जाएगा। यह धनराशि वन एवं वन्यजीव प्रभाग को मुहैय्या कराई जाएगी। इस प्रोजेक्ट के तहत मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। जिसमें आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस, ड्रोन आदि तकनीकियों का इस्तेमाल किया जाएगा। वनकर्मियों के साथ-साथ स्थानीय समुदायों का क्षमता विकास समेत रेस्क्यू आपरेशन से जुड़ी सुविधाओं को सशक्त बनाया जाएगा। वन एवं वन्यजीव प्रभाग के मुताबिक आवंटित होने वाला बजट बाघों के प्रबंधन, रेस्क्यू समेत अन्य अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद एवं प्रशिक्षण एवं आयोजनों पर खर्च किया जाएगा।

जंगल के बाहर पूरनपुर क्षेत्र में घूम रहा बाघ। (फाइल फोटो)।

वर्तमान में जंगल से बाहर घूम रहे 6 बाघ-तेंदुआ

सूत्रों के अनुसार इस समय पीलीभीत टाइगर रिजर्व से बाहर 6 बाघ-तेंदुए घूम रहे हैं। इसमें 5 बाघ और 1 तेंदुआ शामिल हैं। वन एवं वन्यजीव प्रभाग के मुताबिक इसमें एक बाघ बराही रेंज के बाहर लंबे समय से आबादी क्षेत्रों में चहलकदमी कर रहा है। वहीं दूसरा बाघ माधोटांडा क्षेत्र के केसरपुर इलाके में जबकि तीसरा बाघ पूरनपुर तहसील क्षेत्र के सेहरामऊउत्तरी क्षेत्र में घूम रहा है। इसके अलावा बरखेड़ा क्षेत्र में एक तेंदुआ भी पिछले एक माह से आबादी क्षेत्र में देखा जा रहा है। हालांकि इस तेंदुआ को रेस्क्यू करने की अनुमति मिलने के बाद इसको पकड़ने की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। टाइगर रिजर्व से बाहर घूम रहे बाघ-तेंदुओं की निगरानी के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं वन एवं वन्यजीव प्रभाग की संयुक्त टीमें बनाई गई है। यह टीमें लगातार सभी 06 बाघ-तेंदुओं की निगरानी में जुटी हुई हैं।

> शासन की ओर से जंगल से बाहर घूम रहे बाघों के प्रबंधन को लेकर टीओटीआर प्रोजेक्ट लागू किया जा रहा है। प्रोजेक्ट के लागू होने से निश्चित तौर पर बढ़ते मानव-बाघ संघर्ष में कमी आएगी, साथ ही वन एवं वन्यजीव प्रभाग भी इस दिशा में और अधिक सशक्त हो सकेगा। - **भरत कुमार डीके**, डीएफओ, वन एवं वन्यजीव प्रभाग

पिंजड़े के नजदीक रात में मंडराता रहा तेंदुआ

मंगलवार सुबह पिंजड़े की पड़ताल करने पहुंची निगरानी टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत / बरखेड़ा

- **मंगलवार को पूरे दिन नहीं मिली तेंदुआ की लोकेशन, खेतों की ओर जाने से कतराने लगे किसान**

अमृत विचार: बरखेड़ा क्षेत्र में दहशत का पर्याय बना तेंदुआ रात में पिंजड़े के इर्द गिर्द मंडराता रहा। वहीं वन एवं वन्य प्रभाग की निगरानी भी रात भर मुस्तैद रही। मगर, तेंदुआ पिजड़े में कैद नहीं हो सका। मंगलवार को पूरे दिन तेंदुआ की कोई लोकेशन नहीं देखी गई। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ गांव के आसपास ही मौजूद है। तेंदुआ की दहशत के चलते किसान अब खेतों की ओर जाने से कतराने लगे हैं।

बरखेड़ा क्षेत्र के गांव बर्रामऊ की सीमा में पिछले एक तेंदुआ का मूवमेंट देखा जा रहा है। बीते माह तेंदुआ की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए वन एवं वन्यजीव प्रभाग की ओर से संबंधित क्षेत्र में 4 कैमरा ट्रेप लगाकर लगाकर निगरानी शुरू की गई थी। वहीं आबादी की सुरक्षा को देखते हुए डब्ल्यूटीआई की ओर से गांव की सीमा पर दो एनाइडर भी लगाए गए थे। हालांकि उसके बाद तेंदुआ की सक्रियता कम होते चली गई। जिसके बाद वनकर्मियों ने वहां लगे कैमरा ट्रेप और एनाइडर हटा दिए थे। इधर बीते शुक्रवार रात तेंदुआ ने बर्रामऊ गांव के अंदर दस्तक देकर दशहत फैला दी। ग्रामीणों के मुताबिक उस रात तेंदुआ पिल्लों को गांव के अंदर से खींच ले गया। अगले ही दिन मौके पर पहुंची वन एवं वन्यजीव प्रभाग की टीम ने तेंदुआ का ताजा पगमार्क ट्रेस करने के बाद उच्चाधिकारियों को जानकारी दी थी। इधर, बीते सोमवार को शासन से तेंदुआ को रेस्क्यू करने की अनुमति मिलने के बाद डीएफओ भरत कुमार डीके के निर्देश पर बर्रामऊ गांव के बाहरी हिस्से में पिंजड़ा गया था। तेंदुआ पिंजड़े में कैद हो सके, शाम को ही उसमें बकरी को बांध दिया गया।

> तेंदुआ की लगातार निगरानी की जा रही है। पिंजड़े के आसपास कैमरा ट्रैप भी लगाए गए हैं। हालांकि मंगलवार को तेंदुआ की कोई लोकेशन नहीं मिल सकी है। ग्रामीणों को जागरूक करने के साथ टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। - **रोहित जोशी**, क्षेत्रीय वनाधिकारी, बीसलपुर रेंज।

दिन में भी डटी रही निगरानी टीम

तेंदुआ के मौजूदगी वाले स्थान के आसपास वन दरोगा इकबाल के नेतृत्व में टीम रात भर मुस्तैद रही। बताते हैं कि इस दौरान तेंदुआ पिंजड़े के काफी नजदीक भी आया और ईद गिर्द मंडराता भी रहा। मगर, पिंजड़े में कैद नहीं हो सका। इस बात की तस्दीक पिंजड़े के नजदीक लगे कैमरा ट्रेप से हुई है। इधर मंगलवार को पूरे दिन तेंदुआ की कोई लोकेशन नहीं देखी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ गन्ने के खेत में छिपा हुआ है। इधर सुबह से लेकर शाम तक निगरानी टीम भी संबंधित क्षेत्र में मौजूद रही। इधर तेंदुआ की बढ़ती दहशत के चलते अब किसान खेतों की ओर जाने से कतराने लगे हैं।

पुलिस कर्मियों पर वसूली का आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्यों ने धनकुना पुलिस चौकी पर तैनात दरोगा और तीन सिपाहियों पर अवैध वसूली कर क्षेत्रवासियों को परेशान करने का आरोप लगाया है। एसपी से शिकायत कर संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

एसपी से की गई शिकायत में बताया कि न्यूरिया थाने की पुलिस चौकी धनकुना पर तैनात एक दरोगा और तीन सिपाही क्षेत्र के लोगों से वसूली कर रहे हैं। ये पुलिसकर्मी लंबे समय से एक ही पुलिस चौकी पर तैनात हैं। छिटपुट मामलों को निपटाने के लिए तैनाती के समय से अब तक लाखों की वसूली कर चुके हैं। धनकुना बाजार में दुकानों के बाहर खड़े वाहनों का भी बेवजह चालान किया जाता है। दोनों पक्षों में राजीनामा होने के बाद भी मुकदमा दर्ज करने की धमकी देकर दस से बीस हजार रुपये की वसूली कर ली जाती है। प्रधान, जिला पंचायत सदस्य आदि जब क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चौकी पर जाते हैं तो संबंधित पुलिसकर्मी अभद्रता करते हैं। सुविधा शुल्क की मांग की जाती है।चौकी में निर्माण कार्य व अन्य कामों को लेकर भी मांग की जाती रही है। आरोप लगाया कि संबंधित पुलिसकर्मी क्षेत्र में अवैध खनन कराने में भी लगे हुए हैं। मामले की जांच कराकर संबंधित पुलिसकर्मियों को हटाने की मांग की है। शिकायत करने वालों में ग्राम प्रधान रफियापुर परवेश सिंह प्रधान डंडिया पुष्पा वर्मा, प्रधान आराजी बौरख मीना देवी, ग्राम प्रधान जटपुरा प्रेमराज, जिला पंचायत सदय प्रेमसागर, ग्राम प्रधान धनकुना लालता प्रसाद, प्रधान रौहतनिया आनंद पाल, परशुराम आदि थे।

पुलिसकर्मियों की शिकायत करने पहुंचे प्रधान व अन्य। ● अमृत विचार

- **जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधानों ने एसपी से की शिकायत**

वैवाहिक कार्यक्रम में युवतियों की वीडियो बनाने पर विवाद

संवाददाता, बरखेड़ा

- **पहले की पुलिस से शिकायत फिर हो गया समझौता**

अमृत विचार: वैवाहिक कार्यक्रम में युवतियों का वीडियो बनाने को मारपीट हो गई। मंगलवार को दोनों पक्ष थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। हालांकि बाद में पंचायत के दौरान संभ्रांत नागरिकों ने समझौता करा दिया।

एक ग्रामीण ने बताया कि उसके घर सोमवार को बरात आई थी। इसी बीच गांव के एक युवक ने आकर मौजूद युवतियों की वीडियो बनानी शुरू कर दी। आपत्ति जताने पर युवक ने गाली गलौज की। विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव करा दिया। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद मंगलवार को दोनों पक्ष थाने पहुंचे। इसके बाद एक युवक ने पुलिस को तहरीर दी। जिसमें उसने दूसरे पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया। जबकि दूसरे पक्ष के व्यक्ति ने वीडियो बनाने और घर की महिलाओं से छेड़छाड़ का आरोप लगाया। उसी दौरान गांव के दोनों पक्षों की ओर से कुछ संभ्रांत व्यक्ति थाने आए और सुलह हो गई। समझौतानामा लिखकर दोनों ने कार्रवाई से इन्कार कर दिया।

नियमों का पालन करने पर स्वागत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस और परिवहन विभाग ने गौहनिया चौराहे पर वाहन चालकों को नियमों का महत्व समझाया। बिना हेलमेट और सीट बेल्ट चलने वालों को चेतावनी दी गई। वहीं, नियमों का पालन करने वालों को गुलाब और स्टीकर देकर सम्मानित किया गया।

मंगलवार को गौहनिया चौराहे पर पुलिस उपाधीक्षक यातायात विधि भूषण मौर्य, एआरटीओ वीरेंद्र सिंह, यात्रीकर/ मालकर अधिकारी बर्डिस चतुर्वेदी और टीएसआई राघवेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को रोककर उन्हें ऐसा स्टीकर पढ़वाया गया, जिस पर लिखा था। मुझे मेरे परिवार की कोई चिंता नहीं है, इसलिए मैं हेलमेट नहीं लगाता हूं। इसके माध्यम से उन्हें हादसों के जोखिम और पारिवारिक जिम्मेदारी का अहसास दिलाया गया। वहीं, हेलमेट पहनकर चलने वालों को गुलाब का फूल देकर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा के तहत 15 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए, ताकि रात में हादसों से बचाव हो सके। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने वाहन चालकों से अपील की कि नियमों का पालन कर न केवल अपना, बल्कि दूसरों का जीवन भी सुरक्षित रखें।

हेलमेट पहनकर सफर कर रहे बाइकर्स को गुलाब का फूल देते एआरटीओ।

- **गौहनिया चौराहे पर यातायात पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त रुप से चलाया अभियान**

ट्रांसफार्मर से तेल और उपकरण चोरी

बीसलपुर, अमृत विचार: चोरों ने बीती रात पीलीभीत मार्ग पर एक कॉलोनी में लगे ट्रांसफार्मर से तेल और उपकरण चोरी कर लिए। इसके बाद कॉलोनी में बिजली संकट भी गहरा गया। ट्रांसफार्मर जमीन पर पड़ा मिला।

स्मार्ट कॉलोनी में बिजली सप्लाई के लिए ट्रांसफार्मर लगा है। सोमवार रात चोरों ने ट्रांसफार्मर को गिराया और उससे तेल व उपकरण चोरी कर लिए। कॉलोनी के पूर्व प्रधानाचार्य कालीचरन गंगवार, श्याम शरण पाठक ने बताया कि रात करीब 12 बजे के बाद चोरों ने घटना को अंजाम दिया होगा। ये भी कहा कि सूचना के काफी देर बाद भी पावर कॉरपोरेशन से कोई नहीं आया। उधर, अवर अभियंता प्रमोद कुमार ने बताया कि टीम को मौके पर भेजा गया है। मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

गड्ढे में शव दफन करने के दौरान डाला था नमक

संवाददाता, पीलीभीत / बिलसंडा

अमृत विचार : जमीन के विवाद में भाई की हत्या कर पशुशाला में शव दफनाने के मामले में पुलिस ने मृतक के भाई-भाभी के बाद फरार चल रहे नामजद आरोपी भतीजे को भी धर दबोचा। पूछताछ के बाद चालान कर आरोपी को जेल भेज दिया है। पकड़े गए तीसरे आरोपी ने ये भी बताया कि शव दफनाने के दौरान काफी नमक भी डाला गया था।

बता दें कि बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भौरुआ निवासी पृथ्वीराज सिंह ने करेली थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनका भाई हंसराज 12 दिसंबर को घर से करेली थाना क्षेत्र के ग्राम लिलहर मझले भाई नक्षत्रपाल के घर गया था। इसके बाद से वह वापस नहीं आया।

जानकारी करने पर पता चला कि 14 दिसंबर को रात में नक्षत्रपाल छोटे भाई हंसराज को राकेश राठौर के पास से बुलाकर ले गया। इसके बाद मारपीट की। उन्होंने मझले भाई नक्षत्रपाल, उसकी पत्नी राधा और पुत्र ज्ञानेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने शुक्रवार शाम को आरोपी नक्षत्रपाल के घर की पशुशाला से हत्या कर दफनाए गए हंसराज के शव को बरामद कर लिया था। जमीन के विवाद में हत्या की गई थी। पुलिस ने आरोपी नक्षत्रपाल, उसकी पत्नी राधा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तीसरा आरोपी भतीजा ज्ञानेंद्र हत्थे नहीं चढ़ सका था। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुटी हुई थी। मंगलवार को करेली पुलिस ने तीसरे नामजद आरोपी ज्ञानेंद्र पुत्र नक्षत्रपाल को भी गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया है।

हंसराज हत्याकांड

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी ज्ञानेंद्र।

- **भाई-भाभी के बाद फरार चल रहा भतीजा भी गिरफ्तार, जेल भेजा**
- **करेली थाना क्षेत्र के लिलहार गांव में हुई थी वारदात**

> हंसराज हत्याकांड में दो आरोपियों को पूर्व ही जेल भेजा चुका है। तीसरे नामजद आरोपी को भी जेल भेज दिया है। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था। विवेचना कराई जा रही है। - **विपिन शुक्ला**, एसओ करेली

वारदात की रात ही गाजियाबाद से घर आया था आरोपी ज्ञानेंद्र

पूछताछ में आरोपी ज्ञानेंद्र ने बताया कि उसके पिता तीन भाई थे। सबसे बड़े पृथ्वीराज, मझले उसके पिता आरोपी नक्षत्रपाल और सबसे छोटे हंसराज थे। पिता का पैतृक गांव भौरुआ था। लिलहर में फुफेरे नाना नत्थू सिंह रहते थे। उनके कोई बच्चा नहीं था। जिसके चलते उन्होंने उसकी दादी-दादा को अपने पास रख लिया था। सात-आठ बीघा जमीन पिता नक्षत्रपाल ने अपने नाम करा ली थी। इसी में आए दिन मृतक चाचा हंसराज हिस्सा मांगते थे। इसी को लेकर झगड़ा फसाद होता था। उसने बताया कि 14 दिसंबर की रात को गाजियाबाद से वह देर रात अपने घर पहुंचा। फिर पिता के साथ जाकर चाचा को घर पर लेकर आए। पिता ने लाठी से वार किए। माता-पिता के साथ मिलकर गड्ढा खोदकर चाचा हंसराज के शव को दफना दिया था। इस दौरान शव पर काफी नमक भी डाला गया था।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 7 जनवरी 2026

पीलीभीत

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने,
के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

बिना फायर एनओसी के चल रहे अस्पताल

60 से अधिक अस्पतालों पर कार्रवाई की तलवार लटकी, तीन साल में होता है अस्पतालों का रिन्यूअल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- स्वास्थ्य विभाग के नोडल ने सूचीबद्ध करते हुए अग्नि सामान अधिकारी को भेजा पत्र
- आवेदन पत्र के आधार मिल गई थी स्वीकृति, टीम ने नहीं पहुंचकर की मौके पर जांच

कुछ अस्पतालों का रिन्यूअल फायर एनओसी के आवेदन पत्र के आधार पर हुआ था। क्योंकि रिन्यूअल में यह नियम वैध नहीं है। फायर एनओसी होना अनिवार्य है, लेकिन कुछ अस्पतालों को अभी तक एनओसी नहीं मिल सकी है। ऐसे अस्पतालों की सूची तैयार कर अग्निशमन विभाग को भेजी जा रही है। - डॉ. एसके सिंह, नोडल अधिकारी

मेरे कार्यकाल में किसी भी फायर एनओसी की फाइल लंबित नहीं है। हो सकता है पूर्व के मामले हो। फिलहाल अभी तक स्वास्थ्य विभाग का पत्र नहीं मिला है। यह गंभीर मामला है कि बिना एनओसी के अस्पताल चल रहे हैं। निरीक्षण कर कार्रवाई की जाएगी।
- अनुराग सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी

अमृत विचार : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी को लेकर चौंकाने वाली हकीकत सामने आई है। नियमों और सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर 60 से अधिक अस्पताल बिना फायर एनओसी के ही संचालित हैं। तीन साल में होने वाले अस्पतालों के नवीनीकरण के दौरान केवल आवेदन पत्रों के आधार पर ही स्वीकृति दे दी गई, जबकि अग्नि सुरक्षा मानकों की मौके पर कोई ठोस जांच नहीं कराई गई। अब जब मामला उजागर हुआ है तो स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी ने अस्पतालों को सूचीबद्ध करते हुए अग्निशमन विभाग को पत्र भेजने की तैयारी है।

बता दें कि एलोपैथी में अगर कोई अस्पताल या नर्सिंग होम का संचालन करता है तो उसे स्वास्थ्य विभाग में पंजीकरण करना अनिवार्य होता है। नियम है कि संबंधित डॉक्टर के अभिलेख लगते हैं। साथ ही निर्माण, फायर सेफ्टी, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सर्टिफिकेट ट्रेड पैरामेडिकल स्टाफ का मानक होता है। सीएमओ कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार जनपद में 100 से अधिक नर्सिंग होम और निजी अस्पताल संचालित हो रहे है। 50 पैथोलॉजी लैब पंजीकृत हैं। झोलाछाप और फर्जी लैब संचालकों पर कार्रवाई के लिए एसीएमओ को नामित किया गया है। वहीं आयुर्वेदिक यूनानी में भी 325 से अधिक क्लीनिक पंजीकृत हैं। यहां पर भी एक नोडल अफसर अवैध क्लीनिकों पर कार्रवाई के लिए नामित किए गए हैं। पंजीकरण होने के बाद तीन साल में अस्पताल और नर्सिंग होम का रिन्यूअल होता है। जिसमें हर मानक की जांच होती है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार फायर एनओसी भी मान्य होती है। लेकिन इस बार हुए रिन्यूअल में करीब 60 से अधिक अस्पताल ऐसे हैं, जिन्होंने सीएमओ कार्यालय में रिन्यूअल फाइल में फायर सेप्टी की एनओसी का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था। हालांकि अन्य मानक पूर्ण मिले। इस पर सीएमओ कार्यालय की ओर से इस आधार पर उनका पंजीकरण रिन्यूअल कर दिया गया था। लेकिन अभी तक इन अस्पतालों को फायर एनओसी नहीं मिली है। ऐसे अस्पतालों की संख्या पूरनपुर में सर्वाधिक है। कुछ अस्पताल माधोटांडा और दो से चार शहरी क्षेत्र में हैं। जहां बिना फायर एनओसी के संचालन हो रहा है। इसलिए अब नोडल अधिकारी की ओर से ऐसे अस्पतालों को चिन्हित करते हुए सूची बनाकर अग्निशमन विभाग को भेजी जा रही है। जिसको क्रॉस चेक किया जाएगा ताकि यह पता चल सके कि उनकी फायर एनओसी क्यों जारी नहीं की गई। अगर मानक के चलते फायर एनओसी आवेदन कैंसिल किया गया है। तो उसकी सूची लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल को नोटिस, तीन दिन में देना होंगे अभिलेख

मझोला दियूनी डैम रोड पर संचालित हो रहे सिटी नर्सिंग होम के बिना पंजीकरण के संचालन के मामले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान वहां एक आयुर्वेदिक चिकित्सक बैठे मिले। जिन्होंने अपना पंजीकरण दिखाया। लेकिन अस्पताल से जुड़े कोई अभिलेख नहीं दिखा सके। इसलिए अस्पताल बिना पंजीकरण के ही संचालित होना पाया गया है। इसलिए एमओआईसी डॉ. अनिकेत गंगवार की ओर से उन्हें नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्हें तीन दिन में देने में जवाब के साथ अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि मौके पर कोई अभिलेख या अन्य डॉक्टर नहीं मिले। फिलहाल अस्पताल के पंजीकरण संबंधित कोई फाइल कार्यालय में भी उपलब्ध नहीं है।

वंदना का राज्य हॉकी टीम में चयन

पीलीभीत, अमृत विचार: स्प्रिंगडेल कॉलेज की छात्रा वंदना पासवान का राज्य स्तरीय सब जूनियर बालिका हॉकी टीम में चयन हुआ है। उनके इस चयन से कॉलेज परिसर में उत्साह है।

वंदना ने मंडल स्तरीय हॉकी ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिभा का परिचय दिया। वह गत वर्षों से कॉलेज के शारीरिक शिक्षा के अध्यापक राजकुमार वर्मा की देखरेख में हॉकी का प्रशिक्षण ले रही हैं। प्रधानाचार्या प्रिया आनंद, डायरेक्टर डॉ. हेमन्त जगोता ने वंदना को बधाई दी। कहा है कि यह उपलब्धि अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है। कॉलेज प्रशासन ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। वंदना पासवान ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, प्रशिक्षकों और विद्यालय को दिया है।

साइबर ठगी के मामले में नाबालिग समेत दो पकड़े

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- तीन आरोपियों को एक दिन पूर्व जेल भेज चुकी है पुलिस

अमृत विचार : साइबर ठगी के मामले में तीन आरोपियों को जेल भेजने के बाद कोतवाली पुलिस ने किशोर समेत दो और आरोपी धर दबोचे। उनके पास से ठगी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मोबाइल भी बरामद किया गया है।

बता दें कि एक जनवरी को एनसीआरपी पोर्टल से 6.41 लाख रुपये के फ्रॉड से जुड़ी एक शिकायत प्राप्त हुई थी। कोतवाली पर स्थित साइबर हेल्प डेस्क पुलिस द्वारा फ्रॉड की गई धनराशि को संबंधित बैंकों से संपर्क स्थापित करके 6.40 लाख रुपये को होल्ड कराया था। इस संबंध में मोहल्ला पकड़िया निवासी अजय कुमार ने बेटे विशेष कुमार, उसके साथी आजम, अरवाज और अमन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि बेटे ने अपने साथियों की मदद से पीड़ित की जानकारी के बिना यूपीआई आईडी बनाकर 6.41 लाख रुपये ऑनलाइन गेमिंग एप में लगाए। 2.59 लाख रुपये आपस में बांट लिए। पुलिस ने विवेचना के दौरान तीन आरोपी मोहल्ला सरफराज खां निवासी आजम, ग्राम पकड़िया नौगवां निवासी अरवाज और पकड़िया मोहल्ला निवासी विशेष कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में बरेली जनपद के कैंट थाना क्षेत्र के ग्राम उदरिया सैदुर निवासी गुड्डू उर्फ मोहम्मद आशिक को गिरफ्तार किया। एक अन्य नाबालिग आरोपी भी पकड़ा गया। कोतवाल सतेंद्र कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

हाईवे पर पलटा लकड़ी से भरा ट्रक, चालक घायल

बरेली-सितारगंज हाईवे पर पलटा ट्रक व मौके पर लगी भीड़।

- पीलीभीत से सितारगंज जा रहा था ट्रक
- सूचना पर पहुंची पुलिस
- हादसे के बाद सड़क पर फैली लकड़ी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बरेली-पीलीभीत हाईवे पर मंगलवार सुबह बालपुर के पास स्थित फ्लाईओवर के ऊपर लकड़ी से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के समय फ्लाईओवर पर यातायात कम था, इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। वहीं चालक घायल हुआ।

लकड़ी से भरा ट्रक पीलीभीत की ओर से होते हुए सितारगंज (उत्तराखंड) की ओर जा रहा था। सुबह करीब 5 बजे जैसे ही ट्रक बालपुर फ्लाईओवर पर चढ़ा, अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण वह बीच सड़क पर ही पलट गया। ट्रक पलटते ही हाईवे पर लकड़ी के लट्ठे बिखर गए, इससे कुछ समय के लिए मार्ग पर करीब आधा घंटा आवागमन बाधित रहा। बताते हैं कि ट्रक चालक इमरान घायल हो गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से लकड़ियों को हटवाकर साइड से किया और यातायात को शुरू कराया।

कोहरे में पुलिस जीप पेड़ से टकराई, दरोगा घायल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सोमवार रात गश्त के दौरान हुआ हादसा, अस्पताल में भर्ती

अमृत विचार : रात में गश्त पर निकली पुलिस की गाड़ी कोहरे के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में गश्त पर तैनात उपनिरीक्षक घायल हो गए, जबकि वाहन में सवार दो कांस्टेबल को मामूली चोट आई। घायल दरोगा को अस्पताल भर्ती कराया गया।

थाना माधोटांडा के उपनिरीक्षक मोहम्मद फैज सोमवार रात सुरक्षा और सतर्कता के तहत गश्त कर रहे थे। पुलिस की गाड़ी माधोटांडा से जमुनिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में घना कोहरा छाया हुआ था। बताते हैं कि अचानक सड़क पर एक आवारा पशु आ गया, जिसे कोहरे के कारण चालक समय रहते देख नहीं सका। पशु को बचाने के प्रयास में गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। हादसे में उपनिरीक्षक मोहम्मद फैज को चोटें आईं। घायल दरोगा को अस्पताल ले जाया गया। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि दुर्घटना में रात्रि अधिकारी मोहम्मद फैज घायल हुए हैं और उनका इलाज कराया जा रहा है।

युवक ने खाया जहरीला पदार्थ

बीसलपुर, अमृत विचार : एक युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया, परिजनों ने इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया। ग्राम भैनपुरा निवासी हिमांशु कुमार को परिवार वाले सीएचसी लेकर आए, उसके जहर खाने की आशंका जताई। डॉक्टरों ने तुरंत भर्ती करके इलाज किया। हालत सामान्य होने पर परिजन घर ले गए। इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

मारपीट के मामले में क्रॉस केस दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार: बाजार घाट बैल्हा गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों से मिली तहरीर पर क्रॉस रिपोर्ट दर्ज की है। हजारा थाने में दी गई तहरीर में एक पक्ष से ग्राम बाजार घाट बैल्हा के मक्खन सिंह ने बताया कि 31 दिसंबर की शाम साढ़े पांच बजे वह परिवार समेत मजदूरी करके घर जा रहे थे। रास्ते में काटे गए पेड़ को हटाने की बात पर कुछ लोगों से विवाद हो गया। आरोपियों ने हमला कर पिटाई कर दी। परिवार वालों पर भी हमला किया गया। पुलिस ने मामले में गांव के ही रतन सिंह, संत कौर, सुखदेव सिंह, गोविंदा सिंह, परमजीत कौर और चार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। उधर, दूसरे पक्ष के रतन सिंह ने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

विवेचक की कार्यशैली पर उठाए सवाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- युवती के पिता ने महिला आयोग अध्यक्ष से लगाई गुहार
- बोले: दहेज की खातिर तोड़ा रिश्ता अब आरोपी दे रहे धमकियां

अमृत विचार: तय रिश्ता तोड़ने के बाद युवती के पिता ने लड़का पक्ष के खिलाफ सदर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। अब इस मामले में पीड़ित परिवार ने आरोपियों से धमकी मिलने के साथ ही विवेचक की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि विवेचक ने आरोपी पक्ष से साठगांठ कर ली है, जिसकी वजह से न्याय की उम्मीद नहीं है। ऐसे में महिला आयोग की अध्यक्ष को पत्र भेजकर दूसरे थाने से विवेचना कराने की मांग की है।

कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष को पत्र लिखा है। जिसमें बताया कि उसकी पुत्री का निकाह जहानाबाद कस्बे के वार्ड नंबर नौ कुटिया की चक्की मोहल्ला नई बस्ती निवासी आमिर से 2024 में तय हुआ था। उसमें करीब 25 लोग रिश्ता तय करते वक्त आए थे। परिवार वालों ने कार्यक्रम में काफी खर्चा किया। कपड़े, सोने की अंगूठी, 51786 रुपये नकद दिए गए थे।

जब निकाह की तिथि तय करने के लिए कहा गया तो ये बताया कि फरवरी 2026 में निकाह करेंगे। इसी बीच पुत्री के सामान्य गांठ हो गई। जिसका ऑपरेशन भी करा दिया गया था। अब आरोपियों ने इस गांठ को एक गंभीर बीमारी बताकर रुपये की मांग शुरू कर दी। दहेज में कार और पांच लाख रुपये की मांग की। इसे सुनकर परिवार वाले सदमे में आ गए। बिना मांग पूरी किएरिश्ता करने से मना कर दिया।

परिवार वालों ने काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी बिना दहेज की मांग पूरी किए निकाह करने से इनकार करते रहे। जिसकी रिपोर्ट आठ दिसंबर को कोतवाली में दर्ज कराई थी। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी सुलह का दबाव बना रहे हैं।

सुलह ना करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। आरोप है कि विवेचक से भी आरोपियों की साठगांठ हो चुकी है। कुछ दिन पूर्व वह विवेचक के पास गए थे। आरोप है कि विवेचक ने ठीक से उनसे बात तक नहीं की। जिससे न्याय मिलने की उम्मीद कम है। ऐसे में प्रकरण की विवेचना किसी और थाने से कराने की मांग की है।

केजीएमयू के फरार डॉक्टर की तलाश में पीलीभीत पहुंची लखनऊ पुलिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- न्यूरिया में पूछताछ, लेकिन आरोपी डॉक्टर का सुराग नहीं
- यौन शोषण और धर्म परिवर्तन के आरोप में गैर जमानती वारंट

अमृत विचार : लखनऊ के केजीएमयू से जुड़े एक गंभीर मामले की जांच अब पीलीभीत तक पहुंच गई है। यौन शोषण और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के आरोप में फरार चल रहे केजीएमयू के डॉक्टर रमीज मलिक की तलाश में लखनऊ पुलिस ने पीलीभीत में उसके पैतृक घर पर छापा मारा। हालांकि वहां से पुलिस को कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका। पुलिस टीम ने कुछ लोगों से पूछताछ की। छापेमारी से क्षेत्र में खलबली मच गई।

बता दें कि लखनऊ के चौक कोतवाली क्षेत्र में दर्ज यौन शोषण और जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में फरार चल रहे केजीएमयू के डॉक्टर रमीज मलिक की तलाश में लखनऊ पुलिस की टीम मंगलवार को पीलीभीत पहुंची। सूचना मिलने पर चौक कोतवाली के उपनिरीक्षक तेज कुमार शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस टीम न्यूरिया थाने पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से कस्बे के मोहल्ला ठाकुरद्वारा स्थित डॉक्टर के पैतृक घर पर छापा मारा।

बताते हैं कि लखनऊ केजीएमयू में पढ़ने वाली एक छात्रा ने डॉक्टर रमीज मलिक पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। इस मामले में चौक कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। आरोपी के फरार होने पर न्यायालय से उसका गैर जमानती वारंट जारी किया गया है, वहीं गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है।

पुलिस टीम ने पैतृक घर पर मौजूद एक युवक को न्यूरिया थाने बुलाकर पूछताछ की। बता दें डॉक्टर के पिता सलीमुद्दीन वर्तमान में उत्तराखंड के खटीमा में रह रहे हैं और मेडिकल रिप्रजेंटेटिव का कार्य करते हैं।

युवक ने यह भी बताया कि उक्त मकान पहले ही दान किया जा चुका है। इसके अलावा मामले में सह आरोपी बनाए गए काजी सैयद जाहिद हसन का संबंध भी न्यूरिया क्षेत्र से बताया गया है। हालांकि छापेमारी और पूछताछ के बावजूद आरोपी डॉक्टर के बारे में कोई ठोस जानकारी पुलिस को नहीं मिल सकी। थाना प्रभारी न्यूरिया सुभाष मावी ने बताया कि लखनऊ पुलिस की टीम जांच के लिए आई थी, जो आवश्यक पूछताछ के बाद लौट गई है।

युवती से छेड़छाड़ कर रहा युवक पकड़ा गया

बरखेड़ा, अमृत विचार: एक युवती से आपत्तिजनक हरकत कर रहे युवक को भीड़ ने पकड़ लिया। उसे पुलिस को सौंप दिया। दोनों के अलग- अलग समुदाय होने पर इसे लेकर लव जिहाद की चर्चाएं भी तेज हो गई। फिलहाल पुलिस युवती के परिवार से मिली तहरीर पर कार्रवाई की बात कह रही है।

मंगलवार शाम क्षेत्र की एक युवती के साथ मौजूद युवक को संदिग्ध हालत में होने पर स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। कुछ लोगों ने इसकी वीडियो भी बना ली। युवक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। दोनों के अलग-अलग समुदाय से होने पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई। सूचना पर परिवार वाले भी थाने पहुंच गए। इसके बाद युवती के परिवार ने छेड़छाड़ की तहरीर युवक के खिलाफ पुलिस को दी है। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

मतदाता सूची पर आपत्तियां 6 से 6 फरवरी तक

डीएम ने राजनीतिक दलों को दी प्रारूप प्रकाशन की प्रतियां, जिले में महिला मतदाता 10.75 लाख पार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने राष्ट्रीय और राज्यीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक सूची के प्रारूप प्रकाशन की प्रतियां प्रदान कीं।

प्रारूप प्रकाशन के आंकड़ों के अनुसार, जनपद की आठों विधानसभाओं (पलिया, निघासन, गोला गोकर्णनाथ, श्रीनगर, धौरहरा, लखीमपुर, कस्ता और मोहम्मदी) में कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या 13,08,140 और महिला मतदाताओं की संख्या 10,75,881 है। वहीं, जिले में कुल 49 थर्ड जेंडर मतदाता भी पंजीकृत हैं। सर्वाधिक मतदाता लखीमपुर विधानसभा (3,22,931) में हैं। निर्वाचक नामावली के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के बाद नागरिकों को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक मिलेगा। इस अवधि

ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन करतीं डीएम और अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

● लखीमपुर विधानसभा में सर्वाधिक मतदाता पंजीकृत

में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार या स्थानांतरण के लिए आवेदन किया जा सकता है। जिन युवाओं की 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी हो चुकी है या होने वाली है, उन्हें फॉर्म-6 का उपयोग करना होगा।

फॉर्म-6 के साथ अनुलग्नक-4 (घोषणा पत्र) और आवश्यक अभिलेख संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है। निर्वाचक सूची में पहले से दर्ज मतदाताओं में किसी प्रविष्टि में सुधार या एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 का प्रयोग किया जाएगा। मतदाता सूची से नाम अपमार्जित करने के लिए फॉर्म-7 का उपयोग होगा। प्रवासी भारतीय, जो विदेश में रहते हैं, उन्हें फॉर्म-6ए के साथ आवश्यक अभिलेख जमा कराना होगा।

पूर्व सूची में नाम नहीं होने वाले मतदाताओं के लिए जरूरी दस्तावेज जमा करने का निर्देश

यदि किसी नागरिक का नाम या उनके माता-पिता/दादा-दादी का नाम पूर्व विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2003 की निर्वाचक सूची में शामिल नहीं है, तो उसे अपने नामांकन के लिए आवश्यक अभिलेख संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी को जमा करना होगा।इसमें केंद्र/राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा जारी पहचान पत्र या पेंशन भुगतान आदेश, 01.07.1987 से पहले जारी सरकारी प्रमाण पत्र/पहचान पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिक/शैक्षणिक प्रमाण पत्र, सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थाई निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी/एससी/एसटी या जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में दर्ज अभिलेख, राज्य/स्थानीय प्राधिकरण द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर, भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं।

बीएलओ - सुपरवाइजर हुए सम्मानित

लखीमपुर खीरी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर प्रक्रिया के तहत जिला मुख्यालय के मतदान केंद्र गुरुनानक इंटर कॉलेज में मतदाता सूची का ड्राफ्ट पब्लिकेशन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने डिप्टी डीईओ/ एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह के साथ मतदान केंद्र के सभी बूथों की ड्राफ्ट सूची जनमानस के अवलोकन के लिए जारी की। कार्यक्रम का संयोजन ईआरओ/एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह ने किया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और तीन सुपरवाइजर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डीएम ने कहा कि ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के दौरान नागरिकों को अपने नाम, पता और अन्य विवरणों में सुधार के लिए पूरा अवसर दिया गया है। कार्यक्रम में तहसीलदार मुकेश कुमार, स्थानीय नागरिक, बूथ लेवल ऑफिसर, सुपरवाइजर, जनप्रतिनिधि और युवा छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

दूसरे दिन अध्यक्ष के दो, अन्य पदों पर 9 नामांकन दाखिल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● जिला अधिवक्ता संघ चुनाव, कल होगी नामांकन पत्रों की जांच

अमृत विचार: जिला अधिवक्ता संघ चुनाव को लेकर कचहरी परिसर में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। नामांकन के दूसरे दिन अध्यक्ष पद के लिए दो वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दावेदारी पेश की है। जिन्होंने अपने नामांकन पत्र भरकर चुनाव अधिकारी के सामने जमा किए। वहीं अन्य पदों पर नौ प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद से साथ विभिन्न पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया चल रही है। इससे कचहरी परिसर में चुनावी माहौल बना हुआ है। चुनावी प्रक्रिया 03 जनवरी को मतदाता सूची प्रकाशन से हुई हुई थी। सोमवार को नामांकन के पहले दिन किसी अधिवक्ता ने अध्यक्ष पद पर नामांकन दाखिल नहीं किया था। इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, महामंत्री समेत अन्य 13 पदों के लिए 21 वकीलों ने अपने नामांकन दाखिल किए थे। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों पर दावेदार सामने आए हैं।

सहायक चुनाव अधिकारी सच्चिदानंद मिश्र ने जिला अधिवक्ता संघ चुनाव की दूसरे दिन की नामांकन पत्रों की सूची भी जारी की। सूची के मुताबिक अध्यक्ष पद के लिए महेंद्र कुमार तिवारी और महेंद्र पाल सिंह ने एक-एक सेट में नामांकन दाखिल किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए संजीव वाजपेयी ने नामांकन किया है। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए जय प्रकाश गिरि एडवोकेट मैदान में हैं।

संयुक्त मंत्री पद पर कुल चार नामांकन हुए हैं। इसके लिए हरिराम, देवव्रत पाण्डेय, कुंवर चन्द्र वर्मा व रामजीवन ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। गवर्निंग काउंसिल वरिष्ठ पद के लिए तेज कुमार और श्री सुधीर कुमार कश्यप ने नामांकन किया है, जबकि गवर्निंग काउंसिल कनिष्ठ पद के लिए विशाल गुप्ता एडवोकेट का नामांकन हुआ है। नामांकन का बुधवार आखिरी दिन हैं। सुबह 10:30 से दोपहर 2:30 तक नामांकन पत्र जमा किए जा सकेंगे। गुरुवार को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामांकन सूची जारी होते ही अधिवक्ताओं के बीच चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। प्रत्याशी चुनाव जीतने के लिए गुणा-भाग लगा रहे हैं और जनसंपर्क तेज कर अपने पक्ष में वोट देने की मांग कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू विवाद में महिला से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : मोहल्ला हाथीपुर उत्तरी निवासी लक्ष्मी पत्नी बाबू ने बताया कि सोमवार को पुत्रवधू विदिया व समधिन रानी ने डंडे से उसकी पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान उसकी बाईं आंख और दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आईं। दोनों आरोपित महिलाओं ने उसे जान से मारने की धमकी दी। सदर कोतवाली पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घायल महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

पेंशनर्स की मासिक बैठक आज

लखीमपुर खीरी,अमृत विचार : पेंशनर्स संस्था के महामंत्री नरेश चंद्र वर्मा ने बताया कि संस्था की मासिक बैठक राम टहल वर्मा की अध्यक्षता में सात 7 जनवरी को को दिन के 11 :00 बजे पेंशनर्स भवन जिला कोषागार में की जाएगी। बैठक का शुभारंभ अशोक कुमार श्रीवास्तव की सरस्वती वंदना से किया जाएगा। पेंशनर्स से संबंधित समस्याओं पर चर्चा होगी। जनवरी माह में जन्म लेने वाले साथियों का जन्म माह मनाया जाएगा।

जुआ खेलते छह आरोपी गिरफ्तार

मैगलगंज, अमृत विचार : थाना मैगलगंज पुलिस ने छापा मारकर जुआ खेल रहे हैरमखेड़ा निवासी निरंजन लाल, अब्बासपुर निवासी जगतपाल, अलियापुर निवासी संतोष, विमलेश व रिंकू व मैगलगंज निवासी मोहित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताश के पत्ते व नगदी भी बरामद की है।

एसडीएम ने जरुरतमंद राहगीरों को बांटे कंबल

मैगलगंज, अमृत विचार : एसडीएम मितौली मधुसूदन गुप्ता ने मैगलगंज कस्बे में जरूरतमंद एवं असहाय राहगीरों को कंबल वितरित किए। एसडीएम ने बताया कि शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए शासन के निर्देश पर जरूरतमंदों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण परेशान न हो। इस दौरान नायब तहसीलदार, क्षेत्रीय लेखपाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजीव गुप्ता (गुड्डू), अरविंद मिश्रा गुड्डन आदि मौजूद रहे।

दुर्घटना में भाई-बहन सहित चार लोग घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव रसूलपुर निवासी बाबूराम (38) पुत्र रामेश्वर प्रसाद, सुधा देवी (16) पुत्री रामेश्वर प्रसाद, माधुरी (16) पुत्री लालाराम और हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव देवकली निवासी सोनेलाल (35) पुत्र हेमराज सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हो गए, जिन्हें सीएससी भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई।

युवक पर गोली चलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● तमंचा, कारतूस, दो खोखा 315 बोर के बरामद किए हैं

अमृत विचार: कोतवाली से चंद कदम की दूरी पर राघव कुंज कॉलोनी निवासी एक युवक पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में चालान भेज दिया है।

रविवार 4 जनवरी की रात 9 बजे अलीगंज रोड पर फैंसी एंपोरियम के पास स्कूटी पर बैठे राघव कुंज निवासी यशवर्धन सिंह पुत्र गौरव प्रताप सिंह पर गोली चलाने वाले आरोपी भास्कर सिंह पुत्र अजय सिंह निवासी सब्जी मंडी को बाईपास रोड से पुलिस ने गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में चालान भेज दिया है। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा,

कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में गोली चलाने का आरोपी।

एक कारतूस, दो खोखा 315 बोर के बरामद किए हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक योगेश कुमार, युवराज बालियान शामिल रहे।

प्लॉट दिखाने के बहाने 69 हजार की ठगी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: गांव बैरागर निवासी श्याम सुंदर लाल गिरि ने बताया कि सोमवार को वह पंजाब नेशनल बैंक लगुचा आए थे, जहां से उन्होंने 79 हजार रुपये निकाले थे। बैंक से लौटते समय बैरागर चौराहे पर अज्ञात व्यक्ति उनसे मिला और प्लॉट दिखाने की बात कहकर अपने साथ ले गया। पीड़ित ने बताया वहां पहले से मौजूद दो अन्य व्यक्तियों ने मिलकर प्लॉट दिखाने के नाम पर उनसे 69 हजार रुपये लिए। इसके बाद न तो उन्हें रुपये वापस किए और न ही प्लॉट का कोई एग्रीमेंट कराया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित थाने पहुंचा। पुलिस ने तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि जांच एसआई अर्पिता शुक्ला को सौंपी है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

गन्ना लदे वाहनों की ऊंचाई 13.2 फीट से अधिक न हो

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● 10 वाहन सीज, 40 वाहनों का चालान, परिवहन विभाग की कार्रवाई

● एआरटीओ का ओवरलोड व ओवरहाइट वाहनों पर चला हंटर

अमृत विचार: सड़क सुरक्षा माह के तहत जिले की सड़कों को सुरक्षित बनाने को लेकर परिवहन विभाग ने ओवरलोड एवं ओवरहाइट वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की। अभियान के छठे दिन एआरटीओ प्रवर्तन शांतिभूषण पांडेय एवं पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र यादव ने पुलिस बल के साथ संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। एआरटीओ ने कहा कि गन्ना लदे वाहनों की ऊंचाई 13.2 फीट से अधिक मिलने पर वाहन को सीज किया जाएगा।

सघन चेकिंग अभियान के दौरान एआरटीओ शांति भूषण पांडेय और यात्री माल कर अधिकारी पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र यादव ने 10 वाहनों को सीज कर अलग-अलग थानों में निरुद्ध किया, जिनमें दो गन्ना लदे ट्रक भी शामिल हैं। जांच में इन वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र एवं परमिट फेल पाए गए। इसके अतिरिक्त नियमों का उल्लंघन करने वाले 40 वाहनों का चालान भी किया गया।

एआरटीओ शांति भूषण पांडे ने चीनी मिल प्रबंधन एवं वाहन चालकों को निर्देश देते हुए कहा कि गन्ना लदे वाहनों की कुल ऊंचाई 13.2 फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि कोई वाहन निर्धारित सीमा से अधिक ऊंचा पाया गया, तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि ओवरलोड एवं ओवरहाइट वाहनों पर आगे भी अभियान जारी रहेगा। प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान टोल प्लाजा मैगलगंज पर टोल कर्मियों के सहयोग से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान भी चलाया गया।

गन्ना भरे ट्रक का चालान करते एआरटीओ शांति भूषण पांडेय। ● अमृत विचार

टोल के आसपास सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान किए गए। इसके पश्चात वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करते हुए पम्पलेट वितरित किए गए। परिवहन विभाग ने आमजन से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

एपीएफ और एसएसबी ने किया संयुक्त फ्लैग मार्च

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: भारत-नेपाल सीमा पर शांति, सुरक्षा और आपसी समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को संयुक्त फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया।

यह फ्लैग मार्च नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) की 35वीं वाहिनी और भारत की 39वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), पलिया के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। फ्लैग मार्च सीमा चौकी कीरतपुर के अंतर्गत सीमा स्तम्भ संख्या 758/01 से 753/01 तक तथा सीमा चौकी सुमेर नगर के क्षेत्र में सीमा स्तम्भ संख्या 760 से 759 तक निकाला गया। इस दौरान दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के जवानों

संयुक्त फ्लैग मार्च के दौरान सीमा पिलर के पास एसएसबी और एपीएफ के जवान। ● अमृत विचार

● अवैध गतिविधियों, तस्करी, घुसपैठ पर नियंत्रण के लिए आपसी सहयोग मजबूत करने पर की चर्चा

ने संयुक्त रूप से पैदल गश्त करते हुए सीमावर्ती इलाकों का निरीक्षण किया। संयुक्त फ्लैग मार्च के दौरान सीमा चौकियों पर तैनात एसएसबी एवं एपीएफ के कार्मिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अभियान के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों, तस्करी, घुसपैठ तथा आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आपसी सहयोग को और सुदृढ़ करने पर चर्चा की गई।

अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के संयुक्त अभियानों से दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होता है और आपसी विश्वास व सहयोग की भावना को बल मिलता है। फ्लैग मार्च का उद्देश्य सीमावर्ती नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा पैदा करना और यह संदेश देना भी रहा कि भारत और नेपाल की सुरक्षा एजेंसियां सीमा की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क हैं।

खेत से शीशम के दो पेड़ काट ले जाने का आरोप

मझगई, अमृत विचार: मझगई थाना क्षेत्र के गांव बेला कलां निवासी सोबरन लाल ने बताया कि उनके खेत की मेड़ पर शीशम के दो पेड़ लगे हुए थे। 24 दिसंबर 2025 को पड़ोसी साहब लाल व जमुना प्रसाद पेड़ों को चोरी से काटकर अपने घर उठा ले गए। खेत को लेकर दोनों पक्षों के बीच न्यायालय में वाद विचाराधीन है। आरोप है कि इसी भूमि विवाद के चलते विपक्षियों ने कथित रूप से पेड़ों को काट दिया। जब उन्हें इस घटना की जानकारी हुई और उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने गाली-गलौज की तथा किसी प्रकार का हिस्सा देने से इनकार कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर जांच शुरू कर दी है।

पालिका आपके द्वार अभियान में 216 प्रार्थना पत्र मिले

गोला के नीलकंठ मैदान में नगर पालिका के कैंप का निरीक्षण करतीं एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● एसडीएम ने किया नीलकंठ मैदान में कैंप का आरंभ

अमृत विचार: मोहल्ला तीर्थ स्थित नीलकंठ मैदान में आम जनमानस की समस्याओं के निराकरण के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित कैम्प मैं पहले दिन तीन वार्डों के 216 प्रार्थना पत्र आए। कैंप का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, तहसीलदार भीमचंद और नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने फीता काटकर, दीप प्रज्वलित कर किया।

मंगलवार को नगर के नीलकंठ मैदान में लगे कैंप के पहले दिन वार्ड संख्या 6, 9 और 10 के लोगों की 216 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर की जनता को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़े, इसके लिए पालिका द्वारा इस अभियान की शुरुआत की गई है।

नगर के सभी 25 वार्डा में निःशुल्क राशनकार्ड, पेंशन, विद्युत विभाग और नगर पालिका से संबंधित अन्य समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने कहा कि इस अभियान से सभी विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा समस्याएं सुनकर उसका निराकरण आसानी से हो सकेगा। मंगलवार को पहले दिन कैम्प वार्ड 06, 19 और 10 तीनों वार्डों से विद्युत विभाग की 6, वृद्धावस्था पेंशन की 41, दिव्यांग जनों, विधवा पेंशन की तीन तीन सहित राशन कार्ड की 163 प्रार्थना पत्र आए। बताया कि सात जनवरी बुधवार को कुम्हारन टोला स्थित गौशाला में प्रातः 10 बजे से शाम चार बजे तक कैंप रहेगा।इस अवसर पर सभासद राजेश अवस्थी, हर्ष अवस्थी, आनंद किशोर गिरि भोली, जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा विनोद स्वर्णकार, लेखाकार मोहित अवस्थी, एसआई संदीप वर्मा, वरिष्ठ लिपिक अमित श्रीवास्तव, जेई सिविल अनिल कुमार यादव, जेई जलकर आदर्श मिश्रा, विद्युत विभाग के जेई धर्मेन्द्र चौधरी, टीजी टू मनीष सिंह, जितेन्द्र सिंह, खाद्य एवं रसद विभाग से ऋषभ श्रीवास्तव, अजय, दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग अजय कुमार, पर्वेक्षक, एकता सिंह, कार्यालय सहायक नगर पालिका से श्रवण कुमार मिश्रा, ऋषि कुमार, करुणाकान्त, आशोक कुमार मिश्रा, विमलेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

खेती-किसानी

रबी फसल गोष्ठी व किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्व सांसद बोले, कृषि निवेश मेला व प्रदर्शनी स्टॉल रहे आकर्षण

गोष्ठियों और मेलों से किसानों को मिलती हैं वैज्ञानिक जानकारियां

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: कृषि सूचना तंत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बुधवार को ब्लाक सभागार में रबी फसल गोष्ठी का आयोजन किया गया। वहीं, ब्लाक परिसर से सटे राजकीय कृषि बीज भंडार परिसर में कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि निवेश मेला एवं किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। इस दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, जैविक खेती और उन्नत बीजों की जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा अरुण वर्मा ने कहा कि ऐसे मेलों और गोष्ठियों से किसानों को नवीन वैज्ञानिक जानकारी मिलती है, जिससे फसल उत्पादन में वृद्धि होती है और

कार्यक्रम को संबोधित करतीं पूर्व सांसद रेखा वर्मा। ● अमृत विचार

कृषि निवेश मेला में लगे प्रदर्शनी स्टाल पर जानकारी लेते किसान। ● अमृत विचार

किसानों को आर्थिक लाभ मिलता है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर खेती को लाभकारी बनाने का आह्वान किया।

गन्ना शोध संस्थान के वैज्ञानिक एवं मुख्य वक्ता डॉ. कपिल शर्मा ने रबी फसलों गेहूं, चना, सरसों, दालों आदि के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कम लागत में अधिक उत्पादन के लिए मिट्टी परीक्षण अनिवार्य है। जैविक खादों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने ड्रिप इरिगेशन, एकीकृत कीट प्रबंधन तथा समयबद्ध बुवाई को सफल खेती की प्रमुख तकनीक बताया। उप कृषि निदेशक कृषि गिरीश चंद्र ने गेहूं, सरसों, चना एवं मसूर की उन्नत किस्मों को अपनाने, समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से उत्पादन बढ़ाने की जानकारी दी। उन्होंने फार्मर आई योजना के लाभ बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से किसान विभिन्न लाभकारी योजनाओं से जुड़ सकते हैं। साथ ही सोलर पंप एवं कृषि यंत्रीकरण योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से नवाचार अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान शेर सिंह राठौर ने ब्लाक स्तर पर मृदा परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने की मांग रखी। प्रभारी विषय वस्तु विशेषज्ञ, मोहम्मदी जगत प्रकाश के संचालन में आयोजित कार्यक्रम को बीडीओ मोहित कौशिक, गौ आधारित प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ बृजेश कुमार सिंह, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राहुल सिंह, अनिमेष पटेल, सहकारी गन्ना विकास समिति अध्यक्ष अखिलेश त्रिवेदी सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। इस मौके पर राजकीय कृषि बीज भंडार के प्रभारी त्रिलोकी नाथ, बीटीएम अब्दुल राशिद अंसारी, एटीएम सुभाष चंद्र, राकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (गौ आधारित प्राकृतिक खेती) योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत एवं घन कम्पोस्ट तैयार करने की विधि का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। प्रदर्शनी स्टॉलों पर जैविक खाद एवं कृषि उपकरणों की जानकारी भी दी गई।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,7 जनवरी 2026

खीरी

गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर निकला नगर कीर्तन

गतका पार्टी ने दिखाए हैरत अंगेज करतब, जो बोले सो निहाल के लगे जयकारे, श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी के आगे पंच प्यारे चल रहे थे

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर नगर के प्रमुख मार्गों पर नगर कीर्तन निकाला गया, जिसने गतका पार्टी ने हैरत अंगेज करतब दिखाकर सभी को हतप्रभ कर दिया। जो बोले सो निहाल के जयकारों से छोटी काशी गूंज उठी। नगर में कई जगह पुष्प वर्षा कर संगत का स्वागत किया गया। गुरु भक्ति के माहौल में सिख इतिहास और परंपरा की झलक दिखाई दी।

मंगलवार सुबह गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से अरदास कर गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश उत्सव पर पंच प्यारों की अगुवाई में नगर की मिल रोड, खुटार रोड, मोहम्मदी रोड, लखीमपुर रोड, सिनेमा रोड और अलीगंज रोड पर नगर कीर्तन निकाला गया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी के आगे पंच प्यारे चल रहे थे।

पंच प्यारों के आगे संगत पुष्प वर्षा कर रही थी। संगत में महिलाएं सड़क की सफाई करते हुए सेवा करती चल रही थी। बैंड बाजे पर गुरबाणी की धुन बजती रही और लोग जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारे लगाते रहे। गतका टोली के सदस्य नगर की सड़कों पर हैरत अंगेज करताब दिखाते रहे, जिसको देखने के लिए भीड़ उमड़ी। फूलों से सजी गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी आकर्षण का केंद्र रही। रागी जत्थे ने कई तरह के करतब दिखाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कीर्तन में साथ चल रहे लोगों के लिए कई जगह चना, चाय, हलवा आदि जलपान की भी व्यवस्था की गई।

नगर कीर्तन में दूर दराज की संगत ने पहुंचकर अपनी भागीदारी निभाई। सभी ने संगत के साथ वापस गुरुद्वारा पहुंचकर माथा टेका और मन्नतें मांगी। गतका पार्टी ने तलवारबाजी, लाठी डंडे और अन्य पारंपरिक हथियारों के साथ शूरवीरता के हैरत अंगेज करतब दिखाए, जिसे देखकर संगत सहित नगरवासी भी निहाल हो गए और गुरु भक्ति के माहौल में सिख इतिहास और परंपरा की झलक दिखाई दी। सुरक्षा के लिहाज से नगर के प्रमुख चौराहों, तिराहे और संगत के साथ पुलिस बल मौजूद रहा।

शोभायात्रा में आगे चलती गुरुग्रंथ साहिब की पालकी। ● अमृत विचार

गोला में निकले नगर कीर्तन में आगे चलते पंच प्यारे। ● अमृत विचार

एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

अशोक चौराहे पर एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने नगर कीर्तन में शामिल संगत और गुरु ग्रंथ साहब की पालकी पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। तहसील सहसंयोजक हर्ष भारद्वाज, योगराज जोशी, सार्थक भारद्वाज, देवांश, प्रशांत गुप्ता, उत्कर्ष गिरि, हरिहर त्रिपाठी, अजय गुप्ता आदि मौजूद रहे।

गोला में सड़कों पर झाड़ू लगाती चलती महिलाएं। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मनरेगा बचाओ संग्राम की को-आर्डिनेटर बनीं शिप्रा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान को उत्तर प्रदेश में मजबूती देने के लिए कांग्रेस ने संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिले की वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री शिप्रा अवस्थी को इस अभियान का जिला को-आर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जारी कार्यालय ज्ञापन के मुताबिक, प्रदेश के सभी जनपदों में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटियों के सहयोग के लिए वरिष्ठ कांग्रेस एक्टिविस्टों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के कारण कमजोर पड़ रही मनरेगा योजना को बचाने के लिए व्यापक जन-आंदोलन खड़ा करना है। कांग्रेस नेत्री शिप्रा अवस्थी की नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी है।

सतीश चंद्र वर्मा भीरा रेंजर बने

भीरा, अमृत विचार : बफरजोन की भीरा वन रेंज के रेंजर पद पर विभाग ने सतीश चंद्र वर्मा को तैनात किया है। यहां तैनात रेंजर अखिलेश कुमार शर्मा को दुधवा नेशनल पार्क की सुनारीपुर रेंज का रेंजर बनाया है। चार्ज लेने के बाद नवागत रेंजर ने कर्मचारियों के साथ बैठक ली और उनका परिचय प्राप्त किया। साथ ही वन और वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर दिशा निर्देश दिए। गश्त को लेकर रणनीति बनाई।

भक्ति के साथ मनाई सकट चतुर्थी

पलियाकलां, अमृत विचार : नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को सकट चतुर्थी का पर्व श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। विधिवत पूजा-अर्चना की गई और परिवार की सुख-समृद्धि व संतान की लंबी आयु की कामना की गई। पुत्रवती महिलाओं ने व्रत रखकर दिनभर संयम और नियमों का पालन किया। शाम को पूजा-अर्चना कर व्रत का पारण किया। उधर गणेश चतुर्थी पर नगर पांडे बाबा स्थान पर बने गणेश मंदिर, पुरानी बाजार स्थित हनुमान मठिया, आध्यात्मिक श्रीकुल सेवा आश्रम , कालरात्रि मंदिर आदि जगह श्रद्धालुओं भगवान श्रीगणेश का पूजन अर्चन किया।

30 एकड़ तालाब से हटाया अतिक्रमण

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के गांव घोला में मंगलवार को राजस्व टीम ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर 30 एकड़ के तालाब से अतिक्रमण हटवाते हुए मत्स्यजीवी सहकारी समिति सकेथू को कब्जा दिलाया।

पलिया ब्लॉक की घोला ग्रामसभा में 30 एकड़ तालाब का पट्टा पहले मत्स्यजीवी सहकारी समिति फुलवरिया के नाम आवंटित था। समय पर भुगतान न किए जाने के कारण समिति को डिफॉल्टर घोषित करते हुए 18 अक्टूबर 2024 को पट्टा निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद 30 जनवरी 2025 को सरकार द्वारा कराई गई पुनः नीलामी में उक्त तालाब का पट्टा मत्स्यजीवी सहकारी समिति सकेथू के नाम आवंटित किया गया। हालांकि पट्टा निरस्त होने के बावजूद फुलवरिया समिति द्वारा तालाब पर किया गया अतिक्रमण नहीं हटाया गया था। इसी को लेकर मंगलवार को राजस्व टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और तालाब को अतिक्रमणमुक्त कराते हुए सकेथू समिति को विधिवत कब्जा सौंपा।

कार्रवाई के दौरान फुलवरिया समिति की ओर से डाली गई झोपड़ी व अन्य अतिक्रमण हटाने के लिए अतिक्रमणकारी सुभाष निषाद को दो दिन का समय दिया गया है। सकेथू समिति के अध्यक्ष शिवकुमार ने बताया कि प्रशासन की कार्रवाई से उन्हें तालाब का कब्जा मिल गया है। वहीं नायब तहसीलदार अखिलेश श्रीवास्तव ने बताया कि अतिक्रमणकारी को दो दिन के भीतर झोपड़ी सहित अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण न हटाने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तालाब पर कब्जा हटाने पहुंची राजस्व व पुलिस टीम। ● अमृत विचार

● मत्स्यजीवी सहकारी समिति सकेथू को दिलाया कब्जा

श्रद्धा के साथ मनाया गया सकट चौथ पर्व

बिझौली, अमृत विचारः ग्रामीण क्षेत्र में श्रद्धा से सकट चौथ मनाया गया। बिझौली, रमुआपुर, जमुनहा सहित आसपास के गांवों में माताओं ने सकट पूजन कर पुत्रों की लंबी उम्र की कामना की। व्रत रहकर सकट भगवान की पूजा की। घर में तिल, तिल्ली और गुड़ की चासनी बनाकर तिल्ली के लड्डू बकरा बनाकर सकट भगवान की पूजा अर्चना कर कथा कही और पुत्रों की लंबी आयु की कामना की। हिंदू धर्म में माघ के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी का महत्व माना गया है। इस दिन संतान के सुख समृद्धि और लंबी आयु के लिए सकट चौथ का व्रत रखा जाता है। इस तिथि को तिल चतुर्थी संकष्टी चतुर्थी और मांघी चतुर्थी भी कहा जाता है। परंपरा के चलते पुत्रवती महिलाओं ने सकट चौथ व्रत के दिन तिल और गुड़ से पूजन किया। इस मौके पर अमिता श्रीवास्तव, आशा, नीरज, सीमा सिंह, बबली सिंह, उषा सिंह आदि मौजूद रहीं।

विधानसभा मतदाता सूची का किया प्रकाशन

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः सिंगाही खुर्द में विधानसभा मतदाता सूची का प्रकाशन मंगलवार को सुबह 11 बजे यूपीएस कंपोजिट विद्यालय परिसर में किया गया।

एसआईआर से पूर्व सिंगाही खुर्द में कुल 6 बूथ थे, लेकिन एसआईआर प्रक्रिया के बाद अब बूथों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है। पहले जिन मतदाताओं के नाम भाग संख्या 57 में दर्ज थे, वे अब बदलकर भाग संख्या 60 में शामिल कर दिए गए हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर विधानसभा के भाग संख्या में हुए इस बदलाव से मतदाताओं को अपने नाम खोजने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मतदाताओं का कहना है कि बूथ और भाग संख्या बार-बार बदलने के कारण यह समझ पाना मुश्किल हो गया है कि किस भाग संख्या में उनका नाम दर्ज है। इससे सूची में नाम ढूंढने में समय लग रहा है और असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

बीएलओ सुनील सिंह, राम प्रवेश, कपिल कुमार, निभा सिंह व सुपरवाइजर लेखपाल विनीत सिंह मौजूद रहे। कड़ाके की ठंड के कारण सूची देखने पहुंचने वाले मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। बीएलओ ने बताया कि इसके बावजूद काफी संख्या में मतदाता अपना नाम देखने पहुंचे। जिन मतदाताओं का नाम सूची में नहीं है, उन्हें आधार कार्ड के साथ आकर आवेदन करना होगा। वहीं नवविवाहित महिलाओं को मायके से वर्ष 2003 की मतदाता सूची से संबंधित डाटा लाने पर नाम जोड़ा जाएगा। प्रशासन की ओर से मतदाताओं से अपील की गई है कि वे समय रहते अपने नाम की जांच कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ बीएलओ से संपर्क करें।

मतदाता सूची में अपना नाम तलाशते ग्रामीण। ● अमृत विचार

● बूथ बढ़ने से मतदाताओं में भ्रम की स्थिति

नव वर्ष पर हरियाली मित्रों का सम्मान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः पर्यावरण मित्र समूह के आयोजित प्रभु दर्शन एवं प्रकृति संरक्षण यात्रा का समापन हो गया। यात्रा में शामिल सभी सदस्यों ने हरियाली बढ़ाने और प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया।

भीरा-पलिया रोड स्थित प्रसिद्ध साईं मंदिर बोझवा में आयोजित यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने द्वादश ज्योतिर्लिंग, पवित्र सरोवर, प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण एवं साईं मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद सामूहिक रूप से प्रकृति संरक्षण पर चर्चा की गई, जिसमें पौधरोपण, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। स्मृति महाविद्यालय एवं साईं मंदिर परिवार की प्रमुख मनीषा तिवारी एवं अमित तिवारी को हरियाली मित्र सम्मान दिया गया, वहीं सुबोध शुक्ल एवं कंचन शुक्ला को हरियाली मित्र प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने उनके पर्यावरण संरक्षण में योगदान की सराहना की। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

आयोजन में पर्यावरण मित्र समूह के संयोजक विशाल सेठ, राम मोहन गुप्त, प्रमुख मयूरी नागर, कोर कमेटी सदस्य रश्मि महेंद्रा, कुमकुम गुप्ता, पूजा सिंह चौहान, संजय गुप्ता सहित शिल्पी गुप्ता, शालिनी गुप्ता, निलेश गुप्ता, कामिनी महेन्द्र, रोहित महेंद्रा आदि मौजूद रहे।

साईं मंदिर बोझवा में प्रभु दर्शन कार्यक्रम में मौजूद पर्यावरण मित्र। ● अमृत विचार

● पर्यावरण मित्र समूह की प्रभु दर्शन यात्रा संपन्न

विधायक अमन गिरि ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः शिवम काम्प्लेक्स पर विधायक ने कार्यकर्ताओं की बैठक में विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान एसआईआर के द्वितीय चरण के बारे में विस्तृत चर्चा की।

सोमवार देर शाम नगर के अलीगंज रोड स्थित शिवम कांप्लेक्स पर आयोजित बैठक में विधायक अमन गिरि ने कहा कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण महाअभियान के दूसरे चरण में सभी कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों को पूरे मनोयोग से लगना है। मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य उन युवाओं का नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है, जो एक जनवरी 2026 को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं। लेकिन उनके नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है। कार्यकर्ताओं को एसआईआर के दूसरे चरण के लिए फार्म संख्या 6, 7 और 8 को त्रुटि रहित भरवाने पर जोर दिया, ताकि सभी पात्र नाम सूची में शामिल हो सके। साथ ही आग्रह किया कि कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के माध्यम से इन फार्मा को भरके छूटे हुए नामो को मतदाता सूची में सम्मिलित कराने में सहयोग करें। बैठक में विधानसभा संयोजक अवधेश मिश्रा, नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, रामगुलाम पांडे, दीपेंद्र गुप्ता, धीरज बाजपेई, प्रमोद भारद्वाज, वीरेंद्र गुप्ता, राहुल वाल्मीकि, तेज प्रताप शुक्ला, कैलाश चंद्र गुप्ता, नवीन भसीन, रेखा मिश्रा, सीमा सक्सेना आदि मौजूद रहे।

गोला में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते विधायक अमन गिरि। ● अमृत विचार

● एसआईआर के द्वितीय चरण के बारे में की विस्तृत चर्चा

● छूटे युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर दिया जोर

कपरहा गांव में मतदाता सूची देखते ग्रामीण। ● अमृत विचार

निर्वाचन नामावली का किया गया प्रकाशन

बिलहरी, अमृत विचार : विगत एक माह चली एसआईआर प्रक्रिया के बाद राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश पर अंतिम सूची के प्रकाशन के क्रम में गोला विधानसभा क्षेत्र के गांव कपरहा के प्राथमिक विद्यालय में निर्वाचन नामावली का अंतिम प्रकाशन मंगलवार सुबह 10 बजे से किया गया। कपरहा गांव के भाग संख्या 335 में कुल मतदाताओं 759 में 408 पुरुष 351 महिलाएं और भाग संख्या 336 में कुल मतदाताओं 642 में 368 पुरुष 274 महिलाएं हैं। बूथ स्थल पर बीएलओ प्रदीप कुमार और शमा परवीन ने ग्रामीणों को मतदाता सूची दिखाई।

मौसम रात में 6 डिग्री तक पहुंचा न्यूनतम तापमान, गलन और बर्फीली हवाओं से ठिठुरते रहे लोग

लखीमपुर खीरी में सर्दी का कहर, मंगलवार सबसे ठंडा रहा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः पहाड़ों पर हो रही भीषण बर्फबारी का असर अब तराई के मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। पिछले कई दिनों से धूप न निकलने और भीषण शीतलहर व गलन ने जनजीवन को पूरी तरह ठप कर दिया है। मंगलवार सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। रात का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस चला गया, जबकि दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो सके। ठंडी हवाओं और गलन के कारण खुले स्थानों पर रहना लोगों के लिए मुश्किल हो गया।

भीषण शीतलहर और गलन ने जनजीवन को पूरी तरह बेपटरी हो गया है। करीब एक हफ्ते से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हालांकि इस बीच एक-दो बार धूप ने आमजन को कुछ राहत दी ती, लेकिन इधर चार दिनों से धूप के दर्शन न होने से लोग बिलबिला उठे हैं। रात से ही जिले भर में कोहरा छाया रहा। कई इलाकों में दृश्यता बेहद कम थी, जिससे हाईवे और ग्रामीण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम सी गई। सुबह स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र, नौकरीपेशा लोग और मजदूर सबसे अधिक प्रभावित दिखे। कोहरे और ठंड के चलते लोग अलाव तापते दिखे। भीषण सर्दी का सबसे ज्यादा असर दिहाड़ी मजदूरों, किसानों और छोटे व्यापारियों पर देखने को मिला।

खेतों में कामकाज प्रभावित हुआ, वहीं सुबह की मंडियों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़ रही। ठंड से बचने के लिए बाजारों में ऊनी कपड़ों, हीटर और अंगीठी की मांग अचानक बढ़ गई है। सोमवार को पूरे दिन धूप नहीं निकली। बर्फीली हवाएं चलने से लोग जल्द ही अपने काम निपटा कर घरों में चले गए। रात में न्यूनतम पारा लुढक कर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सोमवार सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। दिन में भी अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सिययस और न्यूनतम तापमान 06 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो सके। ठंडी हवाओं और गलन के कारण खुले स्थानों पर रहना लोगों के लिए मुश्किल हो गया। मंगलवार को शीतलहर और भीषण गलन के कारण जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ।

सरकारी दफ्तरों और कोर्ट परिसरों में भी अन्य दिनों की अपेक्षा काफी कम भीड़भाड़ देखी गई। अधिकतर कर्मचारी दफ्तरों में ब्लोअर और हीटर लगाकर सेंकते नजर आए। मौसम विभाग ने बुधवार को को भी जिले में कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और गलन जारी रहने की संभावना जताई है। विभाग ने सुबह और देर रात अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी है। उधर जिला प्रशासन ने भी अपील की है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। गर्म और सूखे कपड़े पहनें व खुले में अलाव जलाते समय सावधानी बरतें। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों का ध्यान रखने की जरूरत है। मौसम विभाग ने बुधवार के न्यूनतम तापमान में और गिरावट होने के संकेत दिए हैं।

अलाव जलाकर तापते व्यापारी। ● अमृत विचार

खुद का अलाव दुकानदारों का बना सहारा

फूलबेहड़, अमृत विचार : कड़ाके की ठंड ने आम जनजीवन को बेहाल कर दिया है, लेकिन ब्लॉक फूलबेहड़ के ग्रामीण इलाकों में अब तक प्रशासन की ओर से अलाव की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। अलाव न जलने से राहगीरों और दुकानदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फूलबेहड़ क्षेत्र के मिलपुरवा, फूलबेहड़ बाजार, सैदापुर, सुन्दरवल, अंदेशनगर, श्रीनगर, तेंदुआ सहित विभिन्न गांवों और प्रमुख चौराहों पर कड़ाके की सर्दी के बावजूद अलाव की व्यवस्था पूरी तरह नदारद है। ठिठुरती ठंड में राहगीर मजबूरन अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं चौराहों पर बैठने वाले दुकानदार स्वयं लकड़ियों का इंतजाम कर आग जलाने को विवश हैं। सुन्दरवल चौराहे पर दुकानदार कलामू, आसिफ, ताहिर, मसीउल्ला, यासीन सहित अन्य ग्रामीण दूरदराज के गांवों से आकर अपनी दुकानें लगाते हैं। ये दुकानदार जैसे-तैसे लकड़ियों की व्यवस्था कर आग जलाकर हाथ सेंकते नजर आते हैं। दुकानदारों का कहना है कि यदि प्रशासन समय रहते अलाव की व्यवस्था कर दे, तो सर्दी के प्रकोप से काफी राहत मिल सकती है।

मंडी परिसर में जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

गोला की मंडी समिति में वृद्धा को कंबल ओढ़ातीं एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः एसडीएम ने मंडी परिसर में जरूरतमंदों, बुजुर्गों को कंबल वितरित किए। उन्होंने अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों पर रह रहे जरुरतमंद लोगों पर विशेष नजर रखे जाने के निर्देश दिए।

कड़ाके की ठंड के मद्देनजर मंगलवार को एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने मंडी परिसर में जरूरतमंदों, बुजुर्गों फातिमा, फूलमती, बाबूसिंह, बिस्मिल्लाह आदि को कंबल वितरित किए। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए ठंड में कोई बेसहारा व्यक्ति दिखाई दे तो उसे नजदीकी रेन बसेरा तक पहुंचाएं। कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति ठंड से परेशान न हो इसके लिए तहसील प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है, ताकि ठंड में किसी निराश्रित को परेशानी न हो। कहा कि शीतलहर के दौरान असहाय एवं गरीब व्यक्तियों को ठंड से बचाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार राहत कार्य किए जा रहे हैं।

चोरी व लूट की घटना से दहशत में लोग, रात्रि गश्त पर उठे सवाल

रोशन नगर में लूट और भीरा क्षेत्र में घंटा चोर सक्रिय, पुलिस अधीक्षक की तमाम कोशिशों के बाद भी थाना स्तर पर लापरवाही से अपराधी बेखौफ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक की तमाम कोशिशों के बाद भी थाना स्तर पर की जा रही लापरवाही के कारण जिले में अपराधी बेखौफ हैं और लगातार चोरी, लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। वह घरों में रखी जीवन भर की कमाई पर आसानी से हाथ साफ कर हैं। सोमवार को शहर के मोहल्ला शिव कॉलोनी में दिनदहाड़े चोर मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवर चोरी कर ले गए। थाना हैदराबाद क्षेत्र के रोशननगर में सरेशाम लूट की घटना को अंजाम दिया।

भीरा थाना क्षेत्र में घंटा चोरी करने वाला गिरोह पुलिस पर भारी है। गांव नौसरजोगी के बाद चोर अब भानपुर के मंदिर का वजनदार घंटा चोरी कर ले गए। पुलिस ने दो वारदातों की तो रिपोर्ट दर्ज कर ली, लेकिन घंटा चोरी होने के मामलों की एफआईआर दर्ज नहीं की है। लगातार हो रहीं अपराधिक वारदातों से लोग दहशत में हैं। वहीं पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था और सीओ की थाना क्षेत्रों की मॉनिटरिंग पर भी सवाल उठने लगे हैं।

शहर की शिव कॉलोनी में पावर हाउस के पीछे एक मकान में दिनदहाड़े ताला तोड़कर चोरी की वारदात सामने आई है। मौके पर पहुंची महिला ने जब चोरों को रोकने की कोशिश की तो चोर उसे धक्का देकर सोने-चांदी के जेवर आदि लेकर भाग निकले। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जयंत कुमार ने बताया कि वह सोमवार को ड्यूटी पर गए हुए थे। घर पर उनकी पत्नी थीं। इसी दौरान उनके छोटे भाई उपेन्द्र कुमार अपने परिवार सहित गांव पकड़िया किशनपुर थाना नीमगांव गए थे, जिससे उनका घर बंद था। शाम करीब 4:30 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके भाई के घर का ताला तोड़ दिया और घर से कीमती सामान चोरी कर लिया। उन्होंने बताया कि जब आरोपी चोरी का सामान लेकर बाहर निकल रहा था। तभी उसकी पत्नी पुनीता ने उसे देख लिया। पुनीता ने मौके पर पहुंचकर उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी महिला को धक्का देकर भाग गया।

पीड़ित ने बताया कि घर में घुसकर चोरी करने वाला व्यक्ति उनके पड़ोसी दीपक का दोस्त है, जो दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ आया था। उन्होंने आशंका जताई है कि दीपक और उसके सभी साथियों ने मिलकर इस घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि चोर सोने-चांदी के करीब चार लाख रुपये के जेवर व अन्य कुछ सामान चोरी कर ले गए हैं। उन्होंने घटना की तहरीर कोतवाली सदर पुलिस को दी है। शहर कोतवाल राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी दीपक की तलाश कर रही है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खँगाला जा रहा है।

भीरा थाना क्षेत्र के भानपुर में मंदिरों से घंटा चोरी

भानपुर। थाना भीरा क्षेत्र में घंटा चोर गिरोह सक्रिय हो गया है। लगातार हो रही वारदातों से लोग परेशान है। रविवार की रात चोर थाना क्षेत्र के गांव नौसर जोगी गांव में प्रधान के घर के सामने स्थित देवी मां के मंदिर से सात किलोग्राम का पीतल का घंटा चोरी कर ले गए थे। इसी रात भानपुर स्थित देवीस्थान मंदिर से चोर दिनदहाड़े मंदिर का घंटा चोरी कर ले गए। मंदिर के पुजारी जगमोहन लाल ने बताया कि रोज़ की तरह जब श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे तो मंदिर में लगा घंटा गायब मिला। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी को भी घटना की जानकारी नहीं हो सकी। देवी स्थान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नियमित रूप से पूजा करते हैं, ऐसे में दिन के समय चोरी होना कई सवाल खड़े करता है। इससे पहले 28 दिसंबर की रात करीब 10 बजे बरगद स्थित मंदिर से भी चोरों ने मंदिर का घंटा चोरी कर लिया। मंदिर के पुजारी रितेश ने बताया कि इस मंदिर में दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। सुबह पूजा के समय घंटा गायब मिलने पर घटना की जानकारी हुई। लगातार मंदिरों से घंटे चोरी होने की घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि आखिर मंदिरों में लगे पवित्र घंटे कौन और क्यों चोरी कर रहा है। फिलहाल सभी मामलों की तहरीरें पुलिस को दी गई, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

चोरियों से उचौलिया क्षेत्र में दहशत

उचौलिया, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव नेवली के पश्चिम मंदिर के पास बने कमरे में पुजारी रामप्रसाद पत्नी रेखा देवी के साथ रहते हैं। रविवार रात दो चोर आए और पुजारी की पत्नी रेखा देवी के एक कान का कुण्डल नोच कर भाग गये। नोचे गए कुण्डल का वजन लगभग पांच ग्राम था। पुजारी और पुजारिन के शोर मचाने पर तमाम ग्रामीण मंदिर पर पहुंचे। पुजारी ने घटना की सूचना उचौलिया पुलिस को दी, लेकिन अभी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। बीती दो जनवरी की रात गांव पिपरहा ग्रंट निवासी दीपक कुमार की उचौलिया स्थिति दुकान से नकदी, प्रिंटर, बायोमेट्रिक और नकद 7 हजार रुपये की चोरी ताला तोड़कर हो चुकी है। इससे पहले बीती एक जनवरी की रात गांव जलालपुर में बलवीर सिंह की दुकान का ताला तोड़कर नकदी, एलपीजी सिलेंडर और बैट्रा आदि चोरी हो चुके हैं। इसकी रिपोर्ट चार दिन बाद दर्ज हुई है। फिलहाल पुलिस चोरों का सूराग नहीं लगा पाई है।

सरेशाम सशस्त्र बदमाशों ने मेडिकल व्यवसायी को लूटा

रोशननगर, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव रोशननगर निवासी पत्रकार अविनाश चंद्र वर्मा गोला से अपने गांव बाइक पर वापस आ रहे थे। ममरी रोशननगर रोड पर पहर पुलिया के पास बदमाशों ने उनके ऊपर डंडे से प्रहार किया, लेकिन वह बाइक की स्पीड तेज कर किसी तरह बच निकले। उनके पीछे बाइक से आ रहे रोशन नगर निवासी मेडिकल व्यवसायी आशीष अग्निहोत्री से रोशननगर मार्ग पर नहरिया पर शाम करीब 8 बजे 5 या 6 बदमाशो ने उनकी पर्स में रखे दस हजार रुपये, सेमसंग गैलेक्सी मोबाइल फोन लूट लिया। इस बीच ममरी की ओर से आ रही जीप की रोशनी देखकर बदमाश भाग गए। घटना की जानकारी हैदराबाद पुलिस को दी गई। सूचना पर घटना स्थल का पुलिस ने मौका मुआयना किया। रोशननगर के ग्रामीणों का कहना है कि यहां पर पहले पुलिस सहायता केंद्र भी बना था, जहां पुलिस की ड्यूटी रहती थी। सहायता केंद्र धराशाही कर दिया गया, जिससे पुलिस सहायता केंद्र का नामो निशान मिट गया। सरेशाम हुई घटना से लोगों में भय व्याप्त है। हैदराबाद एसओ सुनील कुमार मलिक ने बताया कि यहां पर सुरक्षा के लिए दो बीट सिपाहियों की गस्त लगती थी वह उनके संज्ञान में नहीं है। राहगीरों की सुरक्षा के लिए सिपाहियों को लगाया जायेगा।

कोटवा गांव के खेत में लगा समरसेबल पंप चोरी

बिलहरी, अमृत विचार : थाना नीमगांव की पुलिस चौकी सिकन्द्राबाद क्षेत्र के कोटवा गांव में खेत से चोर समरसेविल खोल ले गये हैं। चोरी की सूचना पलिस को दी गई है। गांव कोटवा निवासी उमाकान्त मिश्र पुत्र शिवराम मिश्र का हज्जनपुर रोड पर सिंचाई के लिए खेत मे लगा समरसेविल पंप को सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने बोरिंग से निकालकर चोरी कर लिया है। समरसेविल पंप चोरी की जानकारी मंगलवार सुबह तब हुई जब खेतों की ओर गए उमाकांत ने बोरिंग के पास समरसेविल में पड़ी पाइपों व तार पड़ा देखा। मौके पर ही 112 पुलिस को फोन कर जानकारी दी, साथ ही थाना नीमगांव में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष नीमगांव प्रबीर कुमार गौतम ने बताया कि तहरीर मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर अतिशीघ्र चोरों को पकड़ा जाएगा। मौके पर चौकी इंचार्ज सिकंद्राबाद को जांच के लिये भेजा है।

यज्ञशाला से दानपात्र तोड़कर हजारों की नकदी चोरी

रोशननगर, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव रोशन नगर में चोरों ने यज्ञशाला को निशाना बनाते हुए दानपात्र तोड़कर उसमें रखी हजारों रुपये की नकदी चुरा ली। सुबह जब ग्रामीण पूजा अर्चना के लिए यज्ञशाला पहुंचे, तब दानपात्र टूटा देख चोरी की जानकारी हुई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि रोशन नगर इलाके में आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इससे पहले भी यज्ञशाला से दानपात्र चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से चोरी का खुलासा कर नकदी बरामदगी और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

सर्प रसेल वाइपर का किया सफल रेस्क्यू

पलिया कलां, अमृत विचार : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलियाकलां में दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन के अंतर्गत कार्यरत मोटीवेटर नाजरुन निशा ने मंगलवार को जहरीले सर्प रसेल वाइपर का सफल रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में ले जाकर छोड़ा। उन्होंने क्षेत्र के गांव अजीतनगर में सर्प को पकड़ा, जिसकी पहचान रसेल वाइपर के रूप में हुई है, जो कि अत्यंत जहरीले सर्पों में से एक बताया गया है। सर्प को जंगल में छोड़ दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हिंदू सम्मेलन आज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के तीर्थ मोहल्ला स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में सात जनवरी बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन पूरे भारत में मंडल/बस्ती स्तर पर आयोजित हो रहे हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। कार्यक्रम संयोजक सुनील कुमार बाजपेई ने बताया कि सम्मेलन में क्षेत्रीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख मिथिलेश प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि फूल बाबा आश्रम के संत स्वामी केशवानंद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में सुंदरकांड पाठ के साथ विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की जाएगी।

करंट लगने से महिला की मौत

निघासन, अमृत विचार : थाना पदुआ क्षेत्र के गांव मोहनापुर में नल पर पानी लेने गई एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। इससे उसके परिवार में कोहराम च गया। पल भर में ही सकट पर्व की खुशियां मातम में बदल गईं। गांव मोहनापुर दरेरी निवासी मुनेश की पत्नी अंजली (30) घर में खाना बना रही थी। इसी दौरान वह नल से पानी लेने गई। बताया जाता है कि घर में पड़ा बिजली का तार टूटकर नल पर गिर गया था। जैसे ही अंजली ने नल को हाथ लगाया, उसे तेज करंट लग गया और वह चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह बिजली का तार हटाकर उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सकट पर्व की खुशियां मातम में बदल गई।

नवागत सचिव ने शुरू कराई नालियों की सफाई

सफाई कर्मियों से सफाई करवाते पंचायत सचिव। ● अमृत विचार

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचार: सिंगाही खुर्द में बीते दिनों नवागत सचिव को सामाजिक संस्था युवा जनहित सेवा समिति ने गांव में बजबजा रही नालियों का निरीक्षण कर सफाई कराने की मांग की थी, जिसे संज्ञान लेते हुए नवागत सचिव ने दो दिन का रोस्टर लागू कर वार्डों की साफ-सफाई शुरू करवा दी है। मंगलवार को पंचायत सचिव कृष्ण कुमार गुप्ता ने ब्लाक से रोस्टर लागू कर आठ सफाई कर्मियों को ग्राम पंचायत सिंगाही खुर्द सम्पूर्णानगर के वार्ड 4 में भेजा और बजबजा रही नालियों की सफाई शुरू कराई। नालियो की सफाई देख वार्ड वासियों ने खुशी झलक आई। लोगों ने कहा की आबादी के अनुसार गांव में बनी नालियों की प्रत्येक सप्ताह साफ-सफाई होनी चाहिये, लेकिन एक बार सफाई होने के बाद दोबारा कोई नहीं आता है। ग्राम रोजगार सेवक रवींद्र गुप्ता भी मौके पर मौजूद रहे।

पीएचसी में प्रसूता की मौत पर भड़के परिजन

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: ईसानगर पीएचसी में एक प्रसूता की मौत के बाद परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। परिजनों ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और जिम्मेदार डॉक्टर व एएनएम को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही उन्होंने फोन पर सीएमओ से बात कर पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ईसानगर क्षेत्र के गांव शिवपुर निवासी रामावती (40) पत्नी रामकिशुन को मंगलवार दोपहर करीब एक बजे एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ईसानगर लाया गया था। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद भी प्रसूता को लगभग एक घंटे तक एंबुलेंस में ही पड़ा रहने दिया गया। इस दौरान मौके पर मौजूद डॉक्टर एए खान और एएनएम ने उसे देखने तक की जरूरत नहीं समझी।

आरोप है कि परिजनों द्वारा बार-बार गुहार लगाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई और एंबुलेंस में ही रामावती का प्रसव हो गया। इसके बाद जच्चा-बच्चा को अस्पताल के अंदर ले जाया गया, लेकिन तब तक प्रसूता को अत्यधिक रक्तस्राव हो चुका था। हालत बिगड़ने पर उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने स्टाफ नर्स और डॉक्टरों की लापरवाही को मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इससे सीएचसी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक विनोद शंकर अवस्थी तमाम लोगों के साथ पीएचसी पहुंचे और आक्रोशित परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। विधायक ने मौके पर मौजूद डॉक्टर और एएनएम को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही सीएमओ से फोन पर बात कर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की।

ईसानगर पीएचसी में परिजनों से बात करते विधायक विनोद शंकर अवस्थी। ● अमृत विचार

- **सूचना पाकर पहुंचे विधायक ने लगाई फटकार**
- **सीएमओ से की जांच और कार्रवाई की मांग**

महिला का यह छठा प्रसव था। वह दोपहर करीब 2:30 बजे पीएचसी ईसानगर पहुंची थी। उस समय एएनएम लंच पर गई हुई थी, जो कुछ देर बाद लौटी। तब तक प्रसूता को अत्यधिक रक्तस्राव हो चुका था। महिला को रेफर कर दिया था, लेकिन एंबुलेंस से भेजा नहीं जा सका, इसी दौरान उसकी मौत हो गई।

–डॉ. अमित कुमार सिंह, सीएचसी अधीक्षक खमरिया।

निर्वाचन नामावलियों का किया प्रकाशन

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज में मंगलवार को निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक पत्रावलियों का विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत वोटर लिस्ट का प्रथम आलेख का प्रकाशन किया गया। एसडीएम और तहसीलदार ने बताया कि नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च को होगा।

एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, तहसीलदार भीमचंद की मौजूदगी में मंगलवार को लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज में निर्वाचन नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया गया। एसडीएम ने सुपरवाइजर, बीएलओ को निर्देशित करते हुए कहा कि नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च को होगा। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 6 जनवरी से 6 फरवरी तक है। मतदाता नामावली में त्रुटि, संशोधन को लेकर मतदाता दावा प्रस्तुत कर सकता है। अधिकारियों ने बीएलओ से प्रपत्र 6 भरवाने के लिए प्रेरित किया। राजस्व निरीक्षक अरुणेश मिश्र, कॉलेज के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार यादव, नगर पालिका प्रधान लिपिक अमित श्रीवास्तव, विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

कार की टक्कर लगने से बाइक सवार की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर सदर कोतवाली क्षेत्र के रवहीं पुल के पास एक स्विफ्ट डिजायर कार ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

खीरी थाना क्षेत्र के गांव नकहा निवासी लवकुश मंगलवार को अपने किसी काम से लखीमपुर आए हुए थे। शाम को वह बाइक से घर वापस जा रहे थे। रास्ते में पीलीभीत बस्ती स्टेट हाईवे पर सदर कोतवाली क्षेत्र के रवही पुल के पास उनको स्विफ्ट डिजायर कार ने जोरदार टक्कर मार

- **पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर रवही पुल के पास हुआ हादसा**

दी। हादसे में वह बाइक समेत हाईवे पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक कार समेत मौके से भाग निकला। हादसा देखकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पाकर रामापुर चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मौत की खबर जब परिवार वालों को दी तो परिजनों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

भाकपा व अभाकिम के पदाधिकारियों का प्रदर्शन

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: भाकपा माले (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी) व अखिल भारतीय किसान महासभा (अभाकिम) के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को तहसील परिसर में सभा कर जनसमस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया और उपजिलाधिकारी पलिया डॉ. अवनीश कुमार को दो अलगअलग ज्ञापन सौंपे।

सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले नेता कमलेश राय ने कहा कि मजदूरों, किसानों और आम जनता से जुड़े मुद्दों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने जनपद मिर्जापुर में गिरफ्तार भाकपा माले के राज्य सचिव सुधाकर यादव एवं जिला सचिव जीरा भारती की गिरफ्तारी को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए दोनों नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। भाकपा माले द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में वन विभाग द्वारा पुस्तों से बसे लोगों को उजाड़े जाने पर रोक लगाने, नए बनाए गए चार श्रम कानूनों को समाप्त कर पुराने श्रम कानूनों को बहाल करने तथा मनरेगा योजना को पुनः प्रभावी रूप से लागू करने की मांग की गई है, जिससे मजदूरों को नियमित रोजगार मिल सके।

- **जनसमस्याओं को लेकर पदाधिकारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

अखिल भारतीय किसान महासभा पलिया द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में किसानों से जुड़ी समस्याओं को उठाया गया। ज्ञापन में चीनी मिल से उड़ने वाली राख पर तत्काल रोक लगाने, जंगली हाथियों द्वारा फसलों को पहुंचाए नुकसान का समुचित मुआवजा दिलाने तथा अवैध खनन को बंद कराने की मांग की गई।

एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार ने दोनों ज्ञापन लेते हुए संबंधित विभागों से समन्वय कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। ज्ञापनों पर भाकपा माले नेता कमलेश राय, का. रामकिशन, लल्लन प्रसाद, रंगीला, सुरेश चंद्र, ऐपवा जिला अध्यक्ष आरती राय, सुरेंद्र यादव, रामदयाल सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं।

तहसील परिसर में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते भाकपा माले नेता कमलेश राय।

शांति भंग में दो आरोपी गिरफ्तार

बिलहरी, अमृत विचार : थाना हैदराबाद पुलिस ने शान्ति भंग करने वाले तेजपाल यादव पुत्र राजाराम यादव निवासी मढिया सडक और शेर सिंह पुत्र रामप्रसाद निवासी नौगंवा थाना को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

कोहरा और पाला पड़ने से आलू एवं सरसों की फसल को नुकसान

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: कड़ाके की ठंड और पाले के प्रकोप से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लगातार गिरते तापमान के कारण आलू और लाही की फसल पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। रात के समय पड़ रहे पाले से आलू की पत्तियां झुलसने लगी हैं, वहीं लाही की फसल भी सूखने लगी हैं।फसलों की हालत देखकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं।

कोहरा और पाला के कारण फसलों में हो रहे नुकसान को देखते हुए किसान फसलों की सुरक्षा को तरह-तरह के जतन कर रहे हैं। किसान दीनबंधु, प्यारेलाल, राम अवतार, प्रेम प्रकाश राजकुमार, सेवक राम, आदि ने बताया की आलू व सरसों की फसलों में इस समय कोहरा और पाला से भारी नुकसान हो रहा है किसानों का कहना है कि इन दिनों आलू और सरसों की फसलें अपने विकास के महत्वपूर्ण समय में हैं।

लगातार कोहरे और पाले से खराब हो रही आलू की फसल। ● अमृत विचार

- **पाला की वजह से झुलसने और सूखने लगीं फसलों की पत्तियां**

ऐसे में अचानक बढी ठंड और पाला ने फसलों की बढ़वार रोक दी है। कई स्थानों पर खेतों में सफेदी जमने से पौधों की ऊपरी परत जल गई है।

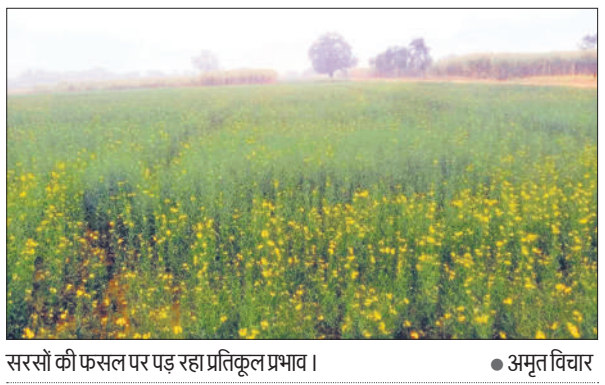

सरसों की फसल पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव। ● अमृत विचार

जिसका पैदावार पर सीधा असर पड़ेगा। फसलों को बचाने के लिए किसान देर रात तक खेतों में सिंचाई कर रहे हैं। इतना ही नहीं खेतों पर धुआं कर फसलों को पाले से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन लगातार ठंड पड़ने से राहत नहीं मिल पा रही है। इससे फसलों की पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। किसानों ने बताया कि जिला प्रशासन से मौसम को देखते हुए सर्वे कराकर नुकसान का आकलन कराने और उचित मुआवजा दिलाने की मांग करेंगे।

हादसे में बाइक सवार 3 लोग घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: थाना हैदराबाद के समीप नहर पुल पर रोडवेज और स्प्लेंडर बाइक की टक्कर में मैलानी थाना क्षेत्र के पसियापुर गांव निवासी आदित्य कुमार (38) पुत्र लालता प्रसाद अपने दो बेटे शिवांशु (10) और अभय (5) के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे। रोड को क्रॉस करते समय रोडवेज बस की टक्कर लग जाने से वह बाइक समेत सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां तीनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम दिलीप कुमार था जिसे बदलकर अब मैंने दिलीप कुमार बेलानी रख लिया है। भविष्य में मुझे दिलीप कुमार बेलानी के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **दिलीप कुमार बेलानी पुत्र स्व. टहल राम निवासी 169 फर्राशी टोला, आलमगिरीगंज जिला बरेली।**

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD PERVEZ से बदल कर MOHD PARVEZ ANSARI रख लिया है। भविष्य में मुझे MOHD PARVEZ ANSARI (मो. परवेज अंसारी) पुत्र श्री बशीर अहमद अंसारी (BASHER AHMAD ANSARI) मोहल्ला दयाल पुरा तहसील नवाबगंज जिला बरेली के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

सूचना

हमने अपने पुत्र नितिन कुमार व पुत्रवधू रानी से उनके दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारा व हमारे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **विनोद कुमार श्रीवास्तव पुत्र जागन लाल, उषा देवी पत्नी विनोद कुमार श्रीवास्तव निवासीगण- 07, ब्रजधाम कॉलोनी, रामपुर रोड किला, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सूचना

सूचित है, कि मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम रितिक यादव दर्ज है, जबकि शैक्षिक प्रमाणपत्रों में मेरा नाम सही व वास्तविक नाम आदित्य यादव है, मैं अपने आधारकार्ड में आदित्य यादव करवाना चाहता हूँ, रितिक यादव व आदित्य यादव एक ही व्यक्ति के नाम है। **आदित्य यादव पुत्र देशपाल सिंह नि.-ग्राम सहोड़ा खुर्द, तह-फरीदपुर, जिला बरेली।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र संजय कुमार व उसकी पत्नी सुलेखा को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **राजबहादुर पुत्र श्री परमेश्वर निवासी दाऊदपुर जहानपुर थाना फूलबेहड़ जिला खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने कक्षा 10 की परीक्षा वर्ष 2018 जिसका रोल नं. 1081822 व 12 की परीक्षा वर्ष 2020 में उत्तीर्ण किया है जिसका रोल नं. 0809629 है। मेरी हाईस्कूल व इण्टर की मार्कशीट वास्तव में कहीं खो गयी है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **सर्वजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह नि.0 ग्राम हंसनगर पो. सम्पूर्णा नगर तह. पलिया कलां, लखीमपुर खीरी (उ.प्र.)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम अनीता देवी था जिसे बदलकर अब मैंने अनीता रख लिया है। भविष्य में मुझे अनीता के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **अनीता पत्नी दिलीप कुमार बेलानी नि. 169 आलमगिरीगंज थाना प्रेम नगर, जिला बरेली।**

न्यूज ब्रीफ

गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन किया

मोहम्मदी, अमृत विचार : दून पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने हिंदी विकास संस्थान दिल्ली द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय की सान्वी वर्मा, अपर्णा गुप्ता, मानवी तिवारी, आर्यन पाल, आरुष राज एवं हरलीन कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त कर परचम लहराया। वहीं इकजोत कंबोज, अभिनव, मनदीप कौर एवं अन्वी ने रजत पदक, जबकि आयुष, ओम जी, प्रियांशी, गुरांश एवं श्रेष्ठ शुक्ला ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का मान बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. गुरु मेजर सिंह ने प्रतिभागी सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। प्रधानाचार्य कविता शर्मा एवं व्यवस्थापक विमल अवस्थी ने भी बच्चों की सराहना की।

वसीम को छह माह के लिए किया जिला बदर

बरेली, अमृत विचार : डीएम अविनाश सिंह ने पिछले दिनों तीन बदमाशों को जिला बदर करने के निर्देश दिए थे। इनमें से एक बदमाश वसीम को थाना बारादरी पुलिस ने मंगलवार को छह माह के लिए जिला बदर करते हुए पीलीभीत की सीमा में ले जाकर छोड़ा। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि 26 दिसंबर को डीएम ने बारादरी क्षेत्र के ईंट पजाया चौराहा निवासी वसीम उर्फ गंठा को जिला बदर करने के आदेश दिए थे। मंगलवार को आदेश की प्रति रिसीव कराकर वसीम को पीलीभीत सीमा पर ले जाकर 6 माह के लिए जिला बदर किया गया। वसीम को चेतावनी दी गई है।

मस्जिद में नई परंपरा को लेकर देवबंदी, बरेलवी पक्ष में मारपीट

धारदार हथियार और लाठी-डंडे चले, तमंचे लहराए, छह आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार: मस्जिद में नई परंपरा को लेकर देवबंदी और बरेलवी पक्ष आमने सामने आ गए। जमकर मारपीट हुई और धारदार हथियार, लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इतना ही नहीं तमंचा भी लहराया गया। कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बमुश्किल हालात संभाले। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की गिरफ्त में मारपीट के आरोपी। ● अमृत विचार

थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के गांव तेलीपुरा माफी में मुस्लिम समुदाय के देवबंदी और बरेलवी मसलक के लोग रहते हैं। दोनों पक्षों के बीच वर्षों से मस्जिद को लेकर विवाद चल रहा है। करीब 15 साल पहले दोनों पक्षों में मस्जिद में कोई भी नई परंपरा शुरू नहीं करने की सहमति बनी थी। सोमवार को फज्र की नमाज के लिए देवबंदी पक्ष के जुबैर अहमद मस्जिद गए थे। नमाज के बाद बरेलवी से संबंध रखने वाले तसद्दूक उर्फ इमरान, सिकंदर, अल्ताफ, इलियास, शाहिद, फिरोज, अजनबी, नूर, अलाउद्दीन ने मस्जिद में नई परंपरा शुरू कर दी। जुबैर अहमद ने विरोध किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। मौके पर भगदड़ मच गई।

शोर सुनकर जुबैर अहमद के परिवार के लोग व अन्य देवबंदी पक्ष के लोग आ गए। आरोपियों ने उनके साथ भी धारदार हथियार, लाठी- डंडों से मारपीट की और पथराव किया। जुबैर अहमद और उनके परिवार के सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के आते ही आरोपी भाग निकले। तनाव की स्थिति को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि गांव में शांति व्यवस्था कायम है। मामले में चार सगे भाइयों सहित 10 आरोपी इमरान, सिकंदर, अल्ताफ, इलियास, साजिद, शाहिद, फिरोज, अजनबी, नूर, अलाउद्दीन के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जिसमें 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

प्रदेश में गोरखपुर के बाद शाहजहांपुर का सबसे ठंडा रहा दिन

बरेली, अमृत विचार: जिले के लोग कड़ाके की ठंड से बेहाल हो रहे हैं। कभी दिन तो कभी रात का तापमान रोजाना प्रदेश में रिकॉर्ड बना रहा है। सोमवार को तो पूरे दिन सूरज के दर्शन ही नहीं हुए, इसकी वजह से सीजन का सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड किया गया। यही नहीं प्रदेश में तीसरे नंबर पर सबसे ठंडा दिन रहा। रात में भी लोगों को ठंड से राहत नहीं मिली। देर रात से शुरू हुआ घना कोहरा सुबह देर तक गिरा, जिससे दृश्यता 25 मीटर तक जा पहुंची और लोग घरों में ही दुबके रहे।

मौसम विभाग के मुताबिक जिले का अधिकतम तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस कम 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे कम अधिकतम तापमान सिर्फ गोरखपुर का 11.6 और शाहजहांपुर और आजमगढ़ का 12-12 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम 6.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक इससे पूर्व के बरसों में जनवरी के महीने में इससे कम भी अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया है।

मिलेट्स से बने खाद्य पदार्थों की लगाई प्रदर्शनी

प्रदर्शनी में भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राएं और अतिथि।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरुद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय जनपद स्तरीय मिलेट्स मेला सह प्रदर्शनी, मिलेट्स रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य मिलेट्स के पोषण मूल्य, स्वास्थ्य लाभ व दैनिक जीवन में इनके उपयोग को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम में मिलेट्स से बने विभिन्न खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई गई, जहां विशेषज्ञों ने श्री अन्न के बारे में बताया कि मिलेट्स पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ मधुमेह, हृदय रोग एवं मोटापे जैसी बीमारियों से बचाव में सहायक हैं। आमजन को संतुलित आहार अपनाने और मिलेट्स को नियमित भोजन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर गीता शुक्ला के निर्देशन एवं असिस्टेंट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) वीना चौरसिया के मार्गदर्शन में छह छात्राओं शालू विश्वकर्मा, अनामिका, विधि, शुभी, श्वेता दीक्षित एवं शुभ्रा श्रीवास्तव ने मिलेट्स से तैयार रेसिपी प्रस्तुत कर लोगों को इनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को उनके सराहनीय योगदान के लिए मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

माध्यमिक में छात्र पढ़ेंगे व्यावसायिक पाठ्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **बिजली फिटिंग, ब्यूटीशियन, प्लंबरिंग, डोमेस्टिक डाटा एंट्री व अन्य ट्रेड का मिलेगा प्रशिक्षण**

अमृत विचार: अब जिले के माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को केवल किताबी शिक्षा ही नहीं, बल्कि रोजगारपरक व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। नए शिक्षा सत्र से माध्यमिक विद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बनाया जा रहा है। इसके तहत छात्र-छात्राओं को बिजली फिटिंग, ब्यूटीशियन, प्लंबरिंग, रिटेल, डोमेस्टिक डाटा एंट्री सहित अन्य व्यावसायिक ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना और माध्यमिक स्तर से ही उन्हें रोजगार के लिए तैयार करना है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) की तर्ज पर माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार किसी एक ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। इससे माध्यमिक की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे स्वयं का रोजगार शुरू करने के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि व्यावसायिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए शासन स्तर से प्रति ट्रेड ढाई लाख रुपये की धनराशि निर्गत की गई है। जिले में इसके लिए 31 राजकीय और 23 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा की ट्रेड स्थापित की जानी हैं। इस योजना के अंतर्गत जिले को कुल दो करोड़ 20 लाख रुपये की धनराशि शासन से प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ ही एक अप्रैल से चयनित विद्यालयों में ट्रेड की स्थापना की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी, ताकि नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का लाभ मिल सके। डीआईओएस ने यह भी बताया कि जिले के आठ माध्यमिक विद्यालयों में पहले से ही व्यावसायिक शिक्षा की ट्रेड स्थापित कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें जिला मुख्यालय स्थित राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज खीरी टाउन के अलावा निघासन, मोहम्मदी, कुकरा, फूलबेहड़ और धौरहरा के राजकीय विद्यालय शामिल हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इस योजना से विद्यार्थियों की व्यावहारिक दक्षता बढ़ेगी और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। व्यावसायिक शिक्षा से छात्र कम उम्र में ही हुनरमंद बनकर आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

खनन पट्टा आवंटन के विरोध में धरना जारी

- **जौरहा नाले पर पुल के विरोध में बैठे किसान और सिख संगठन**

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: सिंगाही थाना क्षेत्र के मांझा गांव के पास बह रहे जौरहा नाले पर खनन ठेकेदार को पट्टा आवंटित करने और नाले पर बनाए गए अवैध अस्थाई पुल को हटाए जाने की मांग को लेकर किसानों और ग्रामीणों का चल रहा धरना पांचवे दिन भी जारी रहा है। दिन-रात चल रहे धरने पर अब लंगर भी शुरू कर दिया है। प्रशासन के संज्ञान न लेने पर धरने को और तेज किए जाने की रणनीति बनाई गई।

किसान और ग्रामीण भीषण ठंड में जौराहा नाले के किनारे टेंट लगाकर धरने पर बैठे हैं। पांच दिन बाद भी कोई प्रशासनिक अफसर उनकी सुधि लेने नहीं पहुंचा है। इससे किसानों और ग्रामीणों में रोष है।

प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते धरने पर बैठे किसान। ● अमृत विचार

लगातार दिन-रात जारी इस धरना स्थल पर लंगर की भी व्यवस्था चालू कर दी गई है। किसान अपनी मांग पर अड़े हैं। उनका कहना है कि जब तक खनन पट्टा निरस्त नहीं हो जाता और अवैध अस्थाई पुल को हटाया नहीं जाता। तब तक उनका धरना लगातार जारी रहेगा। पांचवे दिन धरने पर बैठे लोगों ने प्रशासन के संज्ञान न लेने पर रो। जताया और धरने को और अधिक तेज करने की रणनीति बनाई। धरने पर बैठे किसान परमजीत सिंह पम्मी ने बताया कि जल्द किसानों की मांगे नहीं मानी गईं तो किसान चक्का जाम करेंगे। इस दौरान भाकियू टिकैत के विधानसभा अध्यक्ष प्रगट सिंह, सुच्चा सिंह, पाल सिंह, कुलविंदर सिंह, अमन सिंह, काला सिंह, जसवीर सिंह बाजवा, वीरेंद्र सिंह, कश्मीर सिंह, सोनी औलख, टहल सिंह, केवल सिंह, रणजीत सिंह, मनजीत सिंह, कर्मजीत सिंह, गुरुमुख सिंह, हरभजन सिंह, संतोष कुमार, सुरेंद्र उर्फ भंडारी यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, यॉंत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा निविदा सं. एवं कार्य का विवरण: EL-MWS-GKP-2025-26-20** रिप्लेसमेंट ऑफ आइसोलेशन स्विच फॉर स्टार्टिंग बैट्री इन 2200 पावर कार्स @ रु.136476.44/– (डब्ल्यू बी आइटम नं0 818/2025–26), एलॉटेड क्वालिटी 130 नं0 पावर कार्स। **अनुमानित लागत: ₹1,12,01,733.60/- बयाने की राशि: ₹2,06,000/- निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य **कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने के तिथि से : 24 महीना।** ● ऑन लाइन ई–निविदा जमा करने की तिथि 27.01.2026 समय 11:30 बजे तक। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजी./(कार) गोरखपुर

मुजाधि/विद्युत–237

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्रा.पं. गुलड़िया महिपत वि.खं. भदपुरा तह. नवाबगंज (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गुलड़िया महिपत में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री विवरण निम्नवत् है-ईट, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेता व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है। निविदा पंचायत कार्यालय पर दिनांक 07.01.2026 से 10.01.2026 अपरान्ह 2 बजे तक जमा की जाती है जो उसी दिन सायं 4 बजे खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना किसी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	तोताराम के घर से हरप्रसाद के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2,95,000/-

डी.पी. यादव-ग्राम प्रधान — बृजेश यादव-सचिव

दुकान में घुसे चोर आहट होने पर भागे

खुटार, अमृत विचार: गांव सलनहा निवासी अभिषेक कुमार ने बताया कि खुटार के तिकुनियां-पूरनपुर रोड पर सोलर पैनल की दुकान है। दुकान के ऊपर ही उनका गोदाम है। जिसमें सोलर पैनल रखे हुए है। सोमवार रात दुकान बंद करके अपने घर चले गए थे। रात में चोरों ने गोदाम का ताला तोड़ दिया और अंदर चले गए। लेकिन कुछ ले नहीं जा सके।

जमीन कब्जा मुक्त कराने को हुई पैमाइश

- **अवैध रूप से बनाई गई सड़क तुड़वाई गई**

संवाददाता, खुटार

अमृत विचारः गांव रामपुर कला में पुवायां रोड पर कुछ लोगों के नाम पर हरियाली पट्टा कुछ साल पहले किए गए थे, जो बाद में निरस्त कर दिए गए । इसके बाद उक्त भूमि को ग्राम समाज में दर्ज कर दिया गया था। इसके ठीक सामने ही गाटा संख्या 132 में मरघट और 137 में सरकारी चक मार्ग दर्ज है। इन तीनों सरकारी भूमि पर कुछ साल से भू माफिया कब्जा कर प्लाटिंग की जा रही थी, जिसकी शिकायत गांव में रहने वाले अवनीश कुमार शुक्ला और विजय कुमार ने जिलाधिकारी से की गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच कराई तो शिकायत सही पाई गई। जिला अधिकारी के आदेश

पैमाइश करती राजस्व विभाग की टीम। ● अमृत विचार

पर मंगलवार को नायब तहसीलदार युसूफ कुमार, कानूनगो अरुण मिश्रा, चंद्रिका प्रसाद, लेखपाल रोहित मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सरकारी चकमार्ग, ग्राम समाज के साथ ही मरघट की भूमि की पैमाइश कराई। इसके साथ ही उस पर किए जा रहे अवैध कब्जे को तत्काल प्रभाव से हटवाते हुए ग्राम समाज की भूमि पर माफिया की ओर से बनाई गई सड़क को तत्काल हटवा दिया। पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कब्जा करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

यूपीआई पर 40 हजार ट्रांसफर करा युवक फरार

- **सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ आरोपी, तलाश में जुटी पुलिस**

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचारः थाना भीरा की पुलिस चौकी बिजुआ के कस्बा बिजुआ में यूपीआई के माध्यम से धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है। बुधवार शाम करीब 5:30 बजे सीएचसी के सामने स्थित मिनी बैंक ऑफ बड़ौदा केंद्र पर एक युवक ने 40 हजार रुपये की ठगी की घटना को अंजाम दिया और मौके से भाग निकला।

मिनी बैंक ऑफ बड़ौदा के संचालक गांव भानपुर निवासी सुमित ने बताया कि उनके पास एक युवक आया और उसने एक कंपनी की यूपी आईडी पर झांसा देकर 40 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। कुछ देर

कैमरे में कैद आरोपी। ● अमृत विचार

बाद वह चकमा देकर मौके से भाग निकला। घटना के बाद संचालक सुमित और आसपास मौजूद लोगों ने उसका पीछा किया, लेकिन वह भागने में सफल रहा। पूरी घटना मिनी बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। युवक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही हैं। मिनी बैंक संचालक सुमित ने बिजुआ चौकी पर तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
नलकूप खण्ड द्वितीय बरेली

ई–प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–06/अधि0अभि0/2025–26
(बजट की प्रत्याशा में)

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन निविदा (http://etender.up.nic.in) ई–टेण्डरिंग के माध्यम से सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सिंचाई विभाग उ0प्र0 में यांत्रिक ''ए'' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार फिक्स दरों पर दिनांक 28.01.2026 को अपरान्ह 16:00 बजे तक आनलाईन ई–निविदाएं निर्धारित बिड फार्म यथा (1) तकनीकी बिड एवं (2) फाईनेन्शियल बिड में आमंत्रित की जाती है जो दिनांक–29.01.2026 को अपरान्ह 13:00 बजे, व दिनांक–30.01.2026 को अपरान्ह 13:00 बजे जैसा की निम्नांकित है, खोली जायेगी। बिड जमा करने का विस्तृत विवरण ई–निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्योंरमेन्ट की वेबसाईट (http://etender.up.nic.in) पर उपलब्ध है। फर्म/ठेकेदार जो सिंचाई विभाग के क्लास 'ए' (यांत्रिक) में पंजीकृत है।

ई–निविदा हेतु प्रपत्र का मूल्य व धरोहर धनराशि ई–निविदा पोर्टल पर ऑनलाईन रूप से जमा करना अनिवार्य होगा। ई–निविदा पोर्टल पर ऑनलाईन रूप से जमा किये जाने वाली बिड सिक्यूरिटी एवं निविदा प्रपत्र मूल्य के आनलाईन भुगतान न किये जाने पर पोर्टल पर अग्रेतर कार्यवाही नहीं हो सकेगी। निविदा प्रपत्र में निर्धारित तकनीकी विशिष्टियों/शर्तो में कोई विचलन/परिवर्तन मान्य नहीं होगा। एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। निविदा हेतु कार्य एवं अन्य विवरण निम्नानुसार है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित (रु0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	3	4	5	6	7	8
1.	Providing and Fixing on foundation and testing on full load of Transformer 630KVA with cable connection for incoming/outgoing including 33KV Cable jointing kit connection with Cable jointing kit Complete in all respect. rate including all material with cost, labour and t&p required at site for proper Completion of work at Fatehganj East Pump Canal District Bareilly.	15.11 + जी0एस0टी0 अतिरिक्त	0.31	21 दिवस	300+ 18% जी0एस0टी0+ स्टेशनरी चार्ज 2000.00	''ए'' अथवा उच्च श्रेणी ''यॉंत्रिक''

Table 02

(क)	वेबसाइट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि एवं समय	दिनांक 08.01.2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 28.01.2026 को अपरान्ह 16:00 बजे तक
(ख)	बिड प्रस्तुत/अपलोड करने की अवधि जिसके साथ निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर धनराशि/इन्डस्ट्रीज रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, धरोहर धनराशि में छूट हेतु एवं अन्य आवश्यक प्रपत्र पी0डी0एफ/एक्स.एल.एस फार्मेट में।	दिनांक 08.01.2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 28.01.2026 को अपरान्ह 16:00 बजे तक
(ग)	प्री–बिड मीटिंग की तिथि एवं समय	–
(घ)	निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर धनराशि मूलरूप एवं अन्य वांछित अभिलेख सम्बन्धित कार्यालय में जमा करने की निर्धारित तिथि एवं समय।	दिनांक 28.01.2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे
(ड)	आनलाईन तकनीकी भाग खोले जाने की तिथि एवं समय।	दिनांक 29.01.2025 को पूर्वान्ह 13:00 बजे
(च)	आनलाईन वित्तीय भाग खोले जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 30.01.2025 को पूर्वान्ह 13:00 बजे
(छ)	प्री बिड़ मीटिंग एवं बिड खोले जाने का स्थान	कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड द्वितीय बरेली।

नोट–
1. निविदा सूचना विभाग की वेबसाइट (http://information.up.nic.in)एवं सिंचाई विभाग की वेबसाइट (http://idup.gov.in) पर उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र ई–प्रोक्योरमेन्ट वेबसाइट (http://etender.up.nic.in) से डाउनलोड किये जा सकते है।
2. ई–निविदा में कोई भी संशोधन होने पर ई–टेण्डर वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ–साथ नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया जायेग।
3. अवकाश होने की दशा में यह निविदा अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी।

UP – 243564 **दिनांक:** 05/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड–द्वितीय बरेली।

बीडीए ने नक्शा पास न कराने पर ऑटो शोरूम किया सील

- **बिना अनुमति 1520 वर्गमीटर में हॉल और शोरूम बनाया, परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के रोड नंबर दो का मामला**

कार्यालय संवाददाता, सीबीगंज

अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने बिना नक्शा पास कराए किए गए अवैध निर्माण पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सीबीगंज में ऑटो शोरूम को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान शोरूम में कार्यरत सभी कर्मचारियों को बाहर निकालकर गेटों पर सील लगा दी गई। अधिकारियों के मुताबिक 30 दिसंबर को शोरूम संचालक अल्पित अग्रवाल को नोटिस जारी कर संशोधित शमन मानचित्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, इसका पालन नहीं करने पर कार्रवाई की गई है

परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के रोड नंबर दो पर अल्पित अग्रवाल का कार का शोरूम है। बीडीए के मुताबिक शोरूम के लगभग 1520 वर्गमीटर क्षेत्रफल में निर्मित भूतल एवं प्रथम तल पर बड़े-बड़े हॉल और शोरूम प्राधिकरण से नक्शा पास कराए बिना बनाए गए थे। जांच में यह निर्माण उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 के अंतर्गत अनधिकृत पाया गया। इस पर प्रवर्तन की कार्रवाई करते हुए शोरूम को सील किया गया। इधर, बीडीए की इस कार्रवाई से शोरूम में काम कर रहे कर्मचारियों में खलबली मच गई।

बीडीए ने यह कार्रवाई विशेष कार्याधिकारी अजीत कुमार के नेतृत्व में की। मौके पर सहायक अभियंता धर्मवीर सिंह, अवर अभियंता संदीप कुमार, सीताराम, अजीत कुमार साहनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उधर, शोरूम के एमडी अर्पित अग्रवाल से इस मामले में पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. ए. मनिकंडन ने साफ कहा कि अवैध निर्माणों की जांच लगातार चल रही है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी।

युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं मंगलवार से शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में प्रारंभ हो गईं।

परीक्षाओं के पहले दिन तृतीय पाली में बीए संस्कृत एवं अंग्रेज़ी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा सम्पन्न हुई। इस दौरान कुल 406 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 396 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में सहभागिता की, जबकि 10 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा को नकलविहीन संपन्न कराने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों की सघन तलाशी ली। परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा एवं अनुशासन के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

कॉलेज में कक्षाओं में प्रवेश से पहले लाइनों में लगे परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

- **सघन तलाशी के बाद परीक्षा कक्षों में दिया प्रवेश**

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल ने बताया कि शासन एवं विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी, अनुशासित एवं नकल-विहीन परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए महाविद्यालय पूर्णतः प्रतिबद्ध है। परीक्षा की अनुशासन व्यवस्था एवं निगरानी हेतु चीफ प्रॉक्टर प्रो. सुभाष चन्द्रा के नेतृत्व में प्रो. ज्योति पंत, डॉ. अमित सिंह, धर्म नारायण एवं सौरभ वर्मा को सचल दल सदस्य के रूप में तैनात किया गया है, जो परीक्षा केंद्र पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

अजय कुमार शुक्ला बने प्रमुख सचिव सहकारिता

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने आईएएस अधिकारी अजय कुमार शुक्ला को एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग का प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया है। वर्ष 2001 बैच के आइएएस अधिकारी अजय कुमार शुक्ला को इससे पूर्व जल निगम (शहरी) के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया था। वह नगर विकास विभाग के सचिव और अमृत योजना के राज्य मिशन निदेशक भी रह चुके हैं। 1 जनवरी 2026 को ही उन्हें पदोन्नत कर प्रमुख सचिव बनाया गया है।

पेयजल परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में अमृत 2.0 योजनान्तर्गत 16वीं राज्य स्तरीय उच्चाधिकार संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 186172.22 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाली 33 पेयजल परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इनमें 42749.09 लाख रुपये अनुमानित लागत वाली 05 परियोजनाएं, 62329.37 लाख रुपये अनुमानित लागत वाली 11 परियोजनाएं और 81093.76 लाख रुपये अनुमानित लागत वाली 17 परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से 2,87,801 गृह संयोजन करने के लिए नए नलकूपों का निर्माण, रिबोर नलकूपों का कार्य, पूर्व निर्मित उच्च जलाशयों की मरम्मत, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, पंप हाउस तथा संबंधित कार्य कराए जाएंगे।

दो निजी अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस जारी

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में अनियमितता का मामला सामने आया है। जांच में पाया गया कि कुछ सूचीबद्ध निजी अस्पताल पात्र लाभार्थियों को योजना के अंतर्गत उपचार देने से इनकार कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच और समीक्षा के बाद स्टेट हेल्थ एजेंसी, उत्तर प्रदेश ने गौतम बुद्ध नगर स्थित सुरभि हॉस्पिटल और गाजियाबाद स्थित जीवन ज्योति हॉस्पिटल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

विकास के लिए 1098.02 लाख मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : राज सरकार ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने और किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कृषि क्षेत्र की क्षमता, कौशल विकास और उत्पादन वृद्धि की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए कुल 383.00 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस धनराशि का उपयोग मुख्य रूप से कृषि परियोजनाओं के अनुरक्षण और कंप्यूटर हार्डवेयर की खरीद के लिए किया जाएगा, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली में आधुनिकता और कुशलता आएगी। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवीन अवस्थापनाओं और परिसंपत्तियों के विकास को गति देने के लिए सरकार ने 1098.02 लाख रुपये (दस करोड़ अट्ठानवे लाख दो हजार मात्र) की राशि स्वीकृत की है। इस बजट के माध्यम से प्रदेश में कृषि विभाग की विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा, जिससे ग्रामीण स्तर पर कृषि संबंधी आधारभूत ढांचे का विस्तार होगा। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने किसानों को अनावश्यक आर्थिक बोझ से बचाने के लिए एक कड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश में यूरिया आपूर्ति करने वाली संस्थाओं द्वारा अनुदानित उर्वरकों के साथ गैर-अनुदानित उत्पादों (टैगिंग उत्पादों) की जबरन बिक्री पर रोक लगा दी गई है।

सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग अनिवार्य : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी ने की मिशन कर्मयोगी की प्रगति व कार्ययोजना की समीक्षा
- आईगॉट पोर्टल पर पाठ्यक्रम अपलोड करने के निर्देश
- प्रमोशन और एसीआर से भी जोड़ा जाएगा कार्यक्रम

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम अनिवार्य किया जाएगा। सात दिवसीय प्रशिक्षण को चरणबद्ध तरीके से लागू करते हुए इसे आगे चलकर प्रमोशन और एसीआर से भी जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंगलवार को 'मिशन कर्मयोगी' के अंतर्गत राज्य में अब तक हुई प्रगति और आगामी कार्ययोजना की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की चेयरपर्सन एस. राधा चौहान ने प्रदेश में मिशन कर्मयोगी के क्रियान्वयन की स्थिति और आगे की कार्ययोजना प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मिशन कर्मयोगी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिवर्तनकारी पहल है, जिसका उद्देश्य वैश्विक दृष्टिकोण के साथ भारतीय लोकाचार में निहित मूल्यों को आत्मसात करते हुए सक्षम, संवेदनशील और परिणामोन्मुख मानव संसाधन तैयार करना है। यह पहल शासन व्यवस्था को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप ढालने में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार कर आईगॉट पोर्टल पर अपलोड करें। उपाम सहित सभी प्रशिक्षण केंद्रों में समयानुकूल कैपेसिटी बिल्डिंग कोर्स विकसित किए जाएं। उन्होंने पाठ्यक्रमों में एआई और साइबर सिक्योरिटी को अनिवार्य रूप से शामिल करने, 'अमृत ज्ञान कोश' पर प्रदेश की श्रेष्ठ केस स्टडीज अपलोड करने और प्रशिक्षण की गुणवत्ता, नियमित मूल्यांकन व व्यावहारिक उपयोगिता पर विशेष ध्यान देने को कहा।

अपने सरकारी आवास पर मिशन कर्मयोगी की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

यूपी आईगॉट क्रियान्वयन देश का अग्रणी राज्य

- बैठक में यह भी बताया गया कि आईगॉट कर्मयोगी के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। प्रदेश से 18.8 लाख से अधिक कार्मिक प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं, जो वर्ष 2025 में देशभर की कुल ऑनबोर्डिंग का 93 प्रतिशत है। वहीं, 10 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं ने कम से कम एक पाठ्यक्रम पूरा किया है और 72 लाख से अधिक पाठ्यक्रम पूर्ण हुए हैं, जो वर्ष 2025 की देशव्यापी कुल पूर्णताओं का 99 प्रतिशत है।

फील्ड कर्मियों पर विशेष फोकस

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एएनएम, आशा कार्यकर्ता, पुलिस कांस्टेबल, पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकायों से जुड़े फील्ड कर्मियों के लिए व्यवहारिक, कार्य-आधारित और जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जाए, ताकि जमीनी स्तर पर सेवाओं की संवेदनशीलता और प्रभावशीलता में निरंतर सुधार हो सके।

3 करोड़ कार्मिकों को जोड़ने का लक्ष्य

- मुख्यमंत्री को बताया गया कि मिशन कर्मयोगी के तहत केंद्र में 30 लाख से अधिक सिविल सेवकों, राज्यों में लगभग 2.2 करोड़ कार्मिकों तथा शहरी स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में लगभग 50 लाख कार्मिकों को क्षमता संवर्धन से जोड़ने का लक्ष्य है। देशभर के 790 से अधिक सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों को सुदृढ़ किया जा रहा है। आईगॉट प्लेटफॉर्म पर अब तक 1.45 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं। यहां 4,179 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

पारिवारिक विवादों में आएगी बड़ी कमी

पैतृक संपत्ति के बंटवारे की रजिस्ट्री अब सिर्फ 10 हजार रुपये में होगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैबिनेट के निर्णय

- तीन पीढ़ियों से अधिक वंशजों में पैतृक अचल संपत्ति का होगा आसान विभाजन
- किराया रजिस्ट्रेशन पर 90 प्रतिशत तक शुल्क में कटौती
- आम नागरिक आसानी से करा सकेंगे रेंट एग्रीमेंट का पंजीकरण

ये बड़े फायदे

- मकान मालिक और किरायेदार आसानी से रेंट एग्रीमेंट पंजीकृत करा पाएंगे
- पारदर्शिता बढ़ेगी और कानूनी सुरक्षा मजबूत होगी
- संपत्ति विवादों में कमी आएगी
- अवैध और कच्चे समझौतों पर रोक लगेगी

अमृत विचार: राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश में आम जनता को बड़ी राहत देते हुए पैतृक संपत्ति के बंटवारे और किराया रजिस्ट्रेशन से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इस फैसले से जहां पारिवारिक विवादों में कमी आएगी, वहीं किरायेदारों और मकान मालिकों दोनों को सीधा लाभ मिलेगा।

निर्णय के तहत अब पैतृक संपत्ति के बंटवारे के लिए मात्र 10,000 रुपये में रजिस्ट्री कराई जा सकेगी। इसमें 5,000 रुपये स्टांप ड्यूटी और 5,000 रुपये निबंधन शुल्क शामिल होंगे। यह व्यवस्था तीन पीढ़ियों से अधिक पारंपरिक वंशजों के बीच लागू होगी। बंटवारा केवल पैतृक अचल संपत्ति का ही किया जाएगा, जिसमें कृषि, आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियां शामिल हैं। संपत्ति का विभाजन उत्तराधिकार कानून के तहत प्राप्त हिस्से के अनुपात में किया जाएगा।

दूसरी तरफ, सरकार ने किराया रजिस्ट्रेशन को भी बेहद आसान और सस्ता बना दिया है। अब स्टांप ड्यूटी और निबंधन शुल्क में 90 प्रतिशत तक की कमी की गई है। नई दरों के अनुसार अलग-अलग किराया अवधि और वार्षिक किराया श्रेणियों में पहले की तुलना में शुल्क में भारी गिरावट आई है, जिससे आम नागरिक आसानी से रेंट एग्रीमेंट का पंजीकरण करा सकेंगे।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते मंत्री सुरेश खन्ना, नंदी और अन्य।

खेल विभाग में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारियों की भर्ती

- कैबिनेट ने खेल विभाग में क्षेत्रीय अधिकारी के रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया में संशोधन को भी मंजूरी दी। विभाग में कुल 18 पद स्वीकृत हैं। पहले व्यवस्था थी कि 50 प्रतिशत पद पदोन्नति से और 50 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों से भरे जाएंगे। अब मंत्रिपरिषद के निर्णय के अनुसार दो-तिहाई (12 पद) पदोन्नति से और एक-तिहाई (6 पद) अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों (ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स) से भरे जाएंगे। इससे अनुभवी अधिकारियों और उत्कृष्ट खिलाड़ियों दोनों को अवसर मिलेगा।

कानपुर में 37वीं वाहिनी पीएसी के पुराने भवन ध्वस्त होंगे

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में कैबिनेट ने 37वीं वाहिनी पीएसी, कानपुर के पुराने और जर्जर आवासीय भवनों को ध्वस्त करने की अनुमति दी गई। ध्वस्तीकरण के बाद वहां टाइप-वन स्पेशल के 108 नए आवास बनाए जाएंगे, जिससे पीएसी जवानों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकेंगी।

पीलीभीत में नया बस स्टेशन

- टनकपुर रोड पर मुख्यालय के पास एक नवीनतम बस स्टेशन की स्थापना को मंजूरी दी गई है। यह बस स्टेशन राजस्व विभाग की 1.317 हेक्टेयर (लगभग 7,000 वर्गमीटर) भूमि पर बनाया जाएगा, जिसे राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को 30 वर्षों की लीज पर देने का निर्णय लिया है, जिसे 90 वर्ष तक के लिए बढ़ाया जा सकेगा। नए बस स्टेशन के निर्माण से उत्तराखंड और नेपाल जाने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि बस स्टेशन का निर्माण कार्य दो वर्षों के भीतर पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

दो उप निबंधक कार्यालय भवनों को भूमि आवंटन को मंजूरी

- कैबिनेट की बैठक में स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग से जुड़े दो अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इसके तहत कैबिनेट ने जनपद कुशीनगर की तहसील कप्तानगंज में उप निबंधक कार्यालय भवन के निर्माण हेतु ग्राम बसहिया उर्फ कप्तानगंज स्थित तहसील परिसर की भूमि में से 0.0920 हेक्टेयर (920 वर्गमीटर) भूमि को स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के पक्ष में नि:शुल्क हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। वर्तमान में उप निबंधक कार्यालय जीर्ण-शीर्ण भवन में संचालित है, जिसे ध्वस्त कर नए भवन का निर्माण किया जाएगा।

वाराणसी में बनेगा 500 बेड का मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

- कैबिनेट ने शिव प्रसाद गुप्ता एसएसपीजी मंडलीय जिला चिकित्सालय, वाराणसी परिसर में पहले से मौजूद 11 जर्जर और निष्प्रयोज्य भवनों को ध्वस्त कर 500 शैय्या वाला मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाए जाने को मंजूरी दे दी है। यह अस्पताल 315 करोड़ 48 लाख रु. की लागत से बनाया जाएगा और इसका निर्माण कार्य चार वर्षों में पूरा किया जाएगा। इस परियोजना में 60 प्रतिशत धनराशि केंद्र सरकार (लगभग 189 करोड़ रु.) और 40 प्रतिशत राज्य सरकार (लगभग 126 करोड़ रु.) द्वारा वहन की जाएगी। इस निर्णय से पूर्वांचल के मरीजों को अत्याधुनिक और उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कैबिनेट ने नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात के वाराणसी में ऑफ-कैंपस की स्थापना के लिए 50 एकड़ भूमि नि:शुल्क उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। यह भूमि तहसील राजा तालाब, जनपद वाराणसी क्षेत्र में स्थित है, जिसे पशुधन विभाग से 99 वर्षों की लीज पर विश्वविद्यालय को दी जाएगी। इस कैंपस के खुलने से फॉरेंसिक साइंस, साइबर क्राइम और आपराधिक जांच के क्षेत्र में प्रदेश को बड़ी शैक्षणिक और तकनीकी मजबूती मिलेगी।

प्रदेश में निवेशकर्ताओं को मिलेंगी बंपर सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सेमीकंडक्टर इकाई

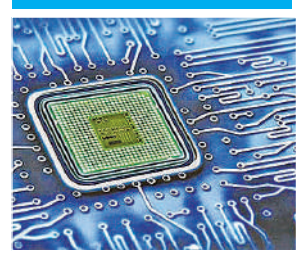

- ब्याज सब्सिडी, कर्मचारी लागत प्रतिपूर्ति, 10 वर्षों तक नेट एसजीएसटी में मिलेगी छूट
- यूपी के मूल निवासियों के लिए 100 प्रतिशत ईपीएफ प्रतिपूर्ति
- 10 वर्षों तक प्रति यूनिट 2 रु. बिजली बिल में मिलेगी राहत

अमृत विचार : मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार ने जनवरी 2024 में लाई गई सेमीकंडक्टर नीति के तहत बड़े निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से 3,000 करोड़ रु. या उससे अधिक के निवेश पर विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। सुरेश खन्ना ने बैठक के बाद बताया कि अमेरिका, यूरोप, जापान और ताइवान जैसे देशों में सेमीकंडक्टर का निर्माण बड़े पैमाने पर हो रहा है।

इसी क्रम में भारत और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश को इस उभरते उद्योग का बड़ा केंद्र बनाने के लिए योगी सरकार ने केस-टू-केस आधार पर प्रोत्साहन देने की स्वीकृति दी है। उन्होंने बताया, इसके तहत सेमीकंडक्टर इकाइयों को ब्याज सब्सिडी, कर्मचारी लागत प्रतिपूर्ति, 10 वर्षों तक नेट एसजीएसटी में छूट, यूपी के मूल निवासियों के लिए 100 प्रतिशत ईपीएफ प्रतिपूर्ति (अधिकतम 2,000 रु. प्रतिमाह), जल मूल्य में छूट और 10 वर्षों तक प्रति यूनिट 2 रु. बिजली बिल में छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के अवसर सृजित करना है।

ग्लोबल सर्विस हब बनेगा प्रदेश

- उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति-2024 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नियमावली-2025 को मंजूरी दी गई। इस नियमावली के लागू होने से प्रदेश को वैश्विक निवेश, उच्च स्तरीय सेवाओं और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में नई गति मिलेगी। इसके लिए इन्वेस्ट यूपी को नोडल एजेंसी नामित किया गया है। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि प्रदेश में निवेश का माहौल बेहतर हुआ है, जिसके चलते निवेश करने के लिए उद्योग घराने और मल्टीनेशनल कंपनियां हमारे संपर्क में हैं। जीसीसी नीति हमारे लिए बहुत लाभप्रद है और आज हम इसकी एसओपी लेकर आए हैं। यूपी में जीसीसी के निवेश में लगातार वृद्धि हो रही है। 21 कंपनियों ने इसमें निवेश शुरु कर दिया है।

यूपी के विस चुनाव पर लोकतंत्र का दारोमदार : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी मंत्रिमंडल के विस्तार की संभावनाओं के बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा जनता को धोखा देने के लिए मंत्रिमंडल विस्तार करेगी।

इसी क्रम में उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं को बूथ पर काम करना है। यूपी के विधानसभा चुनाव पर लोकतंत्र का दारोमदार है। भाजपा के षड्यंत्र को विफल करना है। जनता 2027 में भाजपा को हटाने का निश्चय कर चुकी है। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर में निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा है। भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। हर मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़वायें। पार्टी के सभी लोग बूथ पर मजबूती से जुटे। सपा प्रमुख ने कहा कि 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करनी है। सबको सम्मान और न्याय मिलेगा। प्रदेश का विकास होगा। समाजवादी सरकार में गोमती रिवरफ्रंट पर महाराजा बिजली पासी की सोने की प्रतिमा लगाई जाएगी।

सपा मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते अखिलेश यादव।

कृषि निर्यात बढ़ाएगा 'इंडस फूड एक्सपो-2026'

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 8 से 10 जनवरी को ग्रेटर नोएडा में आयोजन, तैयारी तेज
- 25 देशों के सामने प्रदर्शित किए जाएंगे यूपी के उत्पाद

अमृत विचार : 8 से 10 जनवरी को इंडियन एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित ''इंडस फूड एक्सपो-2026'' में उत्तर प्रदेश भी प्रतिभाग करेगा। इस आयोजन में शामिल होने वाले 25 देशों के समक्ष कृषि उत्पाद और उससे बने खाद्य पदार्थ प्रदर्शित करके निर्यात बढ़ाया जाएगा। कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार निदेशालय ने कार्यक्रम की तैयारी तेज कर दी है।

इस कार्यक्रम में निर्यातक और एफपीओ द्वारा उत्तर प्रदेश के फल, सब्जी, बासमती और सामान्य चावल समेत कई उत्पाद और इनसे बने खाद्य पदार्थ स्टॉलों पर प्रदर्शित करेंगे। कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार निदेशालय ने प्रतिभाग करने के लिए लखनऊ, बुलंदशहर, नोएडा और अयोध्या से छह निर्यातक और एफपीओ चयनित किए हैं। जिन्हें 25 देशों के सामने अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस आयोजन में क्रेता-विक्रेता आपस में सीधे अपने उत्पादों की खासियत, पहचान, दाम आदि बताएंगे और समन्वयक बनाकर सीधे आर्डर लेंगे। इससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। विभाग को कार्यक्रम स्थल में एक हजार वर्ग फिट का पवेलियन मिला है। इसमें फल, सब्जी व अन्य उत्पादों के स्टॉल, वाल प्रचार, जीआई गैलरी आदि बनाई जाएगी।

महिला आयोग | न्याय, सहानुभूति और संवाद के माध्यम बनी पारिवारिक विवाद निवारण क्लिनिक

वैवाहिक विवादों को दंडात्मक कार्रवाई के बजाय परामर्श से सुलझाना होगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबिता सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित पारिवारिक विवाद निवारण क्लिनिक को महिलाओं, बच्चों एवं परिवार की गरिमा और अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय, जन-केंद्रित और दूरदर्शी पहल बताया है।

बबिता सिंह चौहान ने कहा कि इसका मूल उद्देश्य पारिवारिक कलह, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न एवं वैवाहिक विवादों को दंडात्मक कार्रवाई के बजाय संवेदनशील परामर्श, मध्यस्थता और आपसी संवाद के माध्यम से सुलझाना है, ताकि पीड़ितों को लंबी कानूनी प्रक्रिया, सामाजिक कलंक और मानसिक उत्पीड़न से बचाया जा सके। यह पहल कानून और करुणा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए न्याय को अधिक मानवीय बनाती है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) पुलिस और शारदा विश्वविद्यालय के मध्य हुए एमओयू से प्रारंभ यह प्रयोगात्मक पहल आज एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभर कर सामने आई है। 10 जुलाई 2020 को औपचारिक रूप से उद्घाटित इस क्लिनिक ने पारिवारिक विवादों के समाधान का एक ऐसा वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत किया है, जिससे न्यायालयों और पुलिस तंत्र पर बढ़ते बोझ में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबिता सिंह चौहान।

पंचायती राज विभाग के कैलेंडर में दिखेगा महिला सशक्तिकरण

- **अमृत विचार, लखनऊ :** महिलाओं के सशक्तिकरण और ग्राम पंचायतों में उनकी वास्तविक एवं सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण पर आधारित विशेष कैलेंडर जारी किया गया है। यह कैलेंडर केवल तिथियों का संकलन नहीं, बल्कि पंचायतों में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करने का एक प्रभावी माध्यम है। कैलेंडर के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि ग्राम पंचायतों में महिलाएं केवल नाम की प्रधान या प्रतिनिधि न रहें, बल्कि विकास कार्यों और निर्णय प्रक्रिया में उनकी सार्थक भागीदारी सुनिश्चित हो। यह पहल महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका निभाने, अपनी बात मजबूती से रखने और पंचायत संचालन में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। यह कैलेंडर ग्राम पंचायतों, पंचायत भवनों एवं विभागीय कार्यालयों में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों में महिलाओं की सहभागिता को लेकर सकारात्मक सोच विकसित हो सके। पंचायती राज विभाग का यह प्रयास ग्रामीण स्तर पर महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें निर्णय प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पंचायती राज विभाग का कैलेंडर जारी करते कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर।

जब पंचायतों में महिलाएं सशक्त होंगी और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएंगी, तभी गांवों का समग्र विकास संभव होगा। यह कैलेंडर महिला हितैषी सोच को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

-ओमप्रकाश राजभर, पंचायती राज मंत्री

हाईटेक और नागरिक केंद्रित होंगी प्रदेश की तहसीलें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जून तक सर्वे और विस्तृत फ्रेमवर्क का काम होगा पूरा
- तहसीलें होंगी मॉडल प्रशासनिक केंद्र, थमेगा भ्रष्टाचार

अमृत विचार: प्रदेश सरकार राजस्व प्रशासन को अत्याधुनिक, डिजिटल और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश भर में फ्यूचर रेडी तहसीलों का निर्माण किया जाएगा। इसका उद्देश्य तहसील स्तर पर नागरिकों को तेज, भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी और तकनीक-आधारित राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराना है।

फ्यूचर रेडी तहसीलें उत्तर प्रदेश में डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस के माध्यम से प्रशासनिक क्रांति लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं, जो नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत करने के साथ राज्य के समग्र विकास को नई रफ्तार देंगी। इन तहसीलों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-फाइलिंग सिस्टम, ऑनलाइन रिकॉर्ड मैनेजमेंट और स्मार्ट वर्कस्पेस जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके लिए सभी तहसीलों का सर्वे और विस्तृत फ्रेमवर्क तैयार करने का कार्य चल रहा है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने की समय सीमा तय की गई है। भूमि अभिलेख, नामांतरण, प्रमाण-पत्र जारी करना, विवाद निपटारा और अन्य राजस्व सेवाएं पूरी तरह ऑनलाइन की जाएंगी। नागरिकों को बार-बार तहसील कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और घर बैठे सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी।

अमृत विचार

बुधवार, 7 जनवरी 2026

देशभक्ति मूल रूप से यह विश्वास है कि एक विशेष देश, दुनिया का सबसे अच्छा देश है, क्योंकि आप उसमें पैदा हुए हैं।

–जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, आइरिश विचारक

यह हिंसा कैसे रुकेगी

बीते 19 दिनों में बांग्लादेश में छह हिंदुओं की हत्या, व्यापक हिंसक दुर्व्यवहार और संगठित अपराध की घटनाएं भारत के लिए सीमापार में मानवीय संकट तो है ही, उसके लिए यह सीधी चुनौती है। इससे सीमा पार अप्रवासन, सांप्रदायिक तनाव और कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है। धर्म निरपेक्ष कहलवाने वाले बांग्लादेश के लिए भी यह उसकी लोकतांत्रिक, अंतर्राष्ट्रीय बहुलतावादी साख की गंभीर परीक्षा है। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा किसी भी आधुनिक राज्य की बुनियादी जिम्मेदारी होती है। इसमें चूक पड़ोसियों की सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय भरोसे को डगमगाती है। चुनावी मौसम में हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा की तेज़ी के पीछे कई वजहें हैं, जैसे चुनावी ध्रुवीकरण, कट्टरपंथी नेटवर्कों का उभार, दंडहीनता की संस्कृति और प्रशासनिक शिथिलता। स्थानीय नेता, कारोबारी, अधिकारी, पत्रकार, छात्र और महिलाएं, हर वर्ग के हिंदुओं का हिंसा की चपेट में आना बताता है कि समस्या केवल धार्मिक नहीं, गहरे राजनीतिक उपयोग से भी जुड़ी है।

पहचान को 'वोट-ब्लॉक' या 'विरोधी खेमे' के रूप में चिन्हित कर भय का वातावरण बनाना आसान हो जाता है। हिंदुओं पर हिंसा की तेजी से वृद्धि के पीछे राजनीतिक अस्थिरता प्रमुख है। यह घृणा धार्मिक दिखती है, मगर जड़ें राजनीतिक हैं। नफरत का बीज जेहादी संगठनों और कट्टर राजनीति ने बोया है, जिसे सरकारें अनदेखा करती रहीं। अल्पसंख्यकों को वोट बैंक के रूप में कुचलना और हिंदुओं को राजनीति की मुख्यधारा से बाहर रखना, उनकी आवाज को मंच न देकर दबा देना प्रछन्न नीति रही है। चुनावों में सुरक्षा बढ़ती है, ऐसी घटनाएं बताती हैं कि या तो व्यवस्था की इच्छाशक्ति कमजोर है या चरमपंथी दबावों के आगे वह झुक रहा है। यह इशारा करता है कि हिंसा राज्य प्रायोजित हिंसा है। यहां पहले भी ऐसी हिंसा होती रही है। 2001 के चुनाव बाद हिंदुओं पर व्यापक अत्याचार हुए, तब भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया था। उसने राजनयिक दबाव बनाया, आर्थिक सहायता रोकी। 2024 में शेख हसीना के इस्तीफे के बाद 4 से 20 अगस्त तक 2010 से अधिक हमले हुए। मंदिर जलाए गए, घर लूटे गए। पर कूटनीतिक दबाव, सार्वजनिक-निजी संवाद और सीमा-स्तरीय सहयोग के जरिए मात्र चिंता जताई गई। उतनी कड़ाई नहीं बरती गई, जितना बरतना चाहिए था। सरकार के कदम अपर्याप्त प्रयासों के चलते त्वरित अभियोजन और संरचनात्मक सुधार नहीं हो सके।

कुछ हफ्ते पहले संघ प्रमुख ने कहा था, एकमात्र हिंदू बहुल देश भारत को सीमाओं में रहकर बांग्लादेश के हिंदुओं की अधिकतम मदद करनी चाहिए, जिसका आशय था बांग्लादेश पर दबाव, बहुपक्षीय मंचों पर मुद्दा उठाना, मानवीय सहायता और शरण-संबंधी संवेदनशीलता, लेकिन इस आह्वान के बाद फिलहाल इस ओर कोई ठोस कदम नहीं दिखा। न आश्रय, न वैश्विक मंच पर मुखरता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद जो पहली घटना के बाद वैश्विक अभियान चलाने की बात कह रहे थी, उनकी भूमिका जनमत-संगठन, राहत और अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता तक ही सीमित रह सकती है। वे विदेश नीति का स्थानापन्न नहीं बन सकते।

प्रसंगवश

आवाजें बहुत हैं लेकिन सुनने वाले बहुत कम

हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हमारे चारों ओर आवाज़ें बहुत हैं, मगर सुनने वाले बहुत कम लोग है। ये शोर हर जगह है- परिवारों में, दफ्तरों में, सड़कों पर, सोशल मीडिया आदि। हम लगातार कुछ न कुछ कह रहे होते हैं, लेकिन आपाधापी में किसी और की बात सच में सुनने का धैर्य खो चुके होते हैं। यानी हम सबके पास समय का अभाव है।

हाल के वर्षों में हुए कुछ मनोवैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययनों ने इस चिंता को वैज्ञानिक रूप से भी रेखांकित किया है। येल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बताया कि मानव मस्तिष्क में 'सुनने' की प्रक्रिया केवल ध्वनि ग्रहण करने की क्रिया नहीं है, बल्कि इसमें जटिल मानसिक और भावनात्मक प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। ध्यान, सहानुभूति और अर्थ-निर्माण। यह दर्शाता है कि जब हमारा ध्यान बंटा हुआ हो या मन थका हुआ हो, तो हम भले ही आवाज़ सुन लें, अर्थ नहीं पकड़ पाते हैं।

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

वहीं एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि सक्रिय सुनने का अभ्यास यानी जब कोई व्यक्ति सचेत रूप से सामने वाले के भावों, शब्दों और मौन को ग्रहण करता है, संवाद की गुणवत्ता को गहराई से प्रभावित करता है। दिलचस्प बात यह है कि यह 'सुनने की क्षमता' कोई जन्मजात गुण नहीं, एक सीखी जाने वाली दक्षता है। यानी अगर हम चाहें, तो सुनने का कौशल दोबारा सीख सकते हैं।

आपने शायद गौर किया होगा, जब कोई बच्चा गुस्से में खिलौना फेंक देता है, कोई दोस्त अचानक चुप हो जाता है, या कोई सहकर्मी मीटिंग में बेरुखा बैठा रहता है, तो हम अक्सर जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकाल लेते हैं: 'वह गुस्सैल है', 'वह अभिमानी है', या 'उससे बात करना ही बेकार है', लेकिन क्या हमने कभी ठहरकर यह सोचा कि उसके भीतर उस क्षण क्या चल रहा था? शायद उसने अपनी बात कई बार कहने की कोशिश की होगी, पर कोई सच में सुनने वाला नहीं था। जब हम किसी को ध्यान से सुनते हैं, तो हम उसके लिए भीतर जगह बनाते हैं उसकी तकलीफ़, उलझन या अनुभव के लिए। यही जगह आगे चलकर भरोसे में बदलती है। एक हालिया अध्ययन में यह भी पाया गया कि जब लोगों को 'गुणवत्तापूर्ण रूप से सुना जाता है, तो न केवल बोलने वाला बल्कि श्रोता भी भावनात्मक रूप से संतुलित महसूस करता है। यानी सुनना सिर्फ़ सामने वाले के लिए नहीं, अपने भीतर शांति पैदा करने की क्रिया भी है। घर में जब बच्चे की बात सुनी जाती है, तो वह खुलकर अपनी राय रखता है। दफ्तर में किसी सहयोगी की राय को ध्यान से सुना जाए, तो वह अपने काम के प्रति ज़िम्मेदारी महसूस करता है।

अपने समाज में संवाद अक्सर 'बोलने' के इर्द-गिर्द घूमता है। वक्ता की काबिलियत को सराहा जाता है, श्रोता की सजगता को नहीं। पर असल में समाज में समझ और परिवर्तन की शुरुआत सुनने से होती है। 2024 के एक शोध में यह पाया गया कि 'सुनने का अभिनय' जैसे सिर हिलाना, बीच में हां-हां करना संवाद को ऊपर-ऊपर जोड़ता है, लेकिन भीतर से अलगाव बढ़ाता है। असली सुनना तब होता है जब हम बिना निर्णय के, पूरे ध्यान से, सामने वाले की स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं।

हम ऐसे समाज में बड़े हुए हैं, जहां गलती को शर्म या दंड से जोड़ा जाता है। कोई व्यक्ति देर से पहुंचा और हमने झुंझलाकर कहा 'तुम हमेशा ऐसे ही करते हो!' जबकि वह कह सकता था 'आज रास्ते में किसी को मदद करनी पड़ी।' हमारी अधीरता ने उस संवाद का दरवाज़ा बंद कर दिया।

तेल के खेल में मादुरो महज बहाना

प्रो. आरके जैन

शिक्षाविद्

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी अमेरिकी हिरासत में हैं। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वेनेजुएला अब अमेरिका के नियंत्रण में होगा। यह कदम मात्र सैन्य हस्तक्षेप नहीं, बल्कि ऐसा भू-राजनीतिक विस्फोट है, जो तेल कीमतों को हिला सकता है और वैश्विक संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करेगा। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देश में अमेरिकी प्रभाव की यह सीधी स्थापना रूस, चीन और ईरान के लिए खुला संकेत है। यह संकट केवल ऊर्जा बाजारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव को भी चुनौती देगा, जहां पेट्रो डॉलर की शक्ति और ब्रिक्स की आकांक्षाएं आमने-सामने खड़ी हैं।

वेनेजुएला का संकट अचानक नहीं, बल्कि वर्षों की विफल नीतियों का परिणाम है। इसकी नींव ह्यूगो शावेज के दौर में पड़ी, जब तेल आधारित समाजवादी मॉडल को समृद्धि का आधार बनाया गया। समय के साथ भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अक्षमता और आर्थिक कुप्रबंधन ने इस व्यवस्था को खोखला कर दिया। 2014 में वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने संकट को उजागर किया और देश अतिमुद्रास्फीति, खाद्य कमी व स्वास्थ्य आपदा में डूब गया। परिणामस्वरूप लाखों नागरिकों को पलायन करना पड़ा। सत्ता बचाने के लिए निकोलस मादुरो ने रूस, चीन और क्यूबा का सहारा लिया तथा अमेरिकी प्रतिबंधों को चुनौती दी।

इसके जवाब में ट्रंप प्रशासन ने दबाव बढ़ाया। सितंबर 2025 से कैरिबियन क्षेत्र में तस्करी से जुड़े जहाजों पर हमलों ने तनाव तेज कर दिया। अंततः डेल्टा फोर्स और सीआईए के संयुक्त अभियान में मादुरो गिरफ्तार हुए। ट्रंप ने इसे 'नार्को-आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई' बताते हुए वेनेजुएला को 'सुरक्षित संक्रमण' तक ले जाने की बात कही। आलोचकों के अनुसार वास्तविक लक्ष्य विशाल तेल भंडारों पर नियंत्रण है, जो लैटिन अमेरिका में अमेरिकी प्रभुत्व की वापसी और क्षेत्रीय अस्थिरता का संकेत देता है। इस संकट का सबसे तात्कालिक प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ा है। वेनेजुएला फिलहाल वैश्विक आपूर्ति का लगभग एक प्रतिशत, यानी करीब दस लाख बैरल प्रतिदिन तेल उत्पादन करता है, लेकिन उसके भंडार दुनिया में सबसे बड़े हैं। हमले के बाद ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें साठ से इकसठ डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहीं, पर भू-राजनीतिक जोखिम के कारण पांच से दस डॉलर की बढ़ोतरी की आशंका है।

यदि उत्पादन या निर्यात बाधित हुआ, जैसे- बंदरगाहों की नाकेबंदी या बीमा अड़चनें तो भारी कच्चे तेल की कमी से डीजल और परिष्कृत ईंधन महंगे हो सकते हैं। अभी बाजार में आपूर्ति की अधिकता है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार लगभग अड़तीस लाख बैरल प्रतिदिन का सरप्लस मौजूद है, इसलिए तत्काल असर सीमित रहा, लेकिन संघर्ष लंबा चला तो तेल अस्सी से सौ डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति तेज होगी। विशेषज्ञ इसे अल्पकालिक झटका और दीर्घकालिक संतुलन परिवर्तन मानते हैं।

दीर्घकाल में यह संकट तेल कीमतों पर दबाव भी बना सकता है। यदि अमेरिकी प्रतिबंध हटते हैं और शेवरॉन जैसी कंपनियां निवेश करती हैं, तो वेनेजुएला का उत्पादन दो से तीन मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच सकता है। इससे भारी कच्चे तेल की अधिकता होगी और कीमतें पचास से साठ डॉलर के दायरे में सिमट सकती हैं। ट्रंप का कहना है कि अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला के तेल उद्योग को अत्यधिक लाभकारी बनाएंगी, जिससे पेट्रो डॉलर की पकड़ मजबूत होगी, लेकिन यदि गुरिल्ला प्रतिरोध, आंतरिक विद्रोह या रूस-चीन का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप हुआ, तो उत्पादन में दस लाख बैरल की गिरावट कीमतों को तीस से चालीस डॉलर तक उछाल सकती है। इससे रूस और ईरान जैसी तेल-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरा झटका लगेगा। साथ ही यह ब्रिक्स की डी-डॉलराइजेशन रणनीति को कमजोर कर सकता है, जबकि क्षेत्रीय अस्थिरता शिपिंग लागत बढ़ाकर नई चुनौतियां खड़ी करेगी।

वेनेजुएला संकट ने वैश्विक कूटनीति में तनाव की नई सीमाएं खींच दी हैं। रूस और चीन इसे प्रत्यक्ष अमेरिकी हस्तक्षेप मानते हैं। रूस पहले ही सैन्य सहायता दे चुका है, जबकि चीन वेनेजुएला के लगभग अस्सी प्रतिशत तेल निर्यात का आयात करता है। यदि अमेरिका पूर्ण नियंत्रण स्थापित करता है, तो रूस की यूक्रेन युद्ध फंडिंग पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, वहीं ईरान को भी भारी कच्चे तेल के बाजार में नुकसान झेलना पड़ेगा। कुछ विश्लेषक इसे 'रिवर्स क्यूबन मिसाइल क्राइसिस' बता रहे हैं, जहां रूस या चीन लैटिन अमेरिका में सैन्य ठिकाने बनाने का प्रयास कर सकते हैं। क्षेत्रीय स्तर पर कोलंबिया, ब्राजील और निकारागुआ जैसे देशों में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने की आशंका है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भावना के विरुद्ध माना जा रहा है, जिससे वैश्विक कूटनीति कमजोर हो सकती है। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन इसे 'नार्को-टेररिज्म विरोधी कार्रवाई' बताकर वैध ठहराने का प्रयास कर रहा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव गहरा और बहुपक्षीय होगा। तेल कीमतों में उछाल से मुद्रास्फीति बढ़ेगी, जिसका सीधा असर भारत और चीन जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ेगा। भारी कच्चे तेल के बड़े आयातक भारत को विशेष लागत दबाव झेलना पड़ सकता है। इसके विपरीत, कीमतों में गिरावट अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है और शेयर बाजारों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ा सकती है। सुरक्षा दृष्टि से अमेरिका पश्चिमी गोलार्ध में अपनी पकड़ मजबूत करेगा, लेकिन लैटिन अमेरिका में विरोध और असंतोष भी तेज होगा। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इससे पेट्रो डॉलर को अस्थायी संबल मिलेगा, जबकि ब्रिक्स देश वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों की ओर और तेजी से बढ़ेंगे। यदि संघर्ष पनामा नहर तक पहुंचा, तो वैश्विक व्यापार को गहरा झटका लगेगा।

> वेनेजुएला का शासन अब अमेरिका के नियंत्रण में होगा। यह कदम मात्र सैन्य हस्तक्षेप नहीं, बल्कि ऐसा भू-राजनीतिक विस्फोट है, जो वैश्विक संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करेगा।

आमने

भरतपुर की संजना जाटव, चूरू के राहुल कस्वां और झुंझुनूं के बृजेंद्र सिंह ओला ने राजस्थान की जनता का पैसा हरियाणा के कैथल में विकास कार्यों के लिए भेजा है। नियमों के अनुसार सांसद अपने क्षेत्र में प्राथमिकता दें, ये सांसद राजनीतिक हित के लिए निधि का दुरुपयोग कर रहे हैं।

–जवाहर सिंह बेढ़म

गृह राज्य मंत्री, राजस्थान

सामने

नियमों के तहत सांसद निधि की 10 प्रतिशत राशि को किसी भी स्थान पर खर्च करने का अधिकार है। अनुशंसा सही है या नहीं इसका सत्यापन प्रशासनिक अधिकारी ही करते हैं। भुगतान और जांच की जिम्मेदारी जिला कलेक्टर तथा संबंधित अधिकारियों की होती है।

–राहुल कसवां

कांग्रेस सांसद

मानव विकास सूचकांक में सुधार भी जरूरी

प्रो. एचसी पुरोहित

दून विश्वविद्यालय

रिज़र्व बैंक के वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की वित्तीय स्थिति काफ़ी मज़बूत और सुदृढ़ है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। विश्व बैंक, आईएमएफ, मूडीज, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी), फिच और एसएंडपी जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने भी इस आशावादी रुख की पुष्टि की है। आज वैश्विक परिदृश्य पर नज़र डालें तो कई विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाएं बैंकिंग संकट, बढ़ते कर्ज़ के बोझ, मुद्रा अस्थिरता और वित्तीय बाज़ारों में उतार-चढ़ाव से जूझ रही हैं। ऐसे माहौल में भारत की वित्तीय प्रणाली का संतुलित और लचीला बने रहना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रिज़र्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय बैंकों की पूंजी पर्याप्तता, संपत्ति गुणवत्ता और लाभप्रदता में निरंतर सुधार, गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) का स्तर ऐतिहासिक रूप से निचले पायदान पर है, जिससे बैंकिंग तंत्र की मज़बूत सेहत का अनुमान लगाया जा सकता है। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के बैंकों ने जोखिम प्रबंधन, ऋण मूल्यांकन और तकनीकी नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया है। परिणामस्वरूप, ऋण विस्तार संतुलित ढंग से हो रहा है और वित्तीय प्रणाली किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भर नहीं है। साथ ही, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफ़सी) की स्थिति भी पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़ दिखाई देती है, जो नियामकीय सुधारों और संस्थानों की कड़ी निगरानी का प्रतिफल है। भारत की वित्तीय स्थिरता के पीछे रिज़र्व बैंक की सतर्क मौद्रिक नीति और नियामकीय दृष्टिकोण की अहम भूमिका रही है।

समय-समय पर किए गए स्ट्रेस टेस्ट, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और प्रभावी तरलता प्रबंधन ने बाहरी झटकों से अर्थव्यवस्था को बचाने में मदद की है। रेटिंग एजेंसी अर्न्स्ट एंड यंग (EY) की रिपोर्ट के अनुसार, इस आर्थिक विस्तार के साथ भारत की प्रति व्यक्ति आय 2.5 लाख रुपये से बढ़कर लगभग 13.5 लाख रुपये हो सकती है। EY का मानना है कि भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

वैश्विक शक्ति बनना केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि बहुआयामी चुनौतियों का सामना करने की निरंतर प्रक्रिया भी है। इस क्रम में पहली चुनौती, आर्थिक समावेशन और सतत विकास की है। उच्च विकास दर के बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं, रोजगार सृजन की गति, गुणवत्तायुक्त शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, अनौपचारिक क्षेत्र की समस्याएं अब भी चिंता का विषय हैं। वैश्विक शक्ति बनने के लिए केवल जीडीपी वृद्धि पर्याप्त नहीं है। इसके साथ-साथ मानव विकास सूचकांक और प्रसन्नता/खुशहाली सूचकांक में भी सुधार आवश्यक है।

दूसरी, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत को रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए विभिन्न शक्ति केंद्रों—अमेरिका, चीन, रूस और यूरोपीय संघ के साथ संतुलित संबंध रखने होंगे। किसी एक ध्रुव के अत्यधिक प्रभाव में आना भारत के दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों के विपरीत हो सकता है, इसलिए भू-राजनीतिक संतुलन जैसा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान देखा गया आगे भी जारी रखना होगा।

तीसरी, तकनीकी आत्मनिर्भरता और साइबर सुरक्षा आज बड़ी चुनौती है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में आत्मनिर्भरता के बिना वैश्विक शक्ति का दर्जा अधूरा रहेगा। इसके लिए प्रभावी उपाय करने होंगे और डिजिटली प्रशिक्षित समाज का निर्माण ही इसका समाधान है।

भारत के पास युवा आबादी, डिजिटल ताकत, मज़बूत स्टार्टअप इकोसिस्टम, मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और ग्रीन एनर्जी की व्यापक संभावनाएं हैं। इन्हीं कारकों के बल पर देश की अर्थव्यवस्था वर्ष 2047 तक लगभग 26 ट्रिलियन डॉलर (2,314 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच सकती है, जो वर्तमान में लगभग 4.18 ट्रिलियन डॉलर (376 लाख करोड़ रुपये) है। पिछले वर्षों के सुधारों के कारण वैश्विक नवाचार सूचकांक में लगातार सुधार हो रहा है। साथ ही, बढ़ते साइबर हमले और डेटा सुरक्षा के ख़तरे राष्ट्रीय सुरक्षा के नए आयाम प्रस्तुत कर रहे हैं, इनके लिए तकनीकी रूप से प्रशिक्षण आवश्यक है।

चौथी, सामाजिक एकजुटता और आंतरिक स्थिरता की है। विविधताओं से भरे समाज में सामाजिक सद्भाव, संस्थागत विश्वास और कानून के शासन को मज़बूत बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पांचवीं चुनौती, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय क्षेत्र की है। वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा रखने वाले देश से यह अपेक्षा की जाती है कि वह कार्बन उत्सर्जन, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु न्याय के मुद्दों पर ज़िम्मेदार और अग्रणी भूमिका निभाए।

> वैश्विक शक्ति बनना केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि बहुआयामी चुनौतियों का सामना करने की निरंतर प्रक्रिया भी है।

सोशल फोरम

मौसम विज्ञानी है नन्हा पंछी

एक बिल्कुल छोटी सी चिड़िया है, गौरैया जैसी, नाम है 'वीरे' या 'वीरी' (Veery)। ये उत्तरी अमेरिका में पाई जाती है। पक्षी वैज्ञानिक जब इस चिड़िया का अध्ययन कर रहे थे, तो उन्होंने इसके माइग्रेशन यानी मौसम या प्रजनन के समय दूसरे इलाके में जाने के नियम को थोड़ा अटपटा पाया। वैसे दैनिक जीवन में ज़्यादातर पक्षी जो मौसम और प्रजनन के लिए सैकड़ों हज़ारों मील की दूरी तय करके दूसरे देश जाते हैं, उनका समय निश्चित होता है। यानी कोई पक्षी जो अक्टूबर में माइग्रेट करते है, वो ज़्यादातर समय उसी महीने में जाते हैं। मगर वैज्ञानिकों ने पाया कि ये छोटी सी चिड़िया 'वीरी' बड़े ही अनिश्चित समय में कभी भी अपना प्रवास बदल लेती है और अटलांटिक या अंध महासागर को पार करके ये बहुत दूर जाती है प्रजनन के लिए।

सिद्धार्थ ताबिश

ब्लॉगर

वैज्ञानिकों ने इनके प्रवास बदलने में कभी-कभी कई-कई हफ्तों और कई महीनों का भी अनिश्चित फासला देखा। वैज्ञानिक सालों इस गुत्थी में उलझे रहे मगर फिर अचानक एक वैज्ञानिक का ध्यान अंध महासागर के मौसम पर गया और उसने सागर में उठने वाले तूफ़ान और वीरी के माइग्रेशन के रिश्ते पर ध्यान दिया। उस वैज्ञानिक ने अंध महासागर के ख़राब मौसम का सालों का आंकड़ा इकट्ठा किया और फिर उसे इस छोटी सी चिड़िया के प्रवास बदलने के समय से मिलाया और फिर वैज्ञानिकों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। वैज्ञानिकों ने पाया कि ये चिड़िया कई हफ्तों और कई महीनों बाद आने वाले समुद्री तूफ़ान का अंदाज़ा लगा कर समुद्र को पार करने की अपनी तारीख़ निर्धारित कर लेती है। चूंकि यात्रा बहुत लंबी होती है, इसलिए ये कई हफ़्तों और कभी महीनों पहले ही अपने प्रवास बदलने की तिथि तय कर लेती है और ये वो आंकड़े थे, जिनका अनुमान मौसम विभाग तक को नहीं था।

ये बिल्कुल छोटी सी चिड़िया और सिर्फ़ इस प्रकृति के साथ एकरूप होने के कारण, मौसम का पूरा और सटीक अनुमान लगा लेती है। लगभग सारे जीव जंतु, जिन्हें हम जानवर कहकर मुंह बनाते हैं, लगभग उन सभी के पास प्रकृति को समझने की कोई न कोई ऐसी शक्ति ज़रूर होती है और सोचिए थोड़ा कि इस छोटी से चिड़िया को जो समझ है, उतनी समझ के लिए इंसानों ने बरसों भौतिक और वाह्य चीजों पर काम करके सेटेलाइट बनाए और जाने कितने यंत्र बनाए, तब वो अब मौसम जानने लगे हैं और उसका अनुमान जानने लगें हैं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

एसिड अटैक, न्याय और राज्य की जवाबदेही

सोलह साल तक एक लड़की ने अपना चेहरा नहीं छिपाया। सोलह साल तक उसने अस्पतालों, अदालतों और समाज तीनों का सामना किया। 2009 में हरियाणा के पानीपत में उस पर तेज़ाब फेंका गया था। उस दिन उसका चेहरा झुलसा, लेकिन जीवन ख़त्म नहीं हुआ। उसने सर्जरियां झेलीं, सार्वजनिक नज़रों को सहा, रोज़गार और रिश्तों की असहज चुप्पियां झेलीं और हर कुछ महीनों में अदालत की तारीख़ पर पहुंची। इस उम्मीद के साथ कि एक दिन न्याय मिलेगा। उसका संघर्ष सिर्फ़ इलाज का नहीं था। वह रोज़-रोज़ अपने अस्तित्व को साबित करने का संघर्ष था। 2025 में, दिल्ली की रोहिणी अदालत ने वर्ष 2009 के पानीपत एसिड अटैक मामले में व्यस्क आरोपियों को बरी कर दिया। कारण यह नहीं था कि अपराध नहीं हुआ। कारण यह था कि राज्य उस अपराध को अदालत में सिद्ध नहीं कर सका।

जय प्रकाश पांडेय

लेखक

पीड़िता शाहीन मलिक थीं। सोलह वर्षों की लंबी सुनवाई के बाद अदालत का निष्कर्ष था। अपराध की भयावहता निर्विवाद है, पर अभियोजन वह साक्ष्य-शृंखला प्रस्तुत नहीं कर सका, जो 'संदेह से परे' दोष सिद्ध करने के लिए आवश्यक होती है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड समय पर नहीं जुटे, डिजिटल साक्ष्य कमज़ोर रहे और एसिड की खरीद-आपूर्ति से जुड़ी कड़ियां अदालत तक मज़बूती से नहीं पहुंचीं। कानूनी दृष्टि से यह फ़ैसला तर्कसंगत हो सकता है, लेकिन सामाजिक दृष्टि से यह एक असहज प्रश्न छोड़ जाता है— क्या हमारे यहां एसिड अटैक जैसे अपराधों में न्याय, समय के साथ टिक पाता है?

एसिड अटैक साधारण हिंसा नहीं है। यह शरीर से पहले पहचान पर हमला करता है। चेहरा झुलसता है, तो रोज़गार, रिश्ते, सार्वजनिक उपस्थिति सब कुछ बदल जाता है। पीड़िता के लिए यह एक दिन की घटना नहीं, जीवन भर की अवस्था बन जाती है। न्याय-प्रणाली इसे अक्सर एक लंबी कानूनी फ़ाइल में बदल देती है, जहां तारीख़ें बढ़ती जाती हैं और समय साक्ष्यों का सबसे बड़ा शत्रु बन जाता है।

यहां यह स्पष्ट करना ज़रूरी है कि क़ानूनी ढांचा अपने आप में कमज़ोर नहीं है। भारत में एसिड अटैक को लेकर कानून पिछले एक दशक में सख़्त हुआ है। पहले भारतीय दंड संहिता की धारा 326A (एसिड से गंभीर क्षति) और धारा 326B (एसिड अटैक का प्रयास) ने इस अपराध को विशिष्ट श्रेणी में रखा। अब नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS)में भी यही दृष्टि जारी है। कानून स्पष्ट कहता है कि तेज़ाब या किसी संक्षारक पदार्थ से स्थायी या आंशिक क्षति, जलन, विकृति या विकलांगता उत्पन्न करना अत्यंत गंभीर अपराध है, जिसके लिए न्यूनतम दस वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सज़ा दी जा सकती है। जुर्माना मात्र दंड नहीं, बल्कि पीड़िता के इलाज और पुनर्वास से जोड़ा गया है।

कानून इलाज के स्तर पर भी स्पष्ट है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत यह दायित्व तय किया गया है कि एसिड अटैक पीड़िता को तत्काल और निःशुल्क चिकित्सा मिले। सरकारी हो या निजी, कोई भी अस्पताल इलाज से इनकार नहीं कर सकता। इलाज से इनकार करना दंडनीय है। इसके साथ-साथ पीड़ित प्रतिकर योजना के अंतर्गत मुआवज़े का प्रावधान है, जो अंतिम फ़ैसले तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरिम राहत के रूप में भी दिया जाना चाहिए।

एसिड अटैक में चेहरा एक क्षण में झुलसता है। न्याय में देरी से भरोसा धीरे-धीरे जलता है और जब भरोसा जलता है, तो कानून की सबसे सख़्त धाराएं भी खोखली लगने लगती हैं। न्याय का अर्थ केवल सज़ा नहीं है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

रंग-तरंग

हमारी संस्कृति के परिचायक महोत्सव

बीतों दिनों इटावा में चल रहे 116 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर इटावा महोत्सव के पंडाल कार्यक्रमों का रविवार को समापन हो गया, लेकिन डीएम ने महोत्सव की अवधि को 20 दिन और बढ़ाने की घोषणा की। अब लोग अगले करीब तीन सप्ताह तक प्रदर्शनी और मेले का लुत्फ उठा सकेंगे। विदाई की इस शाम में प्रखर गौर की सरस्वती वंदना और अजीत नारायण चतुर्वेदी के विदाई गीत ने माहौल को भावुक कर दिया। विशम्भर नाथ भटेले और रौनक इटावी ने अपनी गजलों के माध्यम से महोत्सव के गौरवशाली इतिहास का बखान किया। डीएम ने कहा कि इटावा महोत्सव अपनी सांस्कृतिक समृद्धि के कारण देश के चुनिंदा आयोजनों में शामिल है। यह केवल एक मेला नहीं, बल्कि जिले का लोक पर्व है।

औरंगाबाद में दाउदनगर महोत्सव का समापन बीते दिनों हुआ। महोत्सव के दूसरे दिन भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ दाउदनगर महोत्सव मनाया गया। वक्ताओं ने दाउदनगर महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से अपने गौरवशाली इतिहास और वर्तमान को याद किया जा रहा है। ऐसे आयोजन सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करते हैं। महोत्सव में दाउदनगर के गौरवशाली और इतिहास पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

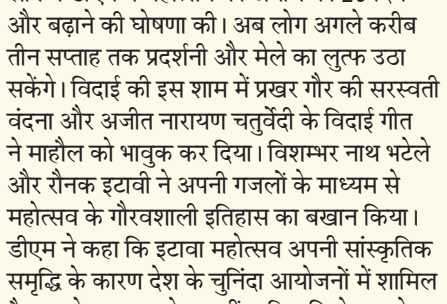

हरदा में लोकल फॉर वोकल के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से दस दिवसीय स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह स्वदेशी मेला अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो की तर्ज पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका मकसद है स्थानीय व्यापारियों, कारीगरों और महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपने हुनर और उत्पादों को सीधे जनता तक पहुंचा सकें।

लाल इमारतों वाला वैभवशाली शहर बीकानेर

विनीत गुप्ता
कानपुर

राजस्थान में बीकानेर एक जीवंत शहर है, जिसका अपना अनूठा इतिहास है। इसे लाल शहर भी कहा जाता है। हालांकि बीकानेर का नाम आते ही भुजिया और नमकीन का स्वाद जुबान पर अनायास आ जाता है। बीकानेर का जूनागढ़ किला एक ऐतिहासिक और भव्य किला है। किले का मूल नाम चिंतामणि था और यह एक खाई से घिरा हुआ था। बाद में, 1902 में शाही परिवार के लालगढ़ नामक नए महल में स्थानांतरित होने के बाद इसका नाम बदलकर जूनागढ़ कर दिया गया, जिसका अर्थ है 'पुराना किला'। इसका निर्माण राजा राय सिंह ने 1589 से 1594 के बीच कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें मुगल और राजस्थानी वास्तुकला का अद्भुत मिश्रण दिखता है। इसके भीतर कई खूबसूरत महल, जैसे बादल महल और अनूप महल स्थित हैं। जूनागढ़ किला न केवल एक ऐतिहासिक स्मारक है, बल्कि एक जीवंत संग्रहालय भी है।

चार महलों से घिरा डूंगर निवास चौक

जूनागढ़ किले ने अपने इतिहास में कई युद्ध और घेराबंदी देखी, लेकिन इस पर कभी किसी शत्रु का कब्जा नहीं रहा। यह किला लगभग 5 .28 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है और 37 बुर्जों और सात द्वारों वाली एक ऊंची दीवार से घिरा हुआ है। किले का मुख्य प्रवेश द्वार सूरज पोल है, जो पूर्व दिशा की ओर है और सूर्य देवता के चित्रों से सुशोभित है। अन्य द्वार दौलत पोल, चांद पोल, करण पोल, फतेह पोल, फूल महल पोल और लक्ष्मी नाथ पोल हैं। किले में कई प्रांगण हैं, जो अंदर स्थित विभिन्न संरचनाओं को आपस में जोड़ते हैं। इनमें सबसे प्रमुख प्रांगण डूंगर निवास चौक है, जो चार महलों करण महल, अनूप महल, चंद्र महल और गंगा महल से घिरा हुआ है। इन महलों की भव्य आंतरिक साज-सज्जा देखने वाली है। किले में हिंदू देवी-देवताओं को समर्पित कई मंदिर हैं, जैसे हर मंदिर (भगवान विष्णु का मंदिर), रतन बिहारी मंदिर (भगवान कृष्ण का मंदिर), लक्ष्मी नाथ मंदिर (भगवान विष्णु और लक्ष्मी का मंदिर) और शिव मंदिर हैं। ये मंदिर मूर्तिकला के उत्कृष्ट नमूने हैं। किले में कई संग्रहालय हैं, जिनमें बीकानेर के इतिहास व संस्कृति से संबंधित कलाकृतियों, हथियारों, वेशभूषा, आभूषणों, चित्रों, पांडुलिपियों और अन्य वस्तुओं का समृद्ध संग्रह प्रदर्शित किया गया है। यह देश का एकमात्र किला है, जहां पर्यटकों को महाराजा राय सिंह जी ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क गाइड उपलब्ध कराए जाते हैं।

राजपूताना, इस्लामी और यूरोपीय वास्तुकला की झलक लालगढ़ पैलेस

महाराजा गंगासिंह ने 1902 में इस भव्य राजमहल का निर्माण, अपने स्वर्गीय पिता महाराजा लाल सिंह की स्मृति में करवाया था। इसके वास्तुशिल्प की रूपरेखा की अवधारणा, एक अंग्रेज वास्तुविद् 'सर स्विंटन जैकब' द्वारा की गई थी। यह महल लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है तथा राजपूताना, इस्लामी तथा यूरोपीय वास्तुकला के मिश्रण से इसे मूर्तरूप प्रदान किया गया है। वर्तमान में इसे हैरिटेज होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। इसके एक हिस्से में श्री सादुल म्युजियम है।

करणी माता का मंदिर

बीकानेर यात्रा के अगले दिन हम दुनियाभर में चूहों के लिए प्रसिद्ध करणी माता मंदिर पहुंचे। यह मंदिर बीकानेर से 30 किमी की दूरी पर देशनोक गांव में स्थित है। इसे 'टैम्पल ऑफ रैट्स' कहा जाता है। बताया गया कि यहां लगभग 25,000 काले चूहे हैं, जिन्हें 'कबा' कहते हैं। इनकी पवित्रता इस बात से उजागर होती है कि यदि किसी के पांव से कोई चूहा दबकर मर जाए, तो उसे चांदी का चूहा बनवाकर करणी माता के चरणों में चढ़ाना पड़ता है। एक किंवदंती के अनुसार करणी माता के सौतेले बेटे लक्ष्मण की एक तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी। करणी माता ने यमराज से उन्हें जीवित करने के लिए प्रार्थना की। यमराज ने पहले मना कर दिया फिर इस शर्त पर मान गए कि उस दिन के बाद से लक्ष्मण तथा करणी माता के सभी वंशज चूहे के रूप में जिंदा रहेंगे। इसके बाद से चूहों को पवित्र मानकर मंदिर में भक्त लड्डू व दूध की बड़ी परातें चढ़ाते हैं, जिन्हें चूहे खाते-पीते हैं। चूहों का खाया हुआ प्रसाद सत्कार माना जाता है। गर्भगृह में करणी माता की मूर्ति स्थापित है। करणी माता मंदिर का द्वार सफेद संगमरमर से बनी एक सुंदर संरचना है। बड़ी संख्या में नवविवाहित यहां माता का आशीर्वाद लेने आते हैं।

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र एशिया का अपनी तरह का एकमात्र केन्द्र हैं, जहां ऊंटों का रखरखाव तथा उन पर अनुसंधान और प्रजनन संबंधित कार्य किए जाते हैं। शहर के करीब स्थित यह केन्द्र 2000 एकड़ से अधिक भूमि पर फैला है तथा इसका संचालन भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

राजसी वास्तुकला वाला प्रसिद्ध गजनेर पैलेस

गजनेर थार का अतुलनीय गहना है। 1784 में बीकानेर के महाराजा गज सिंह जी ने गजनेर पैलेस की स्थापना की थी। यह अपनी राजसी वास्तुकला, गजनेर झील के किनारे शांत वातावरण, वन्यजीव अभयारण्य और शाही जीवनशैली के अनुभव के लिए प्रसिद्ध है। यह महल लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है। यहां पर अब लक्जरी सुविधाएं और प्रकृति-प्रेमी गतिविधियां जैसे सफारी, बर्ड वॉचिंग उपलब्ध हैं। यह शाही परिवार के साथ ही अतिथियों के लिए शिकारगाह और आराम गाह था। अब इसे एक हेरिटेज होटल में बदल दिया गया है।

आर्ट गैलरी

फ्रीडा की 'पोर्ट्रेट ऑफ एलिसिया गैलेंट'

'पोर्ट्रेट ऑफ एलिसिया गैलेंट' नाम की यह कलाकृति मशहूर कलाकार फ्रीडा काहलो ने 1927 में बनाई थी। यह पेंटिंग कैनवास पर ऑयल कलर से बनाई गई है। यह नैव आर्ट मूवमेंट, खासकर प्रिमिटिविज्म से जुड़ी है। इसमें एक पोर्ट्रेट दिखाया गया है और यह डोलोरेस ओल्मेडो कलेक्शन का हिस्सा है, जो मेक्सिको सिटी में है। इस कलाकृति में गहरे बैकग्राउंड के सामने बैठी हुई एक महिला दिख रही। इसमें एलिसिया गैलेंट को शांत और गंभीर अंदाज में दिखाया गया है। उसके बाल इस तरह से बनाए गए हैं, जो उसके चेहरे के लंबे आकार और उसकी शांत, गहरी नजरों को उभारते हैं। उसने गहरे रंग के कपड़े पहने हैं, जिसके गले पर लाल और सुनहरे रंग की डिजाइन है, जो उसके चेहरे पर ध्यान खींचती है। रंगों का हल्का इस्तेमाल पेंटिंग के गंभीर माहौल को दिखाता है। दाईं ओर पौधों के तत्वों की मौजूदगी एक प्राकृतिक मोटिफ पेश करती है, जो आकृति की शांति के साथ एक हल्का कंट्रास्ट पैदा करती है।

फ्रीडा के बारे में

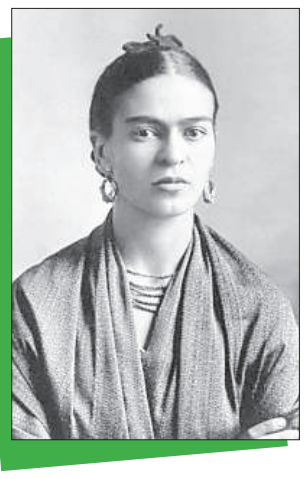

फ्रीडा काहलो प्रसिद्ध मैक्सिकन पेंटर थीं। वह छह जुलाई, 1907 को पैदा हुईं। फ्रीडा अपने सेल्फ-पोर्ट्रेट्स के लिए जानी जाती हैं। इसमें उन्होंने अपने जीवन के दर्द को दिखाया है। उन्होंने एक ऐसी विरासत बनाई, जिसने महिलाओं को अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया। फ्रीडा नेशनल प्रिपरेटरी स्कूल में एडमिशन पाने वाली पहली छात्रा थीं, जहां डिएगो रिवेरा के चल रहे काम ने उन्हें कला में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। फ्रीडा मैक्सिकन क्रांति के दौरान बड़ी हुईं। इस कालखंड का उनके काम पर बहुत ज्यादा असर पड़ा। उनकी पेंटिंग्स में अक्सर चमकीले रंग और बोल्ड सिंबल होते हैं, जो मैक्सिको की संस्कृति और इतिहास को दिखाते हैं। एक जानलेवा एक्सीडेंट ने उन्हें बिस्तर पर ला दिया, जिसने फ्रीडा को पोर्ट्रेट पेंटिंग शुरू करने के लिए मजबूर किया। फ्रीडा डिएगो रिवेरा और अपने पिता विल्हेम काहलो से प्रभावित थीं। काहलो और रिवेरा ने आखिरकार 1929 में शादी कर ली। दोनों का रिश्ता उतार-चढ़ाव भरा रहा। अस्थिर रिश्तों के बीच, फ्रीडा ने अपनी छोटी-छोटी पेंटिंग्स बनाना जारी रखा। माना जाता है कि फ्रीडा की कला पर सर्रियलिज्म का बहुत ज्यादा प्रभाव था, जो बीसवीं सदी की शुरुआत में यूरोप में लोकप्रिय हुआ एक कला आंदोलन था। कई सर्रियलिस्ट कलाकारों के विपरीत, जो सपनों या कल्पनाओं को विषय बनाते थे, काहलो ने अपने कामों के लिए प्रेरणा के तौर पर अपने निजी अनुभवों का इस्तेमाल किया। उनका निधन 13 जुलाई, 1954 को हुआ। वह आज हर उस महत्वाकांक्षी महिला कलाकार के लिए एक रोल मॉडल हैं।

मेघालय का 'व्हिसलिंग विलेज' जहां नाम नहीं, सीटी है पहचान

पूर्वोत्तर भारत की हरी-भरी पहाड़ियों के बीच बसा मेघालय का एक छोटा-सा गांव कॉन्थोंग अपनी अनोखी परंपरा के कारण पूरी दुनिया में पहचाना जाता है। यहां लोग एक-दूसरे को नाम से नहीं, बल्कि सीटी की खास धुन से बुलाते हैं। यह कोई लोककथा या कल्पना नहीं, बल्कि गांव की जीवित और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान है। इसी वजह से कॉन्थोंग को 'व्हिसलिंग विलेज' भी कहा जाता है।

अनोखी परंपराएं

मेघालय कॉन्थोंग गांव में हर व्यक्ति की सीटी अलग होती है और वही उसकी पहचान बन जाती है। परंपरा के अनुसार, बच्चे के जन्म के बाद उसकी मां उसे एक विशेष सीटी की धुन देती है। यही धुन उसके नाम का स्थान ले लेती है और जीवनभर उसके साथ रहती है। समय के साथ यह सीटी परिवार, पड़ोस और पूरे गांव को याद हो जाती है, जिससे बिना देखे ही पहचान हो जाती है कि कौन बुला रहा है। यह अनोखी परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप से सिखाई जाती रही है।

कॉन्थोंग की सीटी भाषा सिर्फ संवाद का साधन नहीं, बल्कि सामुदायिक जुड़ाव का प्रतीक भी है। यहां के लोग मानते हैं कि यह परंपरा उन्हें प्रकृति के करीब रखती है और आपसी संबंधों को मजबूत बनाती है। आधुनिक तकनीक और मोबाइल फोन के दौर में भी गांव के लोग इस विरासत को संजोए हुए हैं, जो उनकी स्वदेशी पहचान को दर्शाती है।

कॉन्थोंग की भौगोलिक संरचना इसकी इस परंपरा की सबसे बड़ी वजह है। ऊंची पहाड़ियां, गहरी घाटियां और घना जंगल सामान्य आवाजों को दूर तक पहुंचने नहीं देते। ऐसे वातावरण में बातचीत के लिए सीटी सबसे प्रभावी माध्यम बन गई। इसकी तीखी और स्पष्ट ध्वनि बिना बाधा के पहाड़ों के आर-पार चली जाती है। खेतों में काम करते हुए, जंगल में लकड़ी काटते समय या दूर किसी ढलान पर मौजूद व्यक्ति को बुलाना हो, एक सीटी ही पर्याप्त होती है। आज यह अनूठा 'व्हिसलिंग कल्चर' कॉन्थोंग को वैश्विक पहचान दिला रहा है। देश-विदेश से पर्यटक इस परंपरा को देखने और सुनने यहां आते हैं। वे सीटी की धुनों के पीछे छिपी भाषा और भावनाओं को समझने की कोशिश करते हैं। कॉन्थोंग इस तरह संस्कृति, प्रकृति और परंपरा का सुंदर संगम बनकर भारत की विविध सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है।

पंजाब की फुलकारी: रंगों और परंपरा की कढ़ाई

लोकायन

फुलकारी पंजाब की फुलकारी एक प्रसिद्ध और अत्यंत प्रिय कढ़ाई कला है, जो राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा मानी जाती है। यह कला अपने जीवंत रंगों, बारीक हाथ की सिलाई और पारंपरिक प्रतीकों के लिए जानी जाती है। फुलकारी कढ़ाई में प्राय: रेशमी और रंगीन धागों का उपयोग किया जाता है। इसमें फूल, पत्तियां, जालियां, बेल-बूटे और कभी-कभी पशु-पक्षियों की आकृतियां उकेरी जाती हैं। कपड़े की उलटी सतह से की गई है। यह कढ़ाई सामने की ओर जादुई और चमकदार रूप में उभरती है। यह कला पीढ़ी-दर-पीढ़ी महिलाओं द्वारा सहेजी और आगे बढ़ाई गई है, जो उनके रचनात्मक कौशल और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। फुलकारी केवल एक कढ़ाई कला नहीं, बल्कि पंजाब की स्त्री-परंपरा, संवेदनशीलता और सांस्कृतिक निरंतरता का जीवंत प्रतीक है। बदलते समय के साथ आधुनिक डिजाइनों में ढलकर भी फुलकारी आज अपनी पारंपरिक आत्मा को बनाए हुए है और भारतीय हस्तकला की अमूल्य धरोहर के रूप में पहचानी जाती है।

फुलकारी कढ़ाई के प्रमुख प्रकार

- **पाक फुलकारी**- यह फुलकारी की सबसे लोकप्रिय शैली मानी जाती है। इसमें कपड़े के अधिकांश हिस्से को घनी कढ़ाई से भर दिया जाता है। विभिन्न रंगों के धागों से फूलों और ज्यामितीय आकृतियों का निर्माण किया जाता है। यह शैली विशेष रूप से विवाह और उत्सवों में पहनी जाती है।
- **छम्मास फुलकारी**- छम्मास फुलकारी में एक ही रंग के चमकीले धागे से बारीक टांकों का प्रयोग किया जाता है। कई बार इसमें सोने या चांदी के धागों का भी उपयोग होता है, जिससे कढ़ाई अत्यंत आकर्षक दिखाई देती है। इसका प्रयोग दुपट्टों और साड़ियों में किया जाता है।
- **घुंघट बाग फुलकारी**- इस शैली में फूलों और पत्तियों की आकृतियां इस तरह बनाई जाती हैं कि वे घुंघट या बाग का आभास देती हैं। बहुरंगी धागों से सजी यह फुलकारी पारंपरिक पंजाबी महिलाओं में विशेष रूप से लोकप्रिय रही है।
- **सैंची फुलकारी**- सैंची फुलकारी अपने प्राचीन रंगों और विविध डिजाइनों के लिए जानी जाती है। इसमें लाल, हरा, नीला, पीला और सफेद जैसे रंगों का सुंदर संयोजन होता है। इसका उपयोग परिधानों के साथ-साथ टेबल कवर और सजावटी वस्तुओं में भी किया जाता है।
- **चोपे फुलकारी**- चोपे फुलकारी विवाह से जुड़ी एक विशेष शैली है। इसे पारंपरिक रूप से दुल्हन को भेंट किया जाता है। इसमें सीमित रंगों और नियमित पैटर्न का प्रयोग होता है, जो इसे गरिमामय और विशिष्ट बनाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,063.34	26,178.70
गिरावट	376.28	71.60
प्रतिशत में	0.44	0.27

सोना 1,41,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,51,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 7 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2280, रविन्द्रा 2420, फॉर्चुन 13 किग्रा 2010, जय जवान 2005, सचिन 2030, सूरज 2005, अवसर 1875, उजाला 1950, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2175, मोर 2200, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, जेनिथ 8800, गैलेक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4260, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 850, बासमती- 5400, परमल- 1200

दाल दलहन : काला चना- 2600, साबुत चना दाल- 1700, मूंग साबुत- 4600, राजमा- 8200-11200, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 3200, मसूर दाल- 2200, उड़द साबुत- 4200, काबुली चना- 8200, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 1600

नए कारोबार के धीमे विस्तार से देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां ढीलीं

उत्पादन में विस्तार की दर 11 महीनों में सबसे सुस्त, कंपनियों ने टाली अतिरिक्त भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में दिसंबर में गिरावट दर्ज की गई। इस बीच नए कारोबार एवं उत्पादन में विस्तार की दर 11 महीनों में सबसे धीमी रही और कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती से परहेज किया। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक नवंबर के 59.8 से दिसंबर में 58.0 पर आ गया। यह जनवरी के बाद से सबसे धीमी विस्तार दर को दर्शाता है।

मासिक सर्वेक्षण के बाद मंगलवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए गए। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण के अनुसार, कंपनियां वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशावादी बनी रहीं लेकिन समग्र भावना लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गईं। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की अर्थशास्त्र कार्यकारी निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, दिसंबर में भारत के सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन 2025 के अंत में कई सर्वेक्षण संकेतकों में आई गिरावट नए साल में वृद्धि की गति में नरमी का संकेत दे सकती है।

समग्र उत्पादन सूचकांक में भी आई गिरावट

दूसरी ओर, एचएसबीसी इंडिया समग्र उत्पादन सूचकांक नवंबर के 59.7 से दिसंबर में 57.8 पर आ गया। विनिर्माण और सेवा प्रदाताओं दोनों में मंदी के बीच यह जनवरी 2025 के बाद से सबसे कमजोर स्तर है। सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के निजी क्षेत्र में कच्चे माल की लागत और उत्पादन शुल्क दोनों में मामूली वृद्धि जारी रही। दिसंबर में समग्र स्तर पर रोजगार सृजन में ठहराव आया जिसका कारण वस्तु उत्पादकों की वृद्धि में मंदी एवं सेवा प्रदाताओं में आंशिक छंटनी थी। इसमें कहा गया कि निजी क्षेत्र की कंपनियां वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशावादी बनी हुई हैं। हालांकि धारणा 41 महीने के निचले स्तर पर आ गई है।

बाह्य मांग के संदर्भ में सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने एशिया, उत्तरी अमेरिका, पश्चिम एशिया तथा ब्रिटेन से मांग में वृद्धि दर्ज करते हुए एक और सुधार देखा। नए निर्यात ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के अनुसार, कीमतों के मोर्चे पर कच्चे माल की लागत और उत्पादन शुल्क में मामूली वृद्धि हुई। इस बीच, भारतीय सेवा कंपनियां 2026 में व्यावसायिक गतिविधियों में वृद्धि को लेकर आश्वस्त दिखीं लेकिन बाजार में बढ़ती अनिश्चितता एवं विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को लेकर चिंताओं के बीच सकारात्मक भावना का समग्र स्तर लगातार तीसरे महीने घटकर लगभग साढ़े तीन वर्ष में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं निजी क्षेत्र के उत्पादन में दिसंबर में वृद्धि घटकर 11 महीनों के निचले स्तर पर आ गई।

मुनाफा वसूली से सेंसेक्स में 376 अंकों की गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मुनाफावसूली के कारण मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 376.28 अंक यानी 0.44 प्रतिशत टूटकर 85,063.34 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की निफ्टी-50 सूचकांक 71.60 अंक यानी 0.27 फीसदी नीचे 26,178.70 अंक पर बंद हुआ।

टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट का शेयर 8.62 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी दबाव रहा और इसका शेयर 4.42 प्रतिशत टूटा। मझौली कंपनियों के निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.06 फीसदी और छोटी कंपनियों के निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.22 प्रतिशत की गिरावट रही। तेल एवं गैस, रसायन और मीडिया सूचकांक लाल निशान में बंद हुए।

एमटेक ग्रुप के पूर्व चेयर पर्सन को 7,000 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट के तीन जजों की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने 27,000 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के मामले में एमटेक ग्रुप के पूर्व चेयरपर्सन अरविंद धाम को मंगलवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें धाम को जमानत देने से इन्कार कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति आराधे ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अदालत ने इस मामले में धाम की अपील स्वीकार कर ली है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले साल 19 अगस्त को धाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि समय से पहले रिहाई जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रयासों को कमजोर कर सकती है। ईडी ने इस मामले में एमटेक ऑटो लिमिटेड, एआरजी लिमिटेड, एसीआईएल लिमिटेड, मेटलिस्ट फोर्जिंग लिमिटेड, कास्टेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और एमटेक ग्रुप के प्रवर्तक अरविंद धाम के अलावा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। इससे पहले, ईडी ने दिवालिया हो चुकी, मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी एमटेक ग्रुप की कंपनियों की 550 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को धन शोधन रोधी कानून के तहत अस्थायी रूप से जब्त कर लिया था।

सितंबर 2024 में एजेंसी ने 5,115.31 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 27 फरवरी 2024 को पीएमएलए के तहत ईडी ने जांच शुरू की। एजेंसी ने धाम को जुलाई 2024 में गिरफ्तार कर सितंबर 2024 में आरोपपत्र दायर किया था। जांच में पाया गया कि इन कंपनियों को समूह की अन्य कंपनियों के साथ दिवालियापन की प्रक्रिया से गुजारा गया जिसके समाधान के कारण बैंकों को 80 प्रतिशत से अधिक का नुकसान हुआ।

अमेजन पे ने शुरू की सावधि जमा योजना आठ प्रतिशत तक की मिलेगी ब्याज दर

नई दिल्ली, एजेंसी

- पांच बैंक और दो गैरबैंकिंग कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी से की शुरुआत

भुगतान सुविधा प्लेटफॉर्म अमेजन पे ने भारत में अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए मंगलवार को सावधि जमा सुविधा की शुरुआत की घोषणा की। अमेजन पे के मुताबिक उसने इसके लिए दो प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस और बजाज फाइनेंस के अलावा पांच बैंक शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, साउथ इंडियन बैंक, स्लाइस और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ रणनीतिक साझेदारी की है।

कहा गया है कि ग्राहक अमेजन पे पर सिर्फ 1,000 रुपये से सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। इसके लिए उन्हें बैंक में बचत खाता खोलने की जरूरत नहीं होगी। साझेदार संस्थान आठ प्रतिशत सालाना तक ब्याज दर की पेशकश कर रहे हैं। सभी साझेदार वरिष्ठ नागरिकों को अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत ब्याज प्रदान करते हैं। श्रीराम फाइनेंस महिला निवेशकों को भी 0.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज की पेशकश कर रहा है। अमेजन पे के सीईओ विकास बंसल ने कहा, भारत में सुनिश्चित आय वाले उपकरण काफी लोकप्रिय हैं, क्योंकि इनकी संरचना सरल होती है, रिटर्न सुनिश्चित होता है और जोखिम कम होता है। नए साल की शुरुआत में हम ग्राहकों के लिए विकल्पों का विस्तार कर रहे हैं और उन्हें अपनी बचत पर बेहतर रिटर्न पाने में मदद कर रहे हैं, ताकि वे 2026 के अपने वित्तीय लक्ष्यों के लिए मजबूत आधार बना सकें।

अगले वित्त वर्ष 6.9% रह सकती है जीडीपी वृद्धि दर

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंडिया रेटिंग्स का अनुमान, जीएसटी और आयकर कटौती से बढ़ेंगी आर्थिक गतिविधियां

साख निर्धारित करने वाली इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि जीएसटी तथा आयकर में कटौती जैसे प्रमुख सुधार और व्यापार समझौते, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के रूप में काम करेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था को वैश्विक उथल-पुथल से बचाएंगे।

इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि अर्थव्यवस्था में अगले वित्त वर्ष में भी उच्च वृद्धि दर और कम महंगाई दर (औसतन 3.8 प्रतिशत खुदरा मुद्रास्फीति) की स्थिति बनी रहेगी। कम शुल्क वाले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के आंकड़ों में और इजाफा होगा।

एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष में आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित जीडीपी वृद्धि 7.4 प्रतिशत और बाजार मूल्य पर जीडीपी नौ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इंडिया रेटिंग्स को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय रुपया औसतन 92.26 प्रति डॉलर रहेगा जो मौजूदा वित्त वर्ष में 88.64 प्रति डॉलर से अधिक है। एजेंसी ने यह भी कहा कि सरकार के विशेष रूप से न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) विदेशी निवेश को बढ़ावा देंगे और अधिक विदेशी निवेश को आकर्षित करके चालू खाता घाटा (सीए) को कम रखने में मदद करेंगे।

पंत ने कहा कि सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बनाना एवं विकसित भारत-राम-जी अधिनियम के तहत आवंटन एक फरवरी को निर्धारित 2026-27 के केंद्रीय बजट में अपेक्षित प्रमुख घोषणाएं होंगी। इसके अलावा, 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को भी एक फरवरी को सार्वजनिक किया जाएगा। इसमें एक अप्रैल से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर हस्तांतरण के अनुपात का सुझाव दिया गया है। रेटिंग एजेंसी के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में कर राजस्व में दो लाख करोड़ रुपये की कमी आएगी जिसकी भरपाई गैर-कर राजस्व संग्रह और पूंजीगत व्यय में मामूली कमी से की जाएगी। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा बजट में अनुमानित 4.4 प्रतिशत और वास्तविक रूप से 15.69 लाख करोड़ रुपये रहेगा। एजेंसी के अनुसार संशोधित अनुमानों में निरपेक्ष रूप से आंकड़ा बढ़ सकता है।

राष्ट्रीय

छात्र संघ की ओर से नारेबाजी सुप्रीम कोर्ट की सीधे तौर पर अवमानना

जेएनयू ने पुलिस को भेजा पत्र, आरोपी छात्रों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने मंगलवार को कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्र संघ की ओर से अत्यंत आपत्तिजनक और भड़काऊ नारेबाजी वाले वीडियो का उसने गंभीर संज्ञान लिया है। जेएनयू प्रशासन ने कहा कि यह कृत्य सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जानबूझकर अनादर दर्शाता है। छात्रों पर सोमवार रात एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारे लगाने का आरोप है। जेएनयू प्रशासन ने पुलिस को पत्र भेजकर इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह किया है।

जेएनयू प्रशासन ने वसंत कुंज (उत्तर) के थाना प्रभारी को लिखे एक पत्र में कहा कि जेएनयूएसयू से जुड़े छात्रों की ओर से रात करीब 10 बजे 'गुरिल्ला ढाबे के साथ प्रतिरोध की रात' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें लगभग 30 से 35 छात्र उपस्थित थे। शुरू में ऐसा प्रतीत हुआ कि यह कार्यक्रम पांच जनवरी, 2020 की घटना की याद में आयोजित किया जा रहा है, लेकिन उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर न्यायिक फैसले के बाद कार्यक्रम का स्वरूप बदल गया, जिसके बाद कुछ प्रतिभागियों ने कथित तौर पर भड़काऊ और आपत्तिजनक नारे लगाए। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार द्वारा जारी बयान में कहा गया है, ऐसा कृत्य संवैधानिक संस्थाओं और सभ्य एवं लोकतांत्रिक संवाद के स्थापित मानदंडों के प्रति जानबूझकर अनादर दर्शाता है। सभी को असहमति, अपमानजनक टिप्पणी और घृणास्पद भाषण के बीच स्पष्ट अंतर को समझना चाहिए।

विश्वविद्यालय ने दिल्ली पुलिस को लिखे पत्र में कहा है कि कुछ छात्रों ने अत्यंत आपत्तिजनक और भड़काऊ नारे लगाए और सीधे तौर पर उच्चतम न्यायालय की अवमानना की। विश्वविद्यालय ने सभी से अनावश्यक गतिविधियों में शामिल होने से बचने और परिसर में शांति बनाए रखने में सहयोग का आग्रह करते हुए चेतावनी दी कि अन्यथा नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बयान में कहा गया, जेएनयू प्रशासन ने साबरमती परिसर में आयोजित प्रदर्शन के प्रसारित वीडियो का गंभीर संज्ञान लिया है, जिसमें जेएनयू छात्र संघ के छात्रों के एक समूह ने बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ नारे लगाए।

पत्र में छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति समेत कई नाम

विश्वविद्यालय ने पुलिस को लिखे पत्र में वर्तमान जेएनयूएसयू अध्यक्ष अदिति मिश्रा समेत कई छात्रों के नाम लेते हुए कहा है कि कार्यक्रम के दौरान कई बार इस तरह की नारेबाजी की गई। पत्र में कहा गया है कि सुरक्षा अधिकारी मौके पर मौजूद थे और स्थिति पर नजर रख रहे थे। पत्र के अनुसार, मुख्य सुरक्षा अधिकारी ने पुलिस से प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है। बयान में कहा गया, इस तरह की नारेबाजी लोकतांत्रिक असहमति के बिल्कुल विपरीत है और जेएनयू आचार संहिता का उल्लंघन है। ऐसे नारों से सार्वजनिक व्यवस्था, परिसर में सद्भाव और विश्वविद्यालय तथा राष्ट्र के सुरक्षा और संरक्षा माहौल के गंभीर रूप से प्रभावित होने की आशंका है। इस कार्यक्रम का एक कथित वीडियो भी ऑनलाइन सामने आया है।

सांपों के फन कुचले जा रहे, संपोले बिलबिला रहे

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा, मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद ने जेएनयू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाने की मंगलवार को कड़ी आलोचना की। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, सांपों के फन कुचले जा रहे हैं, संपोले बिलबिला रहे हैं। नक्सलियों, आतंकियों, दंगाइयों के समर्थन में नारे लगाने वाले हताश हैं क्योंकि उनके नापाक मंसूबे एक-एक करके ध्वस्त हो रहे हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ प्रदर्शन अस्वीकार्य है। अगर लोग अदालती फैसलों का विरोध शुरू कर देंगे तो व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि कुछ नेता और पार्टियां गंभीर मामलों में आरोपी व्यक्तियों के साथ खड़े हैं, यह शांति भंग करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है।

- जेएनयू में भड़काऊ नारेबाजी पर बोले दिल्ली सरकार के मंत्री

आवारा कुत्तेः सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इन्सानों के मामलों में नहीं आते इतने आवेदन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के मामले में उसके समक्ष दायर किए जा रहे अंतरिम आवेदनों की संख्या पर संज्ञान लिया और कहा कि आमतौर पर इन्सानों से जुड़े मामलों में भी इतनी अधिक संख्या में आवेदन नहीं आते हैं।

एक अधिवक्ता ने बताया कि उन्होंने इस मामले में एक अंतरिम याचिका दायर की है। इस पर न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने टिप्पणी करते हुए कहा, इन्सानों से जुड़े मामलों में भी आमतौर पर इतनी अधिक संख्या में याचिकाएं नहीं आतीं। पीठ ने कहा कि आवारा कुत्तों के मामले में बुधवार को सुनवाई की जाएगी। एक अन्य अधिवक्ता ने इस मामले में स्थानांतरण याचिका का जिक्र किया तो शीर्ष न्यायालय ने कहा कि बुधवार को कई याचिकाओं पर सुनवाई होगी और पीठ सभी अधिवक्ताओं की बात सुनेगी।

मतदाता सूची विवादः सोनिया को जवाब दाखिल करने के लिए और समय मिला

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को उस याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए सात फरवरी तक का समय दे दिया, जिसमें मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के मामले में मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है।

मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में इस आरोप की जांच कराने से इन्कार कर दिया था कि गांधी का नाम 1983 में भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से तीन साल पहले मतदाता सूची में शामिल किया गया था। न्यायाधीश विशाल गोगने ने नौ दिसंबर को गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब मांगा था। मंगलवार को जब इस मामले पर सुनवाई शुरू हुई तो गांधी के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख सात फरवरी तक का समय दे दिया।

मजिस्ट्रेट ने 11 सितंबर के आदेश में राउज एवेन्यू अदालत की सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अधिवक्ता विकास त्रिपाठी द्वारा दायर शिकायत को खारिज कर दिया था। मजिस्ट्रेट ने कहा था कि याचिका केवल मतदाता सूची के एक अंश पर आधारित है, जो 1980 की एक अप्रमाणित मतदाता सूची के अंश की फोटोकॉपी की फोटोकॉपी है।

सोनिया गंगाराम अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष और संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में सोमवार रात को भर्ती कराया गया है। श्रीमती गांधी की तबीयत पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी, जिस वजह से उन्हें भर्ती किया गया है। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम उनकी पूरी निगरानी कर रही है। विशेषज्ञ डॉक्टर की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में बढ़े हुए प्रदूषण के कारण उन्हें सांस से संबंधित समस्याएं होती रहती हैं।

दिल्ली में घने कोहरे के कारण 280 से ज्यादा उड़ानों में देरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी और देश के दूसरे हिस्सों में मंगलवार सुबह घने कोहरे के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 280 से अधिक उड़ानों में देरी की सूचना है। कुछ उड़ानों को रद्द कर दिया गया है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर सुबह चार बजे के बाद दृश्यता घटने लगी और 150 मीटर तक गिर गई। चार बजे के बाद से ही कैट-3 प्रक्रिया के तहत उपकरण की मदद से परिचालन शुरू कर दिया गया। अमृतसर, भोपाल, चंडीगढ़, गुवाहाटी, वाराणसी, रांची, हिंडन (गाजियाबाद) और धर्मशाला में भी दृश्यता कम होने के कारण उड़ानों के परिचालन में देरी हो रही है। दिल्ली हवाई अड्डे की वेवसाइट के अनुसार, दिल्ली से जाने वाली कम से कम 20 और दिल्ली आने वाली कम से कम 260 उड़ानों में देरी की सूचना है।

तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर दीप जलाने की अनुमति का आदेश बरकरार

मदुरै, एजेंसी

- मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै खंडपीठ ने सरकार के शांति में खलल के दावे को हास्यास्पद बताया

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै खंडपीठ ने तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी के दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति देने वाले एकल न्यायाधीश के आदेश को मंगलवार को बरकरार रखा। अदालत ने द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यह दावा कि दीप जलाने से सार्वजनिक शांति में विघ्न उत्पन्न होगा, बेहद हास्यास्पद है।

न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन और न्यायमूर्ति के के रामकृष्णन की खंडपीठ ने फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि जिस स्थान पर पत्थर का स्तंभ (दीपथून) स्थित है, वह भगवान सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर का है। न्यायालय ने यह भी कहा कि अपीलकर्ता यह साबित नहीं कर पाए कि शैव मत के आगम शास्त्र में ऐसा कोई स्पष्ट एवं अनिवार्य नियम है जिसके अनुसार गर्भगृह में देवता के ठीक ऊपर सीध में न होने वाले स्थान पर दीपक जलाना वर्जित है। अदालत ने यह भी कहा, न तो देवस्थानम (प्रबंधन) और न ही सरकार का यह कहना है कि तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर दीप जलाना प्रचलित नहीं है। उन्होंने कहा, यह हास्यास्पद है और इस पर विश्वास करना मुश्किल है कि राज्य की ताकतवर सरकार को डर है कि देवस्थानम के प्रतिनिधियों को पहाड़ी की चोटी के पास स्थित पत्थर के स्तंभ पर दीप जलाने की अनुमति देने से सार्वजनिक शांति में विघ्न उत्पन्न होगा। ऐसा तभी हो सकता है जब राज्य स्वयं इस तरह का विघ्न उत्पन्न करने का समर्थन करे।

पीठ ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि कोई भी राज्य अपने राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए इस स्तर तक नीचे नहीं जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का संकेत दिया है। तमिलनाडु के प्राकृतिक संसाधन मंत्री एस रेगुपति ने फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का अधिकार है। उन्होंने पूछा, यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया गया कि दीपथून पर दीपम् जलाया गया था, नई परंपरा क्यों शुरू की जाए। अदालत ने कहा कि मंदिर प्रबंधन को दीपथून पर दीप प्रज्ज्वलित करना होगा। एएसआई प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम एवं नियमों में निहित निषेधों के अतिरिक्त पहाड़ी क्षेत्र में स्थित स्मारकों के संरक्षण के लिए उपयुक्त और आवश्यक शर्तें लागू करेगा।

भाजपा की सावरकर के सम्मान की नसीहत राकांपा ने नकारी

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि भाजपा अपने गठबंधन साझेदारों से हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के सम्मान की अपेक्षा करती है। उनकी इस नसीहत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने तीखी प्रतिक्रिया के साथ नकार दिया और आंबेडकरवादी विचारधारा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया।

महानगरपालिका चुनाव प्रचार के दौरान सावरकर का जिक्र आने के बाद महायुति में शामिल दोनों दलों भाजपा और राकांपा के बीच टकराव की नौबत है।

- कहा- हम आंबेडकरवादी, महायुति के सहयोगी दलों में टकराव की नौबत

पुणे और पिंपरी चिंचवड निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राकापा (एसपी) से गठबंधन करने वाले अजित पवार भाजपा के स्थानीय नेताओं के खिलाफ हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। शेलार ने कहा, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण साफ कर चुके हैं कि पार्टी सावरकर की विचारधारा का अनुसरण करती है, भाजपा सहयोगियों से भी उनके विचारों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है।

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राकांपा महायुति में भाजपा के सहयोगी दल हैं। राकांपा नेता अमोल मिटकरी ने भाजपा की इस जिद पर सवाल उठाए कि अजित पवार की पार्टी को भाजपा के वैचारिक नेतृत्व के तहत काम करना होगा। मिटकरी ने 'एक्स' पर लिखा, मैं यही कहूंगा कि हम शिव-शाहू-आंबेडकर आंदोलन के प्रति प्रतिबद्ध थे, हैं और रहेंगे। भले ही हम आपरी विचारधारा को स्वीकार न करें, लेकिन यह अकाट्य सत्य है कि आपको हमारी पार्टी की आंबेडकरवादी विचारधारा न चाहते हुए भी स्वीकार करनी होगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत-लक्जमबर्ग

- लक्जमर्बग के प्रधानमंत्री ल्यूक फ्रीजन से मिले जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

लक्ज़मबर्ग के प्रधानमंत्री ल्यूक फ्रीडेन के साथ विदेश मंत्री जयशंकर।

लक्जमबर्ग की यात्रा पर गये विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री ल्यूक फ़्रीडन से मुलाकात की और निवेश , प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग पर बातचीत की। मुलाकात के बाद डा. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि आज सुबह लक्ज़मबर्ग के प्रधानमंत्री ल्यूक फ़्रीडन से मिलकर प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। वित्तीय सेवाओं, निवेश, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग पर चर्चा हुई। भारत-यूरोपीय संघ संबंधों को और सशक्त बनाने के लिए उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर रविवार को भारत से फ्रांस और लक्ज़मबर्ग की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए थे।

5.26 करोड़ मतदाता बाहर

एसआईआर का दूसरा चरण

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से देश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया जारी है। मतदाता सूची को पूरी तरह से नए सिरे से तैयार करना, पात्र मतदाताओं को शामिल करना, मृत या एक से अधिक स्थानों पर दर्ज लोगों के नाम हटाकर मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना उद्देश्य है। यह प्रक्रिया 2002-2004 में भी हुई थी, लेकिन अब इसे बड़े पैमाने पर लागू किया गया है। इसमें घर-घर फॉर्म भरवाने और सत्यापन के बाद फिर ड्राफ्ट और अंतिम सूची तैयार की जाती है। दूसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रक्रिया जारी है। पहले चरण में बिहार में 65 लाख वोटर हटे थे जबकि दूसरे चरण के 12 राज्यों में लगभग 5.25 करोड़ वोटरों के नाम हटे या हट रहे हैं।

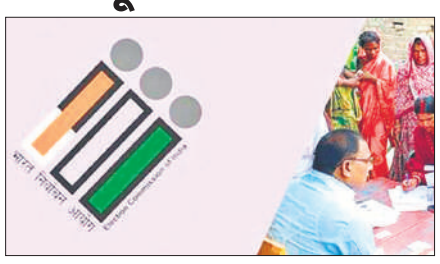

दूसरे चरण में 12 राज्य

एसआईआर का पहला चरण बिहार राज्य में पूरा हो चुका है। दूसरे चरण में असम, गोआ, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल के साथ केंद्र शासित प्रदेश अंडमान व निकोबार, लद्दाख, पुदुचेरी में प्रक्रिया चल रही है। उत्तर प्रदेश में सत्यापन और गणना के बाद मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। मतदाताओं को सूची में सुधार कराने के लिए छह फरवरी तक का समय दिया गया है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन मार्च तक संभावित है।

अब तक हटे नाम

- मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के बाद बिहार में लगभग 65 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं तो कुछ नए नाम जोड़े भी गए हैं। उत्तर प्रदेश में करीब 2.89 करोड़ नाम ड्राफ्ट सूची से हटाए गए जिनमें मृतक, शिफ्ट, डुप्लिकेट मतदाता शामिल हैं वहीं मध्य प्रदेश में लगभग 42,74,160 नाम हटाए गए। केरल में लगभग 24 लाख नाम वोटर लिस्ट से बाहर हो गए हैं। तमिलनाडु में लगभग 97,37,832 और गुजरात में लगभग 73,73,000 नाम मतदाता सूची से बाहर हुए हैं। हालांकि इन मतदाताओं को पुनरीक्षण का मौका दिया जाएगा।

राज्यवार स्थिति

- बिहार में अंतिम सूची लागू हो चुकी है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में ड्राफ्ट जारी किया जा चुका है। केरल में भी ड्राफ्ट की सत्यापन प्रक्रिया चल रही है। तमिलनाडु और गुजरात में भी ड्राफ्ट जारी हो चुका है। पश्चिम बंगाल में काम चल रहा है। असम, गोआ, राजस्थान, अंडमान नीकोबार, लद्दाख, पुदुचेरी में भी प्रक्रिया जारी हैं।

18 साल के युवा ऐसे बनें वोटर

- **ऑनलाइन आवेदन :** वेबसाइट https://voters.eci.gov.in पर जाएं और नया मतदाता पंजीकरण (फार्म-6) पर क्लिक करें और अपनी जानकारी, नाम, पता जन्म-तिथि, मोबाइल नंबर और पहचान से संबंधित दस्तावेज अपलोड कर फार्म सबमिट कर दें, मोबाई/ईमेल पर रेफरेंस नंबर मिलेगा जिसके बाद बीएलओ घर आकर या कॉल करके सत्यापन करेगा।
- **ऑफलाइन आवेदन :** बीएलओ, तहसील, चुनाव कार्यालय से फार्म-6 लें या ऑनलाइन प्रिंट ले सकते हैं। फॉर्म भरकर जरूरी दस्तावेज़ लगाएं, अपने क्षेत्र के बीएलओ / निर्वाचन कार्यालय में जमा करें, सत्यापन के बाद नाम मतदाता सूची में जुड़ जाएगा।
- **आवश्यक दस्तावेज :** उम्र के प्रमाण के रूप में जन्म प्रमाण पत्र, 10वीं कक्षा की मार्कशीट, आधार कार्ड में से कोई एक दे सकते हैं। पते के प्रमाण के लिए आधार कार्ड, बिजली/पानी/गैस बिल या बैंक पासबुक चलेगा। आधार अनिवार्य नहीं है, लेकिन देने से सत्यापन आसान होता है।
- **18 से पहले भी आवेदन :** अगर आपकी उम्र 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई अथवा 1 अक्टूबर को 18 पूरी हो रही है तो आवेदन कर सकते हैं। नाम उसी तिथि से जुड़ जाएगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

इजराइल ने लेबनान पर बोला हमला

सिडोन। इजराइल की वायुसेना ने सोमवार देर रात और मंगलवार तड़के लेबनान के सिडोन समेत दक्षिणी एवं पूर्वी इलाकों पर हमले किए। सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात करीब एक बजे हुए एक हमले में दक्षिणी तटीय शहर सिडोन में तीन मंजिला एक वाणिज्यिक इमारत ध्वस्त हो गई। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब कुछ ही दिन बाद लेबनान के सेना प्रमुख इजराइल के साथ लगती सीमा वाले इलाके में चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला के निरस्त्रीकरण के अपने मिशन के बारे में सरकार को जानकारी देने वाले हैं।

मेक्सिको ने अमेरिकी हस्तक्षेप खारिज किया

मेक्सिको सिटी। वेनेजुएला में अमेरिका के सैन्य हस्तक्षेप के बाद मेक्सिको सरकार और विशेषज्ञों ने देश में मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों के खिलाफ एकतरफा अमेरिकी कार्रवाई की आशंका को खारिज कर दिया है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लॉडिया शीनबॉम का प्रशासन अमेरिका की मांगों पर काम कर रहा है और दोनों देशों में आर्थिक संबंध महत्वपूर्ण हैं।

मिस्र में नशा मुक्ति केंद्र में आग से छह मरे

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा के उत्तर में कल्यूबिया प्रांत में एक नशा मुक्ति केंद्र में सोमवार को आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। सरकारी अखबार अल-योम ने बताया कि सूचना मिलने पर सुरक्षा बल और नागरिक सुरक्षा इकाई दमकल और एम्बुलेंस की मदद से बेन्हा शहर में घटनास्थल पर पहुंचे।

वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई से क्षेत्रीय अस्थिरता की संभावना

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने वेनेजुएला में बढ़ती अस्थिरता पर जताई चिंता

- अमेरिकी कार्रवाई में अंतर्राष्ट्रीय नियमों का नहीं हुआ सम्मान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सोमवार को वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के बाद वेनेजुएला में बढ़ती अस्थिरता पर चिंता जताई है, यद्वपि अमेरिका ने आश्वासन दिया है कि इस मध्य अमेरिकी देश पर कब्जा करने की उसकी कोई योजना नहीं है। गुटेरेस ने कहा कि वह चिंतित हैं कि तीन जनवरी की सैन्य कार्रवाई के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कानून के नियमों का सम्मान नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि मादुरो को मादक पदार्थों से संबंधित आरोपों में मैनहट्टन संघीय अदालत पेश किए जाने से कुछ घंटे पहले न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की बैठक हुई। मादुरो ने किसी भी आपराधिक संलिप्तता से इनकार किया है।

संयुक्त राष्ट्र की राजनीतिक मामलों की अवर महासचिव रोजमेरी डिकार्लो द्वारा परिषद में पढ़े गए एक बयान में गुटेरेस ने कहा कि मैं देश में अस्थिरता बढ़ने की आशंका, क्षेत्र पर इसके संभावित प्रभाव और राज्यों के बीच संबंधों के संचालन के मामले में इससे बनने वाले उदाहरण को लेकर बेहद चिंतित हूं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने इस बात पर जोर दिया कि 'सभी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून का पूर्ण सम्मान किया जाना अनिवार्य है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र चार्टर भी शामिल है। महासचिव ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग या धमकी को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाये रखना सभी सदस्य देशों की इन प्रावधानों का पालन करने की प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है। गुटेरेस ने हालात को नाजुक बताया और कहा कि एक बड़े और अधिक विनाशकारी संघर्ष को रोकना अभी भी संभव है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स का जिक्र करते हुए सुरक्षा परिषद को बताया कि अमेरिका ने अमेरिकी न्याय प्रणाली के दो घोषित भगोड़ों के खिलाफ अभियान चलाया।

श्रीलंका ने शांतिपूर्ण समाधान का किया आग्रह

कोलंबो। श्रीलंका ने संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया कि वह अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा, कल्याण और उनके संप्रभु अधिकारों को ध्यान में रखते हुए शांतिपूर्ण समाधान निकालने की दिशा में काम करे। अमेरिका ने वेनेजुएला की राजधानी काराकस पर शनिवार को सैन्य हमला कर उसके नेता निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। अमेरिका ने अपदस्थ राष्ट्रपति मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप लगाया है जिसे उन्होंने खारिज किया है। अमेरिका की इस कार्रवाई के बाद वेनेजुएला ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी बयान में कहा गया कि यह महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे उसके निकाय इस मामले पर संज्ञान लें।

वेनेजुएला के बाद अब क्यूबा के भविष्य को लेकर उठ रहे सवाल

हवाना। वेनेजुएला में हुए अमेरिकी हमले में 32 क्यूबाई सुरक्षा अधिकारियों की मौत के बाद क्यूबा में सोमवार को झंडे झुकाकर शोक मनाया गया। इस हमले के बाद क्यूबाई नागरिकों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी का उनके देश के भविष्य पर क्या असर पड़ेगा। दोनों देशों की सरकारों के बीच इतने करीबी रिश्ते हैं कि क्यूबाई सैनिक और सुरक्षा एजेंट अक्सर वेनेजुएला के राष्ट्रपति के अंगरक्षक होते थे और वेनेजुएला के पेट्रोलियम आयात से क्यूबा की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को कई वर्षों तक सहारा मिलता रहा है। क्यूबाई अधिकारियों ने सप्ताहांत में कहा कि 32 सुरक्षा अधिकारी इस हमले में मारे गए लेकिन इसके बारे में और कोई विवरण नहीं दिया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि मादुरो को हटाने से दशकों पुराने एक और लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी और वह है क्यूबा की सरकार को नुकसान पहुंचाना। क्यूबा को वेनेजुएला से अलग करने से उसके नेताओं के लिए भयानक परिणाम हो सकता है।

शक्तिशाली भूकंप के झटकों से हिल उठा जापान

तोक्यो। पश्चिमी जापान में मंगलवार को शक्तिशाली भूकंप आया लेकिन इससे सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण कोई बड़ा नुकसान होने या किसी के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भूकंप की तीव्रता 6.2 थी और यह उत्तर-पश्चिमी जापान के शिमाने प्रांत में आया। बाद में एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 6.4 थी। प्रांतीय राजधानी मात्सुए और तोत्तोरी प्रांत के कुछ शहर समेत आसपास के शहरों में सबसे अधिक झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र लगभग 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई में था। उसने साथ ही कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। हालांकि, जेएमए के अधिकारियों ने क्षेत्र के निवासियों को सचेत किया कि लगभग एक सप्ताह तक शक्तिशाली भूकंप आने का खतरा है। अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, स्थानीय दमकल विभागों को लोगों के मामूली रूप से घायल होने की जानकारी मिली। इस क्षेत्र में शिंकांसेन बुलेट ट्रेन को अस्थायी रूप से निलंबित किया गया या उनके परिचालन में देरी हुई। क्षेत्र में शिमाने परमाणु बिजली संयंत्र और एक संबंधित केंद्र में कोई असामान्यता नहीं पाई गई।

भारत को कॉस्मिक डस्ट प्रयोग में मिली उल्लेखनीय सफलता

चेन्नई, एजेंसी

- इसरो ने कहा अंतरिक्ष के रहस्यों की खोज में यह बड़ा महत्वपूर्ण कदम

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि भारत में विकसित कॉस्मिक डस्ट एक्सपेरिमेंट (डीइएक्स) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पृथ्वी की कक्षा में ऑर्बिटल डेब्रिस (धूल कणों) के टकराव से उत्पन्न संकेतों का सफलतापूर्वक पता लगाया है। यह प्रयोग पीएसएलवी-सी58 एक्सपोसैट मिशन के तहत पीएसएलवी कक्षीय प्रायोगिक मॉड्यूल (पोओईम) पर एक जनवरी 2024 को प्रक्षेपित किया गया था। इसरो ने इसे अंतरग्रहीय रहस्यों की खोज में एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है।

इस सफलता से यह भी प्रमाणित हुआ है कि डीइएक्स उपकरण अंतरिक्ष में मौजूद सूक्ष्म धूल कणों को पहचानने और उन्हें मापने में पूरी तरह सक्षम है। इसरो के अनुसार, अंतर-गृहीय धूल कण (आईडीपी) धूमकेतुओं और छोटे तारों (एस्टरॉइड) से निकले सूक्ष्म कण होते हैं, जो पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते समय उल्का परत बनाते हैं और रात के आकाश में टूटते तारों के रूप में दिखाई देते हैं। डीइएक्स ऐसे अत्यधिक वेग वाले धूल कणों का अध्ययन करने वाला भारत का पहला स्वदेशी उपकरण है। इसरो ने बताया कि यह कॉम्पैक्ट उपकरण अंतरिक्ष में धूल कणों के टकराव को सुनने के लिए डिज़ाइन किया गया है और मात्र 4.5 वॉट बिजली खपत के साथ काम करता है। लगभग तीन किलोग्राम वज़न वाला यह डिटेक्टर हाइपर-वेलोसिटी सिद्धांत पर आधारित है। डीइएक्स को पृथ्वी से लगभग 350 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया था। यह 140 डिग्री वाइड-व्यू वाला डिटेक्टर एक जनवरी से नौ फरवरी 2024 के बीच सक्रिय रहा और इस दौरान उसने कई बार धूल कणों के टकराव दर्ज किए।

आदित्य-एल1 के लिए मांगे शोध प्रस्ताव

भारत के अंतरिक्ष विज्ञान कार्यक्रम में आदित्य-एल1 मिशन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो सूर्य-पृथ्वी एल1 बिंदु से सूर्य का निरंतर और व्यापक अवलोकन सक्षम बनाता है। इस मिशन से वैज्ञानिक लाभ बढ़ाने के लिए इसरो ने पहला एनाउंसमेंट ऑफ ऑपर्च्युनिटी अवसर की घोषणा की है। इसके तहत भारतीय सौर भौतिकी समुदाय से आदित्य-एल1 के अवलोकन समय के लिए शोध प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने में किशोर गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी

- देश की संवेदनशील सूचनाएं कर रहा था साझा

पंजाब के पठानकोट में 15 वर्षीय किशोर को पाकिस्तानी आकाओं से संवेदनशील स्थानों की जानकारी साझा करने के आरोप में पकड़ा गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एक सोशल मीडिया मंच के जरिए किशोर के जहन में कट्टरपंथी विचारधाराएं डाली गईं।

पठानकोट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि किशोर पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तान में आतंकी मॉड्यूल संचालित करने के वाले प्रमुख संगठनों के संपर्क में था और देश की सुरक्षा से जुड़ी जानकारी साझा कर रहा था। इसी सूचना के आधार पर सोमवार को किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। एसएसपी के अनुसार, किशोर के पिता की एक वर्ष से अधिक समय पहले मृत्यु हो गई थी। वह जम्मू-कश्मीर में रहते थे। उन्होंने बताया कि किशोर कई सोशल मीडिया मंच पर सक्रिय था और इसी दौरान वह पाकिस्तानी आकाओं के जाल में फंस गया।

ईरान के विरोध प्रदर्शनों में अब तक 35 की मौत

दुबई। ईरान में अर्थव्यवस्था की खस्ताहाल स्थिति और राजनीतिक दमन को लेकर एक हफ्ते से अधिक समय से जारी विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,200 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

एक मानवाधिकार एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस बीच, ईरान सरकार ने देश के पश्चिमी प्रांत ईलम में हिंसा की बात स्वीकार की है, जहां सुरक्षाबलों ने एक अस्पताल पर धावा बोला और आम नागरिकों पर गोलीबारी भी की।

महाराष्ट्र में ऑनलाइन ठगी गिरोह पकड़ा, सात गिरफ्तार

पालघर, एजेंसी

- ऑनलाइन योजनाओं के जरिए की 200 करोड़ की ठगी

महाराष्ट्र पुलिस ने विदेशी मुद्रा और सोने के कारोबार से जुड़ी ऑनलाइन योजनाओं के जरिए सैकड़ों लोगों से 200 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम देने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने अब तक महाराष्ट्र से सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जो देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज 50 से अधिक आपराधिक मामलों से जुड़े हैं। संदेह है कि गिरोह के सरगना विदेश से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते थे।

मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने बताया कि जालसाज वैवाहिक वेबसाइट और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से विश्वास जीतकर पीड़ितों को निशाना बनाते थे। इसके बाद उन्हें धोखाधड़ी वाली योजनाओं में निवेश करने के लिए प्रेरित किया जाता था। उन्होंने बताया कि पुलिस को अहम सफलता 12 नवंबर को तब मिली।

ट्रंप बोले, प्रधानमंत्री मोदी मुझसे खुश नहीं क्योंकि भारत को अधिक शुल्क देना पड़ रहा

- राष्ट्रपति ने हाउस जेओपी सदस्य रिट्रीट में किया दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि रूसी तेल खरीदने पर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे ज्यादा खुश नहीं हैं।

ट्रंप ने 'हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट में अपने संबोधन में यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी मुझसे मिलने आए और बोले कि श्रीमान्, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं? मैने कहा, जी हां। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं।

वह मुझसे उतने खुश नहीं हैं, क्योंकि उन्हें काफी शुल्क देना पड़ रहा है। लेकिन, अब उन्होंने रूस से तेल का व्यापार काफी हद तक कम कर दिया है। हाउस जीओपी मेंबर रिट्रीट अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के रिपब्लिकन पार्टी सदस्यों की एक वार्षिक बैठक है। ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जिसमें रूस से तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है। ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत ने उन्हें बताया है कि वह अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए पांच साल से इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम इसे बदल रहे हैं। भारत ने 68 अपाचे हेलीकॉप्टर का ऑर्डर दिया है। भारी शुल्क लगाने पर भारत और अमेरिकी रिश्तों में कुछ खटास आ गई है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 8 जनवरी 06.33 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

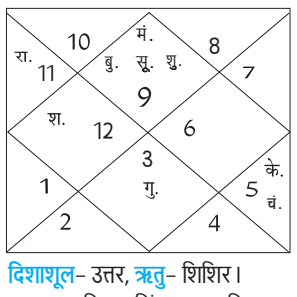

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मघा 11.56 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

मेष — आज कुछ कड़े और महत्वपूर्ण निर्णय आपको लेने पड़ सकते हैं। आवश्यक सामानों की खरीदारी में धन खर्च कर होगा। आपकी आय बढ़ सकती है। जीवनसाथी की सहायता से आपको करियर में सफलता मिलेगी। बच्चों के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी।

वृष — आज आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहने वाला है। आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। अपनी प्रतिभा को पुनः विकसित करने का अवसर मिल सकता है। सामाजिक कार्यक्रमों में आप सम्मिलित हो सकते हैं। प्रियजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मिथुन — आज टीमवर्क के माध्यम से गंभीर समस्याओं का निराकरण कर लेंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता का भाव बढ़ेगा। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। नए संबंधों का विकास हो सकता है। संतान के कार्यों पर नजर बनाकर रखें।

कर्क — आज परिवार में थोड़ी कलह होने की संभावना है। अजनबी व्यक्तियों पर अधिक विश्वास न करें। हृदय रोगियों को सावधान रहने की आवश्यकता है। संतान के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। आपको पैरों में चोट लग सकती है।

सिंह — आज भोग-विलास का आनंद उठाएंगे। धार्मिक स्थल पर जाने का विचार बना सकते हैं। किसी दुविधा का समाधान मिलेगा। आपको कुछ नया सीखने का मौका मिल सकता है। पुरानी डील के कारण आपको लाभ मिलने की संभावना है।

कन्या — आज आय के साथ-साथ आपके खर्च भी बढ़ेंगे। अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। व्यापार में नए बदलाव करने से बचें। परिश्रम का सार्थक परिणाम नहीं मिलेगा। वैवाहिक जीवन को लेकर समस्या हो सकती है।

तुला — आज सरकारी कार्यों में कुछ बाधा आ सकती है। धर्म-कर्म को लेकर अंधविश्वासी न बनें। आप कुछ नया काम करने को लेकर प्रेरित होंगे। दूसरों के विवादों में समझौता न करायें। भाई-बहनों के साथ रिश्तों में प्रेम भाव बढ़ेगा।

वृश्चिक — आज जॉब में मनोवान्छित लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। घरेलू खर्च को लेकर बजट का ध्यान रखें। प्रबुद्ध व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। सहकर्मी आपकी चुगली कर सकते हैं।

धनु — आज व्यवसाय में बड़ा परिवर्तन करने से आपको बचना चाहिए। किसी भी कार्य को ठीक तरह से करने में मुश्किल होगी। कार्यक्षेत्र में अकस्मात परिवर्तन आ सकते हैं। दुष्टजन आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

मकर — आज उधार चुकाने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। वाहन का प्रयोग सावधानी से करें। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच-समझकर दान करना चाहिये। मेहनत में कमी न करें। जल्दबाजी के कारण कार्यों में विघ्न आ सकते हैं।

कुंभ — आज रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। व्यापार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। घर का वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। पिता की सेहत का ध्यान रखें।

मीन — आज उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों को सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। मन में हीन भावना पनप सकती है। परिवार में क्लेश का वातावरण हो सकता है। घर के लिए खरीदारी कर सकते हैं। वृद्धजनों के साथ बहसबाजी करने से बचें।

सुडोकू -25

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

7		3		6	4		9	
	8		5			6		2
6		5	2	8				
		9			2		8	3
	5		3	4		9		
3		1		9			5	4
	9				6			
1			9			3		8
	3		8			5		

सुडोकू - 24 का हल

8	7	9	3	2	6	5	1	4
6	3	5	1	8	4	2	7	9
4	2	1	9	7	5	8	6	3
5	9	6	8	4	7	3	2	1
2	8	4	5	3	1	6	9	7
7	1	3	6	9	2	4	5	8
3	5	2	7	1	8	9	4	6
1	4	8	2	6	9	7	3	5
9	6	7	4	5	3	1	8	2

मैंने कभी भी किसी तरह के पूर्वाग्रह के साथ क्रिकेट खेली है। मेरी मानसिकता हमेशा जीतने की रही है। अगर मैं मानसिक रूप से तैयार होकर मैदान में उतरता हूं, तो मैं संतुष्ट रहता हू। मुझे तभी निराशा होती है जब मैं मानसिक रूप से तैयार नहीं रहता हूं।

विक्वंटन डीकॉक, द .अफ्रीका

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 7 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

वैभव ने पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, भारतीय यूथ वनडे में जड़ा तीव्रतम पचासा

बेनोनी, एजेंसी

- कप्तानी करते हुए सूर्यवंशी ने पावर-हिटिंग का किया शानदार प्रदर्शन

क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका अंडर 19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे के दौरान यूथ वनडे इंटरनेशनल में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रेगुलर कप्तान आयुष म्हात्रे की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी करते हुए, 14 साल के सूर्यवंशी ने पावर-हिटिंग का शानदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ़ 15 गेंदों में अपना हाफ सेंचुरी पूरा किया, जिससे उन्होंने सीनियर भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। युवा ओपनर आखिरकार 24 गेंदों पर शानदार 68 रन बनाकर आउट हो गए, इस पारी में क्लीन स्ट्राइकिंग का बोलबाला था। उन्होंने 10 छक्के और सिर्फ़ एक चौका लगाया, जिसमें से 64 रन बाउंड्री से आए, जिससे साउथ अफ्रीकी गेंदबाज़ों को उन्हें रोकने में मुश्किल हुई। इससे पहले, साउथ अफ्रीका अंडर19 ने पहले बैटिंग करने का फैसला किया और 49.3 ओवर में 245 रन पर आउट हो गई। बाद में बारिश की रुकावट से बदले हुए हालात में भारत का टारगेट 27 ओवर में 174 रन कर दिया गया। भारत ने आक्रामक शुरुआत की, जिसमें ओपनर एरॉन जॉर्ज और सूर्यवंशी ने मेजबान टीम पर अटैक किया। दोनों ने सिर्फ़ 4.1 ओवर में टीम का पचास रन पूरा किया। जॉर्ज सबसे पहले आउट हुए, उन्होंने 19 गेंदों पर 20 रन बनाए और भारत का स्कोर 6.1 ओवर में 1 विकेट पर 67 रन था। सूर्यवंशी ने 8.1 ओवर में माइकल क्रुइसकैंप ने उन्हें आउट कर दिया, और तब भारत का स्कोर 10 ओवर में दो विकेट पर 103 रन था।

हरमनप्रीत 13वें स्थान पर पहुंचीं, दीप्ति शीर्ष से खिसकीं

आईसीसी टी20 रैंकिंग

- स्मृति और शेफाली क्रमश : तीसरे और छठे स्थान पर बरकरार
- ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी ने शीर्ष स्थान पर पकड़ रखी मजबूत

दुबई, एजेंसी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला में खेले गए आखिरी मुकाबले में मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 की रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के सुधार के साथ 13वें पायदान पर पहुंच गईं। भारत ने इस मैच को 15 रन से जीत कर शृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। हरमनप्रीत को इस मैच में 43 गेंदों में 68 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह इसके बाद रैंकिंग में शीर्ष 10 के और करीब हैं। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा क्रमशः तीसरे और छठे स्थान पर बरकरार है जबकि ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी ने शीर्ष स्थान पर पकड़ मजबूत कर रखी है। जेमिमा रोड्रिग्स हालांकि शीर्ष 10 से बाहर हो कर 12वें स्थान पर खिसक गई है।

दीप्ति शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष से नीचे आ गई हैं। पांचवें टी20 मैच में उनका 28 रन पर एक विकेट लेना ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को शीर्ष पर पहुंचने से रोकने के लिए काफी नहीं था। दीप्ति रेटिंग अंक के मामले में सदरलैंड (736) से सिर्फ एक अंक पीछे हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय बायें हाथ की स्पिनर श्री चरनी पांच पायदान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर पहुंच गईं। श्रीलंका के लिए कविशा दिलहारी (एक पायदान ऊपर चढ़कर 32वें स्थान पर) और चमारी अटापट्टू (तीन पायदान ऊपर चढ़कर 48वें स्थान पर) ने गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार किया।

भारतीय महिलाओं को भविष्य में हराना मुश्किल होगा : गार्डनर

मुंबई। एशले गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया इस समय महिला क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ टीम है, लेकिन उन्होंने कहा कि आने वाले दशक में वनडे विश्व चैंपियन भारतीय टीम को हराना काफी मुश्किल होगा। पिछले साल महिला विश्व कप सेमीफाइनल में भारत से हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रही गार्डनर ने कहा कि हरमनप्रीत कौर की टीम के प्रदर्शन में जबर्दस्त सुधार आया है। नौ जनवरी से शुरू हो रही महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाइंट्स के लिए खेल रही गार्डनर ने कहा कि भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई होने के नाते मैं इससे भयभीत हूं लेकिन यहां खेल का तेजी से विकास देखकर अच्छा लग रहा है। गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अब भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। उन्होंने कहा कि विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत की बानगी देते हैं। अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जायेंगे। भारत से मिली हार कठिन थी, लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी खतरनाक हो सकती है। महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में भारत की विश्व कप विजेता टीम में से सिर्फ तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर है, लेकिन उनके पास बेथ मूनी, डैनी वियाट हॉज और सोफी डेवाइन जैसे धुरंधर विदेशी खिलाड़ी हैं।

हाईलाइट

महाराष्ट्र क्रिकेट संघ के चुनाव पर लगी रोक

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को होने वाले महाराष्ट्र क्रिकेट संघ की शीर्ष परिषद के चुनाव पर रोक लगा दी है और निवर्तमान अध्यक्ष और एनसीपी विधायक रोहित पवार के रिश्तेदारों समेत 400 नए सदस्यों को जोड़ने पर सवाल उठाये हैं। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और गौतम अनखड़ की पीठ ने कहा कि जिस तरीके से नए सदस्यों को जोड़ा गया है, उससे प्रथम दृष्टया लगता है कि सब कुछ आनन फानन में किया गया।

ग्रिक्सपोर-जैंडस्चुल्प डच टीम से बाहर

नई दिल्ली। नीदरलैंड ने 7-8 फरवरी को बेंगलुरु में भारत के खिलाफ होने वाले डेविस कप क्वालीफायर मुकाबले के लिए अपने शीर्ष एकल खिलाड़ियों टैलन ग्रीक्सपोर और बोटिक वैन डे जैंडस्चुल्प को अपनी चार सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया है। ग्रीक्सपोर वर्तमान में नीदरलैंड के नंबर एक खिलाड़ी हैं और उनकी विश्व रैंकिंग 25 है। जैंडस्चुल्प की विश्व रैंकिंग 75 है। भारत के खिलाफ मुकाबले में एकल वर्ग में विश्व रैंकिंग में 71वें स्थान पर काबिज जेस्पर डी जोंग और 158वीं रैंकिंग के खिलाड़ी गाय डेन ओडेन नीदरलैंड की अगुवाई करेंगे।

सनराइजर्स ने कैपिटल्स को 10 विकेट से हराया

सेंचुरियन। विक्वंटन डीकॉक और जॉनी बेयरस्टो के बीच पहले विकेट के लिए अटूट शतकीय साझेदारी की मदद से सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने यहां खेले गए एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में प्रिटोरिया कैपिटल्स को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी।

अनाहत ब्रिटिश जू. ओपन स्क्वाश के फाइनल में

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में जीत हासिल की। फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा। अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है।

उप्र क्वार्टर फाइनल में, विदर्भ-बंगाल व बड़ौदा भी रेस में

अभिषेक के शतक की बदौलत उत्तर प्रदेश ने ग्रुप बी के मुकाबले में विदर्भ को 54 रनों से हराया

विजय हजारे ट्रॉफी

- उप्र ने 339 रनों का दिया लक्ष्य, मोखाड़े ने 147 रनों के बावजूद विदर्भ 285 रनों पर ही सिमटी
- अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए 20 अंकों के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर उप्र

राजकोट, एजेंसी

अभिषेक गोस्वामी के शानदार शतक की बदौलत उत्तर प्रदेश ने मंगलवार को खेले गए ग्रुप बी के अहम मुकाबले में विदर्भ को 54 रन से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 339 रन बनाए, जिसमें गोस्वामी ने 103 रन की शानदार पारी खेली। उन्हें प्रियंक गर्ग (67), ध्रुव जुरेल (56) और रिंकू सिंह (57) के तेज अर्धशतकों का अच्छा मिला।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अमन मोखाड़े ने संघर्षपूर्ण 147 रन बनाए लेकिन विदर्भ की टीम 50 ओवर में नौ विकेट पर 285 रन ही बना सकी। उत्तर प्रदेश की ओर से कुलदीप यादव ने 52 रन देकर तीन विकेट झटके। इस जीत के साथ उत्तर प्रदेश ने अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए 20 अंकों के साथ अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं विदर्भ, बंगाल और बड़ौदा के 16-16 अंक हैं और एक-एक मैच शेष है। तीनों टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की दौड़ में हैं।

हैदराबाद ने अमन राव के दोहरे शतक की बदौलत बंगाल को हराया

अमेरिका में जन्मे अमन राव की ताबड़तोड़ नाबाद दोहरे शतक से खिताबी दौड़ से बाहर हो चुकी हैदराबाद ने बंगाल को 107 रन से शिकस्त दी। इस हार से उसकी क्वार्टर फाइनल की उम्मीदों को झटका लगा। आईपीएल नीलामी में राजस्थान रॉयल्स की टीम से जुड़े 21 साल के राव ने सिर्फ तीसरी लिस्ट-ए मैच 109 गेंदों पर नाबाद 200 रन बनाए। उनकी इस पारी में 12 चौके और 13 छक्के शामिल थे। राव की इस पारी की बदौलत हैदराबाद ने पांच विकेट पर 352 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह इस टूर्नामेंट का दूसरा दोहरा शतक था। इससे पहले दिसंबर में ओडिशा के स्वस्तिक सामल ने सौराष्ट्र के खिलाफ 212 रन बनाए थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए राव ने बंगाल के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं। उन्होंने मोहम्मद शमी (70 रन पर 3 विकेट), आकाश दीप (बिना किसी सफलता के 78 रन) और मुकेश कुमार जैसे गेंदबाजों के खिलाफ 120 रन बटोरे। राव ने राहुल सिंह (65) के साथ पहले विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी करने के बाद कप्तान तिलक वर्मा (34) के साथ 87 रन जोड़े। उन्होंने अपनी दोहरी शतकीय पारी का जश्न पारी की आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मनाया। मोहम्मद सिराज (58 रन पर 4 विकेट) की गेंदबाजी के सामने बंगाल की टीम 44 .4 ओवर में 245 रन पर सिमट गई। बंगाल के लिए शाहबाज अहमद ने अकेले 113 गेंदों पर नाबाद 108 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला। इस हार के बाद बंगाल ने छह मैचों में चार जीत के साथ नेट रन रेट के आधार पर विदर्भ के पीछे तीसरा स्थान है।

बड़ौदा ने जम्मू-कश्मीर को दी 76 रनों से मात

विष्णु सोलंकी (132) और प्रियांशु मोलिया (114) के शानदार शतकों की बदौलत बड़ौदा ने जम्मू-कश्मीर को 76 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए बड़ौदा ने सोलंकी और मोलिया के शतकों की मदद से 50 ओवर में 332 (ऑल आउट) बनाये। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम 45 .3 ओवर में 256 रन पर सिमट गई। जम्मू कश्मीर के लिए दीक्षांत कुंडल (66) और कवलप्रीत सिंह (65) ने संघर्षपूर्ण अर्धशतक जमाए। इस जीत के साथ बड़ौदा के 16 अंक हो गए, और वह बंगाल और विदर्भ के साथ अंकों में बराबरी पर आ गया। ग्रुप के एक अन्य मैच में मनन वोहरा (102) और अर्जुन आजाद (140) के शानदार शतकों की बदौलत चंडीगढ़ ने असम को सात विकेट से हराया। शिवशंकर रॉय ने नाबाद 106 रन की पारी खेलकर असम को सात विकेट पर 284 रन तक पहुंचाया, लेकिन चंडीगढ़ ने कप्तान वोहरा और आजाद की सलामी जोड़ी की 244 रन की साझेदारी की मदद से लक्ष्य को 47 .2 ओवर में हासिल कर लिया

मयंक-पडिक्कल की साझेदारी से कर्नाटक क्वार्टर फाइनल में

अहमदाबाद, एजेंसी

शानदार लय में चल रहे कप्तान मयंक अग्रवाल (100) और देवदत्त पडिक्कल (91) की बड़ी साझेदारी से कर्नाटक ने मंगलवार को राजस्थान को 150 रन से करारी शिकस्त देकर विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली। कर्नाटक ने सात विकेट पर 324 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (36 रन पर पांच विकेट) की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी से राजस्थान को 38 ओवर में 174 रन पर आउट कर दिया। कर्नाटक की यह लगातार छठी जीत है।

टीम ने 24 अंक के साथ ग्रुप तालिका में शीर्ष स्थान पक्का कर लिया है। केरल, झारखंड और मध्य प्रदेश के 16-16 अंक हैं और वे नेट रन रेट के आधार पर दूसरे स्थान के लिए अंतिम दौर के मैच में जोर लगायेंगे। तमिलनाडु और त्रिपुरा आठ-आठ अंकों के साथ क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर हैं। मयंक ने 107 गेंदों में दूसरा शतक जड़ा जबकि पडिक्कल 82 गेंदों में नौ रन से सत्र का अपना पांचवां शतक पूरा करने से चूक गए। दोनों की 184 रन की साझेदारी के दौरान राजस्थान के गेंदबाज असहाय नजर आये। विष्णु विनोद की नाबाद 162 की आक्रामक पारी से केरल ने पुडुचेरी को 21 ओवर शेष रहते आठ विकेट से हराकर अपने नेट रन रेट में बड़ा सुधार किया।

जीत की जिद

झारखंड के रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में चल रही महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 के मैच के दौरान गेंद पर कब्जा करने के लिए संघर्ष करतीं नारंगी जर्सी में श्रची बंगाल टाइगर्स और एसजी पाइपर्स की खिलाड़ी। ● एजेंसी

हेड और स्मिथ के शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत

- पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में 7 विकेट पर बनाए 518 रन

सिडनी, एजेंसी

ट्रैविस हेड के वर्तमान एशेज शृंखला के तीसरे शतक और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ के पहले शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 7 विकेट पर 518 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह से पहली पारी में 134 रन की बढ़त हासिल कर ली है।

इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। हेड ने सुबह 91 रनों के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और उन्होंने 166 गेंदों में 163 रन बनाए। इससे पहले उन्होंने पर्थ में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 123 रन और एडिलेड में तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में 170 रन बनाए थे। स्मिथ तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 129 रन पर खेल रहे थे। इससे पहले उनका इस शृंखला में उच्चतम स्कोर 61 रन था जो उन्होंने एडिलेड में पहली पारी में बनाया था। स्मिथ का यह एशेज में 13वां, उनके टेस्ट करियर का 37वां और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवां शतक है। साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय स्मिथ के साथ ब्यू वेबस्टर 42 रन बनाकर खेल रहे थे। इन दोनों ने अभी तक आठवें विकेट के लिए 81 रन जोड़े हैं।

पोंटिंग के पास पहुंचे रूट, तेंदुलकर से पीछे

सिडनी। टेस्ट क्रिकेट में अब इंग्लैंड के जो रूट के 41 शतक हो चुके हैं। वह अब सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज़ों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जहां वह रिकी पोंटिंग के साथ हैं। उनसे आगे सिर्फ़ सचिन तेंदुलकर (51) और जैक कैलिस (45) हैं। रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में 160 रन बनाकर यह उपलब्धि अपने नाम की। 2021 से अब तक रूट ने 24 टेस्ट शतक लगाए हैं। हैरी ब्रूक, केन विलियमसन, स्टीवन स्मिथ और शुभमन गिल दस शतकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

मलेशिया ओपन : लक्ष्य दूसरे दौर में पहुंचे, मालविका बाहर

कुआलालंपुर, एजेंसी

भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बावजूद मंगलवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में पराजित करके मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाकर नए सत्र की शानदार शुरुआत की।

पिछले सत्र के आखिर में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सेन ने मलेशिया ओपन में विश्व रैंकिंग में 21वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 70 मिनट में 21-16 15-21 21-14 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज सेन का अगला मुकाबला फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव या हांगकांग के ली चेउक यिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने के अंतराल के बाद वापसी करने वाली मालविका बंसोड़ को महिला एकल में हालांकि पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन से 11-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मुस्तफिजुर को नहीं मिलेगा मुआवजा

कोलकाता। बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ अनुबंध को समाप्त करने में कोई भूमिका नहीं होने पर किसी भी प्रकार का वित्तीय मुआवजा नहीं मिलेगा। केकेआर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देशों पर उन्हें टीम से बाहर कर दिया था। केकेआर ने मुस्तफिजुर को आईपीएल नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के साथ चली कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद 9.20 करोड़ में खरीदा था। बीसीसीआई ने अपने इस फैसले का कोई विशेष कारण नहीं बताया और केवल इतना कहा कि चारों तरफ घट रहे घटनाक्रमों के कारण यह जरूरी हो गया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इस पर भारत में होने वाले अपने टी20 विश्व कप के मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने की मांग की है।

टेनिस | अमेरिकी स्टार ने 45 साल की उम्र में भी जुझारूपन का शानदार नमूना किया पेश

कड़े संघर्ष के बाद मैग्डा लिनेट से हारीं वीनस विलियम्स

वेलिंगटन,एजेंसी

वीनस विलियम्स ने 45 साल की उम्र में भी अपने जुझारूपन का शानदार नमूना पेश किया, लेकिन आखिर में वह मंगलवार को ऑकलैंड ओपन डब्ल्यूटीए टूर टेनिस टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त मैग्डा लिनेट से हार गईं।

2026 में अपना पहला एकल मैच खेल रहीं वीनस ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में उन्हें 52वीं रैंकिंग की खिलाड़ी लिनेट से 6-4, 4-6, 6-2 से हार मिली। लिनेट उस समय केवल दो साल की थीं जब वीनस ने पेशेवर टूर पर अपना पहला एकल मैच खेला था। मंगलवार का मैच डब्ल्यूटीए टूर पर एकल वर्ग में विलियम्स का 1101वां मैच था। उन्होंने 12 साल छोटी खिलाड़ी के सामने जैसी चुनौती पेश की उससे उनका होबार्ट इंटरनेशनल और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले आत्मविश्वास बढ़ेगा।

7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस को ऑकलैंड ओपन के अलावा 12 जनवरी से होबार्ट में होने वाले टूर्नामेंट तथा साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 18 जनवरी से शुरू होगा। ऑकलैंड में खेला गया यह मैच वीनस का पिछले साल अगस्त में अमेरकी ओपन के पहले दौर में कैरोलिना मुचोवा से हारने के बाद पहला एकल मैच था। वीनस ने इससे पहले ऑकलैंड ओपन की शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना के साथ सोमवार को युगल मैच खेला था, जिसमें उन्हें इवा जोविक और एलेक्जेंड्रा एला से 7-6 (7), 6-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

जोकोविच का ऑस्ट्रेलियाई ओपन पर फोकस

एडिलेड। नोवाक जोकोविच ने अगले हफ्ते होने वाले एडिलेड इंटरनेशनल से अपना नाम वापस ले लिया है, उन्होंने फिटनेस की चिंताओं का हवाला दिया है क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी जारी रखे हुए हैं। इंस्टाग्राम स्टोरी में, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि वह एटीपी 250 इवेंट में शारीरिक रूप से प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं, और इस फैसले को व्यक्तिगत रूप से बहुत निराशाजनक बताया। जोकोविच ने कहा कि एडिलेड उनके लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्होंने दो साल पहले वहां खिताब जीता था, और कहा कि शहर में वापस आकर सच में घर जैसा महसूस हुआ। हालांकि, सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उनकी तत्काल प्राथमिकता सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम के लिए तैयार होना है।

सबालेंका ने जीत से की अभियान की शुरुआत

सिडनी। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने मंगलवार को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ अपने 2026 सीजन की शुरुआत की। सबालेंका ने दूसरे राउंड के मैच में स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 48 मिनट में हराया। बेलारूस की खिलाड़ी, जो ब्रिस्बेन में डिफेंडिंग चैंपियन हैं, को पहले राउंड में बाई मिली थी। सबालेंका ने शुरू से ही मैच पर कंट्रोल रखा, पहला सेट 22 मिनट में जीता और दूसरे सेट में 5-0 की बढ़त बना ली। इससे पहले मंगलवार को, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मैडिसन कीज ने मैककार्टनी केसलर को हराकर ब्रिस्बेन में तीसरे राउंड में जगह बनाई। सबालेंका तीसरे राउंड में जेलेना ओस्टापेंको या रोमानिया की सोराना सिर्स्टिया में से किसी एक से खेलेंगी।